

वार्षिक प्रतिवेदन-2021



कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

बारों रोड़, बोरखेड़ा, कोटा-324001 (राजस्थान)



Agriculture University Kota (Host, me)



Hon'ble Governor of Rajasthan





वार्षिक प्रतिवेदन 2021





उद्घरण

वार्षिक प्रतिवेदन 2021 कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

संरक्षक

प्रो. डी.सी. जोशी
कुलपति

प्रधान संपादक

डॉ. मुकेश चन्द्र गोयल
निदेशक (प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन)

तकनीकी सहयोग

डॉ. प्रताप सिंह
निदेशक, अनुसंधान

डॉ. एस.के. जैन
निदेशक, प्रसार शिक्षा

डॉ. के.एम. गौतम
तकनीकी सलाहकार

डॉ. आई.बी. मौर्या
अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी
महाविद्यालय, झालावाड़

डॉ. एम.सी. जैन
अधिष्ठाता, कृषि
महाविद्यालय, कोटा

प्रकाशन

निदेशालय प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन
कृषि विश्वविद्यालय, कोटा, बारौ रोड, बोरखेडा, कोटा-324001 (राजस्थान)
ई-मेल dpmeaukota2013@gmail.com, वेबसाइट-http:aukota.org



अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
•	प्राक्कथन	1
•	कार्यकारी सारांश	2-3
1.	कृषि विश्वविद्यालय – एक परिदृश्य	4-14
	विशिष्ट गतिविधियां एवं उपलब्धियां	
2.	शैक्षणिक	15-26
3.	अनुसंधान	26-42
4.	प्रसार शिक्षा	42-59
5.	बीज उत्पादन	59-65
6.	सम्पदा कार्यालय	65-66
7.	मानव संसाधन	66-69
8.	वित्त एवं लेखा	69
9.	पुरस्कार/सम्मान	70-72
10.	आकाशवाणी/दूरदर्शन कार्यक्रम	72
11.	प्रकाशन (शोध पत्र एवं लेख)	73-82
12.	वैज्ञानिकों द्वारा सेमिनार, कार्यशाला, प्रशिक्षण में भागीदारी	82-88
13.	सफलता की कहानियाँ	88
14.	प्रतिष्ठित व्यक्तियों का विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों का अवलोकन	89-90
15.	प्रेस मीडिया में कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	91-92
16.	परिशिष्ट (I-X)	93-98



कृषि विश्वविद्यालय, कोटा



कुलपति

प्राक्कथन

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का वार्षिक प्रतिवेदन-2021 प्रस्तुत करते हुए मुझे प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना 14 सितम्बर, 2013 को किसानों, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों की जरूरत, बुनियादी आचरण के अनुरूप आवश्यकता आधारित कुशल जनशक्ति विकसित करने, मौजूदा एवं दीर्घकालिक समस्याओं का समाधान और ज्ञान के सशक्तिकरण के लिए मानव संसाधन विकास कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए अनुप्रयुक्त अनुसंधान एवं कृषक समुदाय के लिए प्रौद्योगिकी का प्रभावी हस्तांतरण करने के लिये की गयी।

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने कोरोना महामारी की विपदा के बावजूद वर्ष 2021 दरम्यान शिक्षा, शोध एवं प्रसार शिक्षा के क्षेत्र में कई उपलब्धियाँ हासिल की हैं। भारतीय कृषि शिक्षा एकेडमिशन बोर्ड से गठित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की पी.आर.टी. (Peer Review Team) द्वारा प्रेषित की गई रिपोर्ट के आधार पर कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का अप्रैल 2021 से मार्च 2026 तक 5 वर्ष के लिए एकेडमिशन किया गया है। इसके साथ ही आई.सी.ए.आर. द्वारा स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी, स्नातक (ऑनर्स) वानिकी, स्नातकोत्तर फल विज्ञान, स्नातकोत्तर सब्जी विज्ञान, स्नातकोत्तर पुष्प व भू-परिदृश्य विज्ञान, स्नातकोत्तर वन संवर्धन एवं कृषि वानिकी, स्नातकोत्तर वनोत्पाद एवं उपयोग, स्नातकोत्तर जैव वानिकी एवं सुधार तथा विद्यावाचस्पति फल विज्ञान कार्यक्रमों को भी मार्च 2026 तक एकेडमिशन दिया गया है। इसके लिए कृषि विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी व कर्मचारी बधाई के पात्र हैं।

विश्वविद्यालय स्तर पर चल रही अनुसंधान और प्रसार गतिविधियों को प्रभावशाली तरीके से किसानों तक पहुंचाने के लिए नई तकनीकियों को सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी द्वारा कृषक समुदाय तक पहुंचाया गया। कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए विभिन्न फसलों की पाँच किस्में विकसित की गयी जो कि प्रशंसनीय उपलब्धि है। युवाओं के लिए आजीविका संवर्धन हेतु कौशल उन्नयन प्रशिक्षण आयोजित कर उनको उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करना सराहनीय है। महिलाओं एवं युवाओं द्वारा यहां से निरन्तर प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वयं के उद्यम स्थापित कर अतिरिक्त आय अर्जित कर ग्रामीण युवाओं का शहर की ओर पलायन को कम करने का सकारात्मक प्रयास किया गया। कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का बीज उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान रहा तथा आलोच्य वर्ष 2021 में कुल 14990 क्विंटल बीज उत्पादित किया गया। विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों पर स्थित पौधे शालाओं में 2 लाख 26 हजार से अधिक फल, सब्जी, सजावटी पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाये गये। प्रबंध मण्डल, अनुसंधान परिषद, प्रसार शिक्षा परिषद, विद्या परिषद, वित्त समिति, भवन समिति इत्यादि की बैठकें कर कार्यक्रमों को कारगर बनाने के लिए नियमित समीक्षा की गई।

इसी वर्ष में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा धनिया तथा लहसुन प्रसंस्करण एवं बेकरी उत्पाद पर इंक्यूबेशन सेन्टर स्थापित करने के लिए 3.39 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। मुझे विश्वास है कि इस परियोजना के अन्तर्गत युवाओं को उनके उद्योग स्थापित करने के लिए प्रशिक्षित कर रोजगार देने वालों के रूप में पहचान मिल सकेगी।

विश्वविद्यालय का पंचम दीक्षान्त समारोह 24 दिसम्बर, 2021 को श्री कलराज जी मिश्र, माननीय राज्यपाल, राजस्थान एवं कुलाधिपति की अध्यक्षता में आयोजित कर 188 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की एवं 17 स्वर्ण पदक से अभ्यर्थियों को सम्मानित किया गया।

हर्ष का विषय है कि कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत 32 सहायक प्राध्यापकों का प्रमोशन किया गया है, इसी प्रकार 21 शैक्षणोत्तर कर्मचारियों को विभिन्न पदों पर पदोन्नत किया गया है।

मैं हमारे सभी निदेशक, अधिष्ठाता, कुलसचिव, वित्त नियंत्रक, परीक्षा नियंत्रक, संपदा अधिकारी, अतिरिक्त निदेशक बीज एवं फार्म, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कार्यालय प्रभारी, कोषाधिकारी, वैज्ञानिकों व कर्मचारियों के साथ-साथ छात्रों का धन्यवाद ज्ञापित करना चाहूंगा जो विश्वविद्यालय को नई उँचाईयों पर ले जाने में सक्रिय भागीदार रहे हैं।

मैं डॉ. मुकेश चन्द गोयल, निदेशक (प्राथमिकता, निगरानी व मूल्यांकन) को इस वार्षिक प्रतिवेदन-2021 के लिए आवश्यक संकलन एवं सफल प्रकाशन के लिए बधाई देता हूँ।

(Handwritten signature)

(डी.सी. जोशी)

दिसम्बर 31, 2021



कार्यकारी सारांश

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने कोरोना महामारी की विपदा के बावजूद वर्ष 2021 दरम्यान शिक्षा, शोध एवं प्रसार शिक्षा के क्षेत्र में कई उपलब्धियाँ हासिल की हैं। भारतीय कृषि शिक्षा एकेडमीटेशन बोर्ड से गठित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की पी.आर.टी. (Peer Review Team) द्वारा प्रेषित की गई रिपोर्ट के आधार पर कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का अप्रैल 2021 से मार्च 2026 तक 5 वर्ष के लिए एकेडमीटेशन किया गया है। इसके साथ ही आई.सी.ए.आर. द्वारा स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी, स्नातक (ऑनर्स) वानिकी, स्नातकोत्तर फल विज्ञान, स्नातकोत्तर सब्जी विज्ञान, स्नातकोत्तर पुष्प व भू-परिदृश्य विज्ञान, स्नातकोत्तर वन संवर्धन एवं कृषि वानिकी, स्नातकोत्तर वनोत्पाद एवं उपयोग, स्नातकोत्तर जैव वानिकी एवं सुधार तथा विद्यावाचस्पति फल विज्ञान कार्यक्रमों को भी मार्च 2026 तक एकेडमीटेशन दिया गया है।

विश्वविद्यालय का पंचम दीक्षान्त समारोह 24 दिसम्बर, 2021 को श्री कलराज जी मिश्र, माननीय राज्यपाल, राजस्थान एवं कुलाधिपति की अध्यक्षता में आयोजित कर 188 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की एवं 17 स्वर्ण पदक से अभ्यर्थियों को सम्मानित किया गया। वर्ष का विषय है कि कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत 32 सहायक प्राध्यापकों का प्रमोशन किया गया है, इसी प्रकार 21 शैक्षणोत्तर कर्मचारियों को विभिन्न पदों पर पदोन्नत किया गया है।

वर्ष 2021 के दौरान शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार के क्षेत्र में कई मुद्दों पर नवीन पहल की गई तथा गुणवत्ता में सुधार किया गया। ग्रामीण कृषि कार्यानुभव (RAWB) द्वारा छात्रों को व्यवसायिक अनुभवात्मक तथा स्वयं अभ्यास प्रशिक्षण दिया जा रहा है जो उनके स्थापन में उपयोगी साबित हुआ है। विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान तथा प्रसार कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक सम्पादित किया गया। सत्र 2021 में अंतराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर सम्मेलनों/सेमिनार में वैज्ञानिकों की भागीदारी के साथ-साथ विभिन्न वेबीनार कार्यक्रम आयोजित हुए। संकाय के सदस्यों ने 85 सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन आदि में भाग लिया। विश्वविद्यालय द्वारा इस वर्ष 59 शोध पत्र, 49 तकनीकी बुलेटिन, फोल्डर एवं अन्य प्रकाशन किये गये।

विश्वविद्यालय के 60 विद्यार्थियों का परिसर साक्षात्कार के माध्यम से विभिन्न नियोक्ता इकाईयों में चयन हुआ। विश्वविद्यालय के 15 विद्यार्थियों का राजस्थान सरकार, जयपुर कृषि विभाग, में चयन हुआ तथा विश्वविद्यालय के 15 विद्यार्थियों का (AIEEA(PG)ICAR में चयन हुआ है।

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़, राजस्थान में उद्यानिकी एवं वानिकी में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्या वाचस्पति की उपाधि प्रदान करने वाला एक मात्र महाविद्यालय है। इस महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर उद्यानिकी (ऑनर्स) में 61 तथा वानिकी (ऑनर्स) में 66 सीटे, स्नातकोत्तर स्तर पर उद्यानिकी फल विज्ञान में 5 सीटें, सब्जी विज्ञान में 5 सीटें, पुष्प विज्ञान एवं भूदृश्य विज्ञान में 3, शस्योत्तर प्रौद्योगिकी विज्ञान में 2 तथा वानिकी वन संवर्धन एवं कृषि वानिकी में 5, जैव वानिकी एवं वृक्ष सुधार में 5, वनोत्पाद एवं उपयोग में तथा वन्य जीव प्रबन्धन विभाग में 5 सीटे हैं। विद्यावाचस्पति उद्यानिकी (फल विज्ञान) में 3 सीटें हैं। महाविद्यालय में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति कार्यक्रमों में प्रवेश JET/Pre-PG/PhD प्रवेश परीक्षा एवं ICAR प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। महाविद्यालय में क्लास रूम को डिजिटल टिचिंग डिवाइस के साथ वाई फाई सिस्टम, पोडियम, माइक सिस्टम, बायोमेट्रिक मशीन और सुरक्षा कैमरा लगाकर स्मार्ट क्लास रूम के रूप में विकसित किया गया है, ताकि छात्रों को बेहतर प्रस्तुति के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। महाविद्यालय में छात्रों के व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई और राष्ट्रीय केडेट कोर (एनसीसी) इकाई गठित है। महाविद्यालय में इनडोर व आउट डोर खेल कूद की सभी मूल भूत सुविधायें उपलब्ध हैं। महाविद्यालय में सात Experiential Learning Unit हैं जिनमें टिश्यूकल्चर, बीज विधायन, मधुमक्खी पालन, पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नॉलाजी, नर्सरी प्रबन्धन, संरक्षित खेती एवं गुणवत्तायुक्त वृक्षों की पौध तैयार करने की इकाई शामिल हैं।

कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा

कृषि महाविद्यालय, कोटा की स्थापना अप्रैल, 2018 में राजस्थान सरकार की बजट घोषणा के अनुसार की गई थी। कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के संघटक महाविद्यालय के रूप में यह कोटा-कैथून मुख्य सड़क मार्ग पर बस स्टैण्ड से 10 किमी और कोटा शहर रेलवे स्टेशन से 15 किमी दूर स्थित है। महाविद्यालय में स्नातक (आनर्स) कृषि (प्रवेश क्षमता 66 विद्यार्थी), स्नातकोत्तर कृषि (शस्य विज्ञान, उद्यान विज्ञान, मृदा विज्ञान, पादप रोग विज्ञान, अनुवांशिकी व प्रजनन विज्ञान, कीट विज्ञान, प्रसार विज्ञान) (प्रवेश क्षमता 26 विद्यार्थी) तथा विद्यावाचस्पति कृषि (शस्य विज्ञान, अनुवांशिकी एवं प्रजनन विज्ञान व पादप रोग विज्ञान) (प्रवेश क्षमता 06 विद्यार्थी) के पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। कॉलेज एक समावेशी वातावरण में शिक्षाविदों, सांस्कृतिक, खेल, नेतृत्व और सामाजिक प्रयासों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए समान अवसर प्रदान करता है जो अपनी स्थापना के बाद से सीखने और शिक्षण का समर्थन करता है। इसका शैक्षिक वातावरण सर्वांगीण उच्च प्राप्ति की खोज, तृतीयक तैयारी पर ध्यान, छात्र कार्यक्रमों में विविधता और अंतिम लक्ष्य की प्राप्ति के साथ उच्च गुणवत्ता वाले परिणामों की विशेषता है।



कृषि महाविद्यालय, हिण्डौली (बून्दी)

नव सृजित कृषि महाविद्यालय, हिण्डौली जिला बून्दी की स्थापना माननीय मुख्यमंत्री महोदय की बजट घोषणा 2021-22 के बिन्दु संख्या 83 के क्रम में कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के अन्तर्गत की गई है। राजस्थान सरकार कृषि (गुप-3) विभाग के क्रमांक-प1(3) कृषि-3/2021/दिनांक 07.04.2021 द्वारा इसकी प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। महाविद्यालय के संचालन हेतु अस्थायी तौर पर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, हिण्डौली के भवन को आवंटित करवाकर अधिग्रहण किया गया है। भवन में कुल 07 बड़े हाल निर्मित हैं जिसको कार्यालय, कक्षा कक्ष एवं प्रयोगशाला के रूप में काम लिये जा रहे हैं। शैक्षणिक सत्र 2021-22 में 60 छात्र/छात्राओं के प्रवेश के साथ अध्यापन कार्य शुरू कर दिया गया है। महाविद्यालय को इन्सट्रक्शनल फार्म हेतु भूमि आवंटन की प्रक्रिया जिला कलेक्टर बून्दी के पास प्रक्रियाधीन है। शीघ्र ही भूमि आवंटन की उम्मीद है।

अनुसन्धान निदेशालय

कृषि विश्वविद्यालय कोटा के अधीन अनुसंधान इकाइयों के रूप में (एक कृषि अनुसन्धान केन्द्र कोटा, दो कृषि अनुसन्धान उपकेन्द्र अकलेरा (झालावाड), खानपुर (झालावाड) एवं दो बीज उत्पादन फार्म यांत्रिक कृषि फार्म कोटा व बीज उत्पादन फार्म, सुल्तानपुर में कार्यरत हैं। अनुसंधान निदेशालय के अधिकार क्षेत्र में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान की 14 परियोजनाएँ, 7 स्वैच्छिक परियोजनाएँ, 11 आर.के.वी.वाई (राष्ट्रीय कृषि विकास योजना) परियोजनाएँ व 36 कोर्पोरेट सेक्टर की निजी परियोजनाएँ शामिल हैं। वर्ष 2021 में मसूर की कोटा मसूर-4 (आर.के.एल. 58 एफ 3715), अलसी की कोटा बारानी अलसी 6 (आर एल-15584) व कोटा अलसी-6 (आर एल-13165), उड़द की कोटा उड़द-5 (के.पी.यू.52-87), चना की कोटा काबुली चना-3 (आर के जी के 13-414) सहित पांच किस्में विकसित की गयीं। साथ ही खरीफ व रबी की विभिन्न फसलों की 12 किस्में कोटा खण्ड के लिए सिफारिश की गई है तथा 22 तकनीकें फसल, फल एवं सब्जी हेतु राजस्थान जलवायु खण्ड V के लिए सिफारिश की गई हैं।

प्रसार शिक्षा निदेशालय

प्रसार शिक्षा निदेशालय के माध्यम से कृषकों, कृषक महिलाओं, ग्रामीण युवाओं एवं प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु नवीन कृषि तकनीकों के प्रचार प्रसार, कौशल एवं उद्यमिता विकास हेतु विभिन्न फसल प्रदर्शन, प्रशिक्षण एवं तकनीकी सलाह प्रदान करता है। इसी के साथ प्रथम पंक्ति प्रदर्शन एवं खेत पर प्रदर्शन (ओ.एफ.टी.) द्वारा अनुसंधान किये जाते हैं जिससे किसान खेती के उन्नत तरीकों को अपना सकें। वर्ष 2021 में कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कुल 273 प्रशिक्षण आयोजित कर 9264 कृषक समुदाय को लाभान्वित किया तथा 2148 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (फसल, उद्यानिकी व अन्य) एवं 35641 प्रतिभागियों को विभिन्न प्रसार गतिविधियों द्वारा लाभ पहुंचाया गया।

शिक्षा निदेशालय

विश्वविद्यालय के शिक्षा निदेशालय अन्तर्गत वर्ष 2021 में अकादमिक परिषद की 17वीं बैठक 20.07.2021 एवं 18वीं बैठक 04.10.2021 को आयोजित की गई जिनमें शिक्षा में सुधार हेतु कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। जिनमें कोरोना काल में प्रथम वर्ष के सभी छात्रों कृषि/वानिकी/उद्यानिकी को द्वितीय वर्ष में प्रमोट करने हेतु सूत्र का अनुमोदन, वर्ष 2020 के स्नातकोत्तर, बागवानी संकाय में विद्यावाचस्पति उपाधि प्रदान करने के लिए ग्रेस पास, शैक्षणिक सत्र 2019-20 के लिए विश्वविद्यालय के सभी संकायों के योग्य मेधावी स्नातकों, वर्ष 2020 के स्नातकोत्तर एवं संकायवार विद्यावाचस्पति उपाधि कार्यक्रम के लिए दिए जाने वाले "स्वर्ण पदकों" का अनुमोदन तथा वर्ष 2020 के लिए संपूर्ण स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम के लिए "कुलाधिपति स्वर्ण पदक" का अनुमोदन शामिल हैं।

परीक्षा नियंत्रक कार्यालय

राज्य सरकार के आदेशानुसार एवं कोविड 19 की गाईडलाइन्स के आधार पर 2020-21 की सम्पूर्ण परीक्षाएँ आयोजित करवाकर समय पर परिणाम घोषित किये गये। जिनका उत्तीर्ण परिणाम 100 प्रतिशत रहा। 24 दिसम्बर, 2021 को आयोजित पंचम दीक्षान्त समारोह के दौरान कुल 188 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गयीं। जिनमें स्नातक (आनर्स) कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी के 133, स्नातकोत्तर कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी के 52 तथा विद्यावाचस्पति के 03 छात्र शामिल हैं। साथ ही दीक्षान्त समारोह में एक कुलाधिपति स्वर्ण पदक, एक कुलपति स्वर्ण पदक सहित कुल 17 स्वर्ण पदक भी प्रदान किये गये।

सम्पदा कार्यालय

इस विश्वविद्यालय के सम्पदा कार्यालय द्वारा कई निर्माणाधीन कार्य पूरे कराये गये हैं एवं कुछ कार्य प्रगति पर हैं। वर्ष 2021 में कुल 40.16 लाख रुपये के निर्माण कार्य पूर्ण कराये गये तथा 60.83 लाख रुपये एवं 827 लाख रुपये के निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। जिनमें परीक्षा भवन, कॉलेज प्रशासनिक भवन, किसान घर रिनोवेशन, इन्क्यूबेशन सेन्टर व बीज गोदाम निर्माण कार्य शामिल हैं।



1. कृषि विश्वविद्यालय कोटा : एक परिदृश्य

1.1 स्थापना एवं कार्यक्षेत्र

स्थापना

राजस्थान में कोटा संभाग कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान रखता है। स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर एवं महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर से विघटित होकर राजस्थान सरकार के अधिनियम संख्या 22, 2013 द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की स्थापना 14 सितम्बर, 2013 को दक्षिणी-पूर्वी एवं पूर्वी राजस्थान के वर्षा आधारित एवं नहरी सिंचाई कृषि पारिस्थितिक स्थितियों में बहुमुखी कृषि विकास करने हेतु की गई। कृषि विश्वविद्यालय, कोटा राजस्थान के दक्षिणी-पूर्वी खण्ड में कोटा शहर के बोरखेड़ा में राष्ट्रीय राजमार्ग कोटा-बारां पर स्थित है।

कार्यक्षेत्र

इस विश्वविद्यालय का कार्य क्षेत्र छः जिलों कोटा, बून्दी, बारां, झालावाड़, करौली व सवाईमाधोपुर तक विस्तृत है। जिला कोटा, बून्दी, बारां व झालावाड़ राजस्थान जलवायु खण्ड V (आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदानी क्षेत्र) के अन्तर्गत आते हैं, जबकि सवाईमाधोपुर व करौली जिले राजस्थान जलवायु खण्ड III b (बाढ़ प्रभावित पूर्वी-मैदानी क्षेत्र) के अन्तर्गत आते हैं। इन खण्ड का भौगोलिक क्षेत्रफल 34.37 लाख हेक्टेयर है तथा प्रदेश में इसका 9.98 प्रतिशत हिस्सा है।

1.2 लक्ष्य, उद्देश्य, मिशन एवं विजन

लक्ष्य और उद्देश्य

विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य किसानों, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों की जरूरत, बुनियादी आचरण के अनुरूप आवश्यकता आधारित कुशल जनशक्ति विकसित करना है। मौजूदा एवं दीर्घकालिक समस्याओं का समाधान और ज्ञान के सशक्तिकरण के लिए मानव संसाधन विकास कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए अनुप्रयुक्त अनुसंधान, कृषक समुदाय के लिए प्रौद्योगिकी का प्रमावी हस्तांतरण करना है।

मिशन

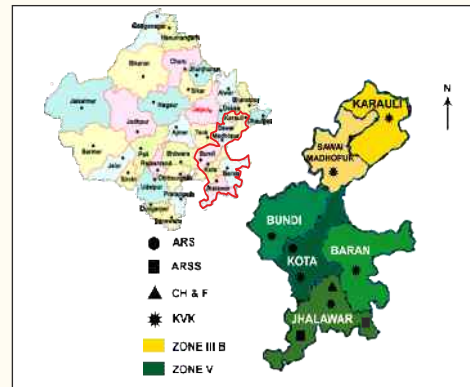
इस विश्वविद्यालय का लक्ष्य इससे जुड़े क्षेत्रों में सतत कृषि उत्पादन वृद्धि हेतु नई एवं प्रभावी तकनीकी तथा मानव संसाधन का विकास करना है जिससे अधिक खाद्यान्न उत्पादन, पोषण सुरक्षा, आय वृद्धि एवं वातावरण सुरक्षा बनी रहे।

विजन

कृषि के सतत विकास के लिए व्यापक रूप में अनिवार्य कार्य और अन्य विकास एजेंसियों के साथ भागीदारी के माध्यम से कृषि विश्वविद्यालय कोटा विशेष रूप से सामान्य और सेवा क्षेत्र में राजस्थान की ग्रामीण जनता के लिए आजीविका के संसाधन बढ़ाना है।

1.3 क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता

राज्य में विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत जलवायु खण्ड V व III b की खरीफ की प्रमुख फसलें सोयाबीन, धान, उड़द, मक्का, बाजरा एवं तिल हैं जिसका राज्य के कुल उत्पादन में क्रमशः 65.41, 65.07, 47.39, 5.66, 8.52 एवं 24.16 प्रतिशत हिस्सा है। इसी प्रकार रबी में गेहूँ, सरसों, चना, अलसी एवं मसूर हैं, जिनका राज्य की पैदावार में क्रमशः 26.85, 17.16, 15.71, 13.13 एवं 41.70 प्रतिशत हिस्सा है। मसाला फसलों में धनिया, लहसुन एवं मैथी में राज्य की पैदावार में क्रमशः 95.07, 68.02 एवं 8.29 प्रतिशत हिस्सा है। तथा आलू, प्याज एवं मटर में राज्य की पैदावार में क्रमशः 2.48, 1.38 एवं 8.00 प्रतिशत हिस्सा है। सन्तरा उत्पादन में पैदावार का 99.76 प्रतिशत हिस्सा है।





मुख्य फसलों का क्षेत्रफल, उत्पादन और उत्पादकता एवं विश्वविद्यालय का राजस्थान के परिपेक्ष में प्रतिशत हिस्सा

क्र. सं.	फसल	विश्वविद्यालय कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत			राज्य			राज्य के परिपेक्ष में विश्वविद्यालय क्षेत्र का हिस्सा (प्रतिशत)	
		क्षेत्रफल (हे.)	उत्पादन (टन)	उत्पादन (किग्रा./हे.)	क्षेत्रफल (हे.)	उत्पादन (टन)	उत्पादन (किग्रा./हे.)	क्षेत्रफल	उत्पादन
1	धान	120226	312744	2601	219525	480554	2189	54.76	65.07
2	बाजरा	204532	430855	2105	424967	5052392	1189	4.81	8.52
3	मक्का	93280	64375	690	875162	1135433	1297	10.65	5.66
4	उड़द	280315	58609	209	502095	123671	246	55.82	47.39
5	मूंगफली	4515	8227	1822	734556	1612255	2195	0.614	0.510
6	तिल	59460	22117	372	279487	91524	327	21.27	24.16
7	सोयाबीन	726891	343605	472	1118566	525054	469	64.98	65.41
8	गेहूँ	827363	3729486	4507	3497209	13887656	3971	23.65	26.85
9	चना	231216	418267	1809	2463029	2660934	1080	9.38	15.71
10	सरसों	410457	738384	1799	2712609	4302785	1586	15.13	17.16
11	अलसी	1192	607	509	4795	4621	964	24.85	13.13
12	मसूर	7044	9806	1392	17024	23512	1381	41.37	41.70
13	मटर	796	2562	3218	13593	32012	2356	5.85	8.00
14	धनियाँ	65433	73229	1119	68784	77020	11198	95.12	95.07
15	मेथी	3735	5554	1487	46401	66925	1442	8.04	8.29
16	लहसून	57907	308104	5320	74926	452930	6045	77.28	68.02
17	आलू	426	6132	14394	12867	246419	19151	3.311	2.48
18	प्याज	3656	13805	3775	63101	997264	15804	5.79	1.38
19	सन्तरा	24143	482872	20000	24234.8	484002.2	19971	99.62	99.76

स्रोत : क्र.स. 1 से 13 IV advanced estimates 2019-20 Commissionerate of Agriculture, Rajasthan Jaipur.

स्रोत : क्र.स. 14 से 19 Rajasthan Agricultural Statistics 2018-19

1.4 सूक्ष्म खेती परिस्थितियाँ

राजस्थान जलवायु खण्डों को खेती की परिस्थितियों जैसे वर्षा व मिट्टी के प्रकार आदि के आधार पर पुनः कई सूक्ष्म खेती परिस्थितियों में बांटा गया है इस विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाली सूक्ष्म खेती परिस्थितियाँ निम्न हैं :

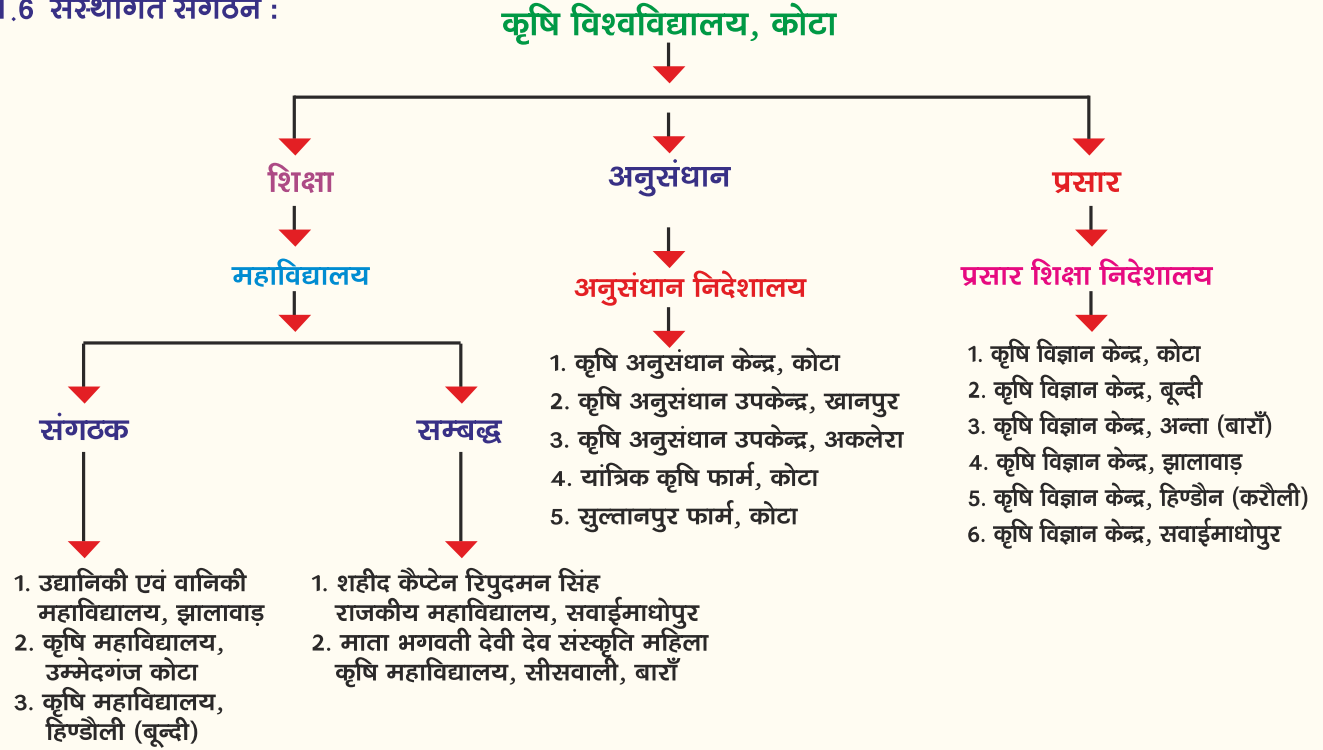
1. वर्षा आधारित, अधिक वर्षा, भारी कणाकार मृदायें
2. वर्षा आधारित, अधिक वर्षा, मध्यम कणाकार मृदायें
3. वर्षा आधारित, मध्यम वर्षा, भारी कणाकार मृदायें
4. वर्षा आधारित, मध्यम वर्षा, मध्यम कणाकार मृदायें
5. सिंचित, भारी कणाकार मृदायें, केलकेरियस
6. सिंचित, मध्यम कणाकार मृदायें, नान-केलकेरियस
7. वर्षा आधारित, मध्यम भारी, कणाकार मृदायें

1.5 विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों में उपलब्ध भूमि

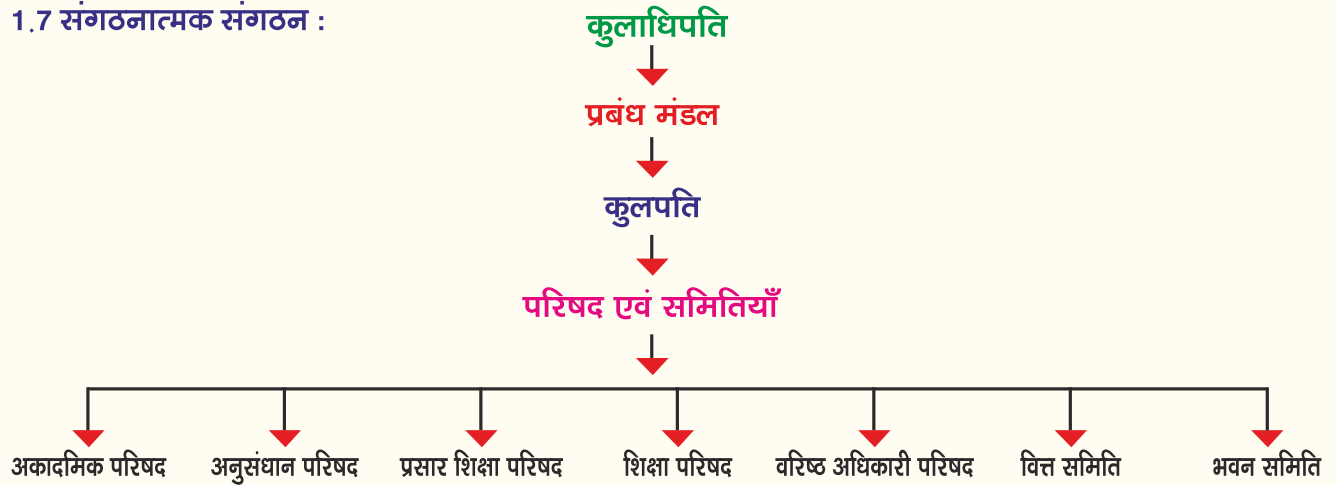
क्र.सं.	इकाई का नाम	कुल भूमि (हे.)
1	अनुसन्धान निदेशालय (कृषि अनुसंधान केन्द्र, दो उपकेन्द्र, बीज फार्म एवं यांत्रिक कृषि फार्म)	682.29
2	प्रसार शिक्षा निदेशालय (छ: कृषि विज्ञान केन्द्र)	148.08
3	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	120.00
4	कृषि महाविद्यालय, कोटा	39.75
कुल योग		990.12



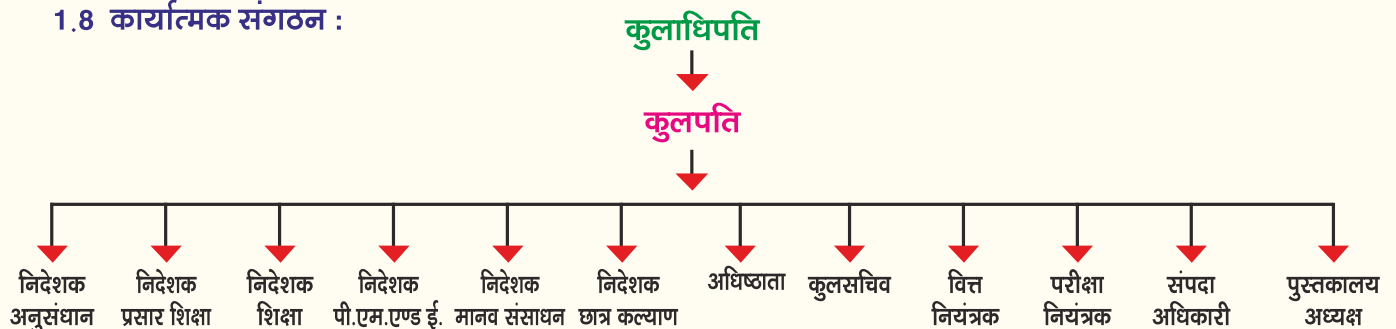
1.6 संस्थागत संगठन :



1.7 संगठनात्मक संगठन :



1.8 कार्यात्मक संगठन :





1.9 प्रबन्ध मंडल

प्रबंध मंडल विश्वविद्यालय की सर्वोच्च शासकीय संस्था है, जिसके अध्यक्ष कुलपति एवं सदस्य सचिव कुलसचिव हैं। यह मंडल नीतिगत निर्णय द्वारा विश्वविद्यालय का मार्गदर्शन करता है एवं विश्वविद्यालय के प्रबंध हेतु उत्तरदायी है। सदस्यों की सूची में राज्य सरकार के सचिव कृषि, पशुपालन, उच्च शिक्षा व वित्त शामिल हैं। इनके अलावा एक विधायक राजस्थान विधानसभा से, दो सदस्य कृषि के विशिष्ट शिक्षाविद् या वैज्ञानिक, एक सदस्य कृषि उद्योगपति, एक प्रगतिशील किसान, एक महिला समाज सेविका राजस्थान सरकार द्वारा मनोनीत किये जाते हैं। एक सदस्य भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का प्रतिनिधि होता है। विश्वविद्यालय का एक अधिष्ठाता, एक निदेशक व एक प्रोफेसर कुलपति द्वारा नामित किया जाता है।

आलोच्य वर्ष में प्रबन्ध मंडल की 17वीं बैठक दिनांक 12 अगस्त, 2021 एवं 18वीं बैठक दिनांक 25 अक्टूबर, 2021 को आयोजित की गई। इन बैठकों में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णयों का विवरण निम्न प्रकार है:-

- वित्तीय वर्ष 2020-21 का वास्तविक बजट रु. 4734.32 लाख एवं वित्तीय वर्ष 2021-22 के अनुमानित बजट राशि रु. 5517.31 लाख का अनुमोदन।
- विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों के सहायक प्राध्यापकों का कैरियर एडवांसमेन्ट स्कीम (सी.ए.एस.) के तहत पदोन्नति का अनुमोदन।
- विश्वविद्यालय परिसर में संविधान पार्क मय संविधान स्तम्भ स्थापना के निर्माण हेतु राज्य सरकार से बजट प्राप्त करने हेतु प्रयास किये जाने का निर्णय।
- कृषि महाविद्यालय, हिण्डौली (बून्दी) को अकादमिक सत्र 2021-22 से प्रारम्भ करने के प्रस्ताव का अनुमोदन।
- विश्वविद्यालय के फार्मों में आय बढ़ाने के उपाय हेतु सुझाव।
- पशुपालन एवं खाद्य प्रसंस्करण विषय पर तीन माह अवधि का रोजगार उन्मुख कौशल दक्षता प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जावें।
- विश्वविद्यालय में बेस्ट रिसर्च साइन्टिस्ट अवॉर्ड एवं बेस्ट एक्सटेंशन एज्यूकेशनिस्ट अवॉर्ड प्रस्ताव का अनुमोदन।
- कोरोना काल में प्रथम वर्ष के सभी छात्रों कृषि/वानिकी/उद्यानिकी को द्वितीय वर्ष में प्रमोट करने हेतु सूत्र का अनुमोदन।
- विद्यावाचस्पति में स्वर्ण पदक प्रदान करने के मापदंड का अनुमोदन।
- शैक्षणिक सत्र 2019-20 के लिए विभिन्न संकायों के स्नातक, वर्ष 2020 के स्नातकोत्तर, बागवानी संकाय में विद्यावाचस्पति उपाधि प्रदान करने के लिए ग्रेस पास।
- शैक्षणिक सत्र 2019-20 के लिए विश्वविद्यालय के सभी संकायों के योग्य मेधावी स्नातकों, वर्ष 2020 के स्नातकोत्तर एवं संकायवार विद्यावाचस्पति उपाधि कार्यक्रम के लिए दिए जाने वाले "स्वर्ण पदकों" का अनुमोदन।
- वर्ष 2020 के लिए संपूर्ण स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम के लिए "कुलाधिपति स्वर्ण पदक" का अनुमोदन।





1.10 अकादमिक परिषद

अकादमिक परिषद विश्वविद्यालय की एक सांविधिक परिषद है जो कि पाठ्यक्रम का विनियमन करती है तथा परीक्षा संचालन, अकादमिक कैलेंडर एवं शिक्षा में सुधार हेतु दिशा-निर्देश प्रदान करती है। शिक्षा में गुणवत्ता बनाये रखने का उत्तरदायित्व भी निभाती है। अकादमिक परिषद के सदस्य सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, सभी निदेशक, परीक्षा नियंत्रक एवं चयनित संकाय सदस्य होते हैं तथा निदेशक शिक्षा इसके सदस्य सचिव होते हैं।

इस वर्ष 2021 में अकादमिक परिषद की 17वीं बैठक 20.07.2021 एवं 18वीं बैठक 04.10.2021 को आयोजित की गई जिनमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। जिनका मुख्य विवरण निम्न प्रकार है:-

- कृषि महाविद्यालय, हिण्डौली में कृषि स्नातक का प्रथम सत्र 2021-22 से प्रारम्भ करने का अनुमोदन।
- नवीन सत्र में सभी लिखित परीक्षाओं का समय अंतराल 3 घण्टे से घटाकर 2.30 घण्टे करने हेतु अनुमोदन।
- Vth डीन कमेटी के अनुसार चतुर्थ वर्ष के सभी छात्रों के लिए READY कार्यक्रम की मूल्यांकन पद्धति का अनुमोदन।
- कोरोना काल में प्रथम वर्ष के सभी छात्रों कृषि/वानिकी/उद्यानिकी को द्वितीय वर्ष में प्रमोट करने हेतु सूत्र का अनुमोदन।
- विद्यावाचस्पति में स्वर्ण पदक प्रदान करने के मापदंड का अनुमोदन।
- शैक्षणिक सत्र 2019-20 के लिए विभिन्न संकायों के स्नातक, वर्ष 2020 के स्नातकोत्तर, बागवानी संकाय में विद्यावाचस्पति उपाधि प्रदान करने के लिए ग्रेस पास।
- शैक्षणिक सत्र 2019-20 के लिए विश्वविद्यालय के सभी संकायों के योग्य मेधावी स्नातकों, वर्ष 2020 के स्नातकोत्तर एवं संकायवार विद्यावाचस्पति उपाधि कार्यक्रम के लिए दिए जाने वाले "स्वर्ण पदकों" का अनुमोदन।
- वर्ष 2020 के लिए संपूर्ण स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम के लिए "कुलाधिपति स्वर्ण पदक" का अनुमोदन।



1.11 अनुसंधान परिषद

अनुसंधान परिषद की चतुर्थ बैठक दिनांक 24.02.2021 को कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र के सभागार में आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. डी. सी. जोशी द्वारा की गई। बैठक के विशिष्ट अतिथि डॉ. डी.के. यादव, सहायक महानिदेशक (बीज), आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली (ऑनलाइन) रहे। बैठक में निम्नलिखित विशेष निर्णय लिये गये :-

- सभी ईकार्डों की वार्षिक प्रगति का प्रस्तुतीकरण।
- विभिन्न विषयों पर रिसर्च सब कमेटी द्वारा प्रस्तुतीकरण।
- विश्वविद्यालय स्तर पर उन्नत बीज उत्पादन सूक्ष्म सिंचाई, बागवानी फसलों के विकास, जैविक खेती समन्वित कृषि प्रणाली एवं कीट प्रबन्धन आदि पर किये गये अनुसंधान का प्रस्तुतीकरण।
- विश्वविद्यालय की बीज नीति, ब्रान्ड नेम, रजिस्ट्रेशन का प्रस्तुतीकरण।
- विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा उत्कृष्ट अनुसंधान कार्य हेतु पुरस्कार/सम्मान का प्रस्तुतीकरण।





1.12 प्रसार शिक्षा परिषद

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की प्रसार शिक्षा परिषद की चतुर्थ बैठक दिनांक 27.02.2021 को कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र के सभागार में प्रोफेसर डी.सी. जोशी, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक के विशिष्ट अतिथि डॉ. अरुण ए. पटेल, पूर्व निदेशक प्रसार शिक्षा, आनंद कृषि विश्वविद्यालय, आनंद, गुजरात एवं डॉ. एस.के. शर्मा, निदेशक प्रसार शिक्षा, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर रहे। बैठक में निम्नलिखित मुख्य निर्णय लिए गये:-

- पशुपालन एवं खाद्य प्रसंस्करण विषय पर तीन माह अवधि का रोजगार उन्मुख कौशल दक्षता प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जावें।
- रावे (RAW) के छात्रों की लम्बे समय तक केन्द्र पर उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु रावे कार्यक्रम एक सेमेस्टर में आवश्यकतानुसार दो-तीन बार चलाया जावे एवं आवश्यकतानुसार रावे के छात्रों को कृषि विज्ञान केन्द्रों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के अन्य केन्द्रों / इकाईयों पर लगाया जावे।
- कृषक हितैशी नवोन्मेशी तकनीकों की 5-6 मिनट अवधि की लघु फिल्म (documentary) बनाई जाने हेतु समिति का गठन किया गया।
- सर्व सम्मति से विश्वविद्यालय में श्रेष्ठ प्रसार शिक्षाविद सम्मान (Best Educationist Award) प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया।



1.13 वित्त समिति

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान विश्वविद्यालय वित्त समिति की 7वीं बैठक दिनांक 29.06.2021 को आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से जो निर्णय लिये गये, उनका विवरण निम्न प्रकार है-

- वर्ष 2020-21 में भविष्य निधि पर दिये जाने वाले ब्याज का निर्धारण।
- न्यू पेंशन स्कीम में कार्यरत कर्मचारियों के लिए कर्मचारी कल्याण कोष से ऋण के लिए न्यूनतम 5 वर्ष की विश्वविद्यालयी सेवा आवश्यक किए जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन।
- RAW/Student Ready के छात्रों से प्राप्त शुल्क के वितरण के प्रस्ताव का अनुमोदन।
- नवसृजित कृषि महाविद्यालय हिण्डौली (बून्दी) को राज्य निधि मद में से खर्च करने के प्रस्ताव का अनुमोदन।
- विश्वविद्यालय में बेस्ट रिसर्च साइन्टिस्ट अवॉर्ड एवं बेस्ट एक्सटेंशन एज्यूकेशनिस्ट अवॉर्ड प्रस्ताव का अनुमोदन।



1.14 बिल्डिंग समिति

विश्वविद्यालय बिल्डिंग समिति की 8वीं बैठक दिनांक 20.07.2021 को आयोजित की गई जिसमें लिये गये महत्वपूर्ण निर्णयों का विवरण निम्न प्रकार है :-

- गेस्ट हाउस (किसान घर) कृषि विश्वविद्यालय कोटा का रिनोवेशन कार्य को पूरा कराया जाये ताकि यह विश्वविद्यालय के गेस्ट हाऊस के रूप में काम लिया जावे।
- भविष्य की जरूरतों के हिसाब से वर्तमान में मौजूद पार्किंग स्थल के बगल में ही एक और पार्किंग स्थल बनवाया जावे।
- राज्य सरकार की बजट घोषणा 2021-22 के अनुसार तहसील हिण्डौली जिला बून्दी में 6.00 करोड़ का बजट प्रावधान कृषि महाविद्यालय खोलने हेतु किया गया है। जमीन आवंटन फाइनल होनी बाकी है। बजट घोषणा अनुसार शुरुआत में जो कार्य किये जाने हैं उनमें डीन ऑफिस पूर्ण, परीक्षा हॉल, रीडिंग रूम, कक्षा कक्ष, फेकल्टी कक्ष, लैबोरेट्री-4, नेसेसरी सिविल एमेन्टीज, अन्य ऐसेन्सिअल कक्ष शामिल हैं।
- केन्द्र सरकार (फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज) के द्वारा 83.46 लाख रु. की वित्तीय स्वीकृति कार्य कॉमन इन्क्यूबेशन सेन्टर कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा को दी गई है जिसका निर्माण कार्य भू-सम्पदा कार्यालय द्वारा सम्पादित करवाने का निर्णय।
- सचिव राज्य सरकार ने उनके पत्रांक एफ 1 (3) RB/2020/4728 dated 22.12.2020 के तहत "संविधान स्तम्भ सहित संविधान पार्क" की बनाने के निर्देश सभी विश्वविद्यालय को दिये। इस हेतु आर्किटेक्ट श्री अनूप भरतरिया को इसका डिजाइन ड्राइंग आदि कार्य निमित्त नियुक्त किया गया है। इस हेतु वित्रीय स्वीकृति के लिए मांग पत्र राज्य सरकार को प्रस्तुत किया जावे।
- प्रत्येक वित्रीय वर्ष में सम्पदा कार्यालय के लिए विशेषतया भवनों की मरम्मत एवं रख रखाव के विशेष बजट प्रावधान रु 5.00 लाख राशि रखा जावे।
- बैंक ब्रांच, पोस्ट ऑफिस एवं कोऑपरेटिव स्टोर खुलवाने का प्रयास होना चाहिए, जिससे विश्वविद्यालय की आय बढ़ सके।





1.15 विश्वविद्यालय दीक्षान्त समारोह

कृषि विश्वविद्यालय का पंचम दीक्षान्त समारोह 24 दिसम्बर, 2021 को आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता श्री कलराज जी मिश्र माननीय राज्यपाल राजस्थान एवं कुलाधिपति कृषि विश्वविद्यालय ने की। समारोह के दीक्षान्त अतिथि डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौड़, पूर्व महानिदेशक, भारत मौसम विभाग, एवं विश्व मौसम संगठन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि रहे। समारोह के विशिष्ट अतिथि श्री लाल चन्द कटारिया, माननीय मंत्री, कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग, राजस्थान सरकार तथा श्री रामनारायण मीना, माननीय विधायक पीपल्दा एवं प्रबंध मण्डल सदस्य रहें।

इस समारोह में प्रो.डी.सी. जोशी माननीय कुलपति ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय वर्ष 2021 का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

दीक्षान्त समारोह के दौरान कुल 188 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गयीं। जिनमें स्नातक (आनर्स) कृषि के 55, उद्यानिकी के 51 एवं वानिकी के 27 सहित कुल 133, स्नातकोत्तर कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी के 52 तथा विद्यावाचस्पति के 03 छात्र शामिल हैं। साथ ही दीक्षान्त समारोह में एक कुलाधिपति स्वर्ण पदक, एक कुलपति स्वर्ण पदक सहित 15 विद्यार्थियों को कुल 17 स्वर्ण पदक भी प्रदान किये गये। इनमें से 3 स्वर्ण पदक स्नातक कृषि, उद्यानिकी व वानिकी एवं 11 स्वर्ण पदक स्नातकोत्तर कृषि, उद्यानिकी व वानिकी तथा 01 स्वर्ण पदक विद्यावाचस्पति उद्यानिकी शामिल हैं।



1.16 विश्वविद्यालय का आई.सी.ए.आर. एक्स्ट्रिडेशन

कृषि विश्वविद्यालय कोटा के एक्स्ट्रिडेशन हेतु भारतीय कृषि शिक्षा एक्स्ट्रिडेशन बोर्ड से गठित भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद, नई दिल्ली की पीआरटी (Peer Review Team) ने दिनांक 06.09.2021 से 08.09.2021 तक विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण व अवलोकन किया।

इस पीआरटी के चेयरमैन महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी, महाराष्ट्र के पूर्व कुलपति डॉ. टी.ए.मोरे एवं इस टीम के अन्य सदस्यों में तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय कोयम्बटूर के पूर्व कुलसचिव डॉ. सी.आर. आनन्द कुमार, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद, नई दिल्ली के NRM Division के पूर्व सहायक महानिदेशक डॉ. बी. मोहन कुमार, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश के अधिष्ठाता डॉ. कमल शर्मा सहित भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद, नई दिल्ली के शिक्षा डिविजन की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. निधी वर्मा सदस्य सचिव शामिल हैं।

पीआरटी समीक्षा दल के समक्ष विश्वविद्यालय के पिछले 5 वर्षों का शैक्षणिक, अनुसन्धान एवं प्रसार शिक्षा संबंधी गतिविधियों का प्रगति प्रतिवेदन व विकास संबंधी ब्यौरे के लेखा-जोखा का विस्तृत प्रजेन्टेशन दिया गया। तत्पश्चात् टीम ने मुख्यालय पर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र की विभिन्न इकाइयों व नवाचारों का निरीक्षण किया तथा कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र अन्तर्गत



नव निर्मित कृषि शिक्षा संग्रहालय व संचालित किसान कॉल सेन्टर का अवलोकन किया एवं इस मौके पर उन्होंने विभिन्न कृषि उद्यमियों से संवाद कर विश्वविद्यालय के योगदान के बारे में जानकारी ली।

टीम द्वारा उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ के एक््रीडिटेशन हेतु वहाँ स्थित विभिन्न प्रयोगशालाओं, नवाचार इकाईयों, पुस्तकालय, हॉस्टल, कक्षा-कक्ष सहित खेल सुविधाओं का जायजा लेते हुए वहाँ संचालित विभिन्न डिग्री कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी हासिल की व महाविद्यालय के वैज्ञानिकों, कर्मचारीगण तथा विद्यार्थियों से संवाद किया। इसी के साथ टीम ने कृषि विज्ञान केन्द्र झालावाड़ का निरीक्षण करते हुए प्रगतिशील किसानों से भी संवाद किया।

दिनांक 08.09.2021 को पीआरटी टीम द्वारा कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा के एक््रीडिटेशन हेतु वहाँ का निरीक्षण कर वहाँ संचालित विभिन्न कृषि डिग्री कार्यक्रमों की समीक्षा की व विभिन्न गतिविधियों, इकाईयों व प्रयोगशालाओं सहित कृषि अनुसन्धान केन्द्र की नवाचार इकाईयों का अवलोकन किया तथा वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों से संवाद किया। इसी के साथ टीम ने यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज, कोटा का अवलोकन कर विभिन्न संचालित गतिविधियों व बीज उत्पादन कार्यक्रम की समीक्षा की।

पी.आर.टी. टीम के द्वारा प्रेषित की गई रिपोर्ट के आधार पर विश्वविद्यालय को अप्रैल 2021 से मार्च 2026 तक एक््रीडिटेशन दी गई है।

आई.सी.ए.आर. द्वारा स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी, स्नातक (ऑनर्स) वानिकी, स्नातकोत्तर फल विज्ञान, स्नातकोत्तर सब्जी विज्ञान, स्नातकोत्तर पुष्प व भू-परिवृश्य विज्ञान, स्नातकोत्तर वन संवर्धन एवं कृषि वानिकी, स्नातकोत्तर वनोत्पाद एवं उपयोग, स्नातकोत्तर जैव वानिकी एवं सुधार तथा विद्यावाचस्पति फल विज्ञान कार्यक्रमों को मार्च 2026 तक एक््रीडिटेशन दी गई है।



1.17 विश्वविद्यालय स्थापना दिवस

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का नवम् स्थापना दिवस 14 सितम्बर, 2021 को कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र के सभागार में हर्षो उल्लास से मनाया गया। इस समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डी.सी. जोशी ने की जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. बी.एस. विस्ट, पूर्व कुलपति, गोविन्द वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंत नगर (उत्तराखण्ड) तथा सम्मानीय अतिथि श्री बजरंग लाल साबू, सदस्य प्रबंध मण्डल, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा रहे।

मुख्य अतिथि ने कृषि के क्षेत्र में पाशांकाल की चिरकालीन शोध से लेकर आधुनिक युग की नवीन योजनाओं व आयामों को अपनाने पर जोर दिया। जिसमें मुख्य रूप से द्वितीय कृषि आधारित प्रसंस्करण एवं बाजारीकरण पर विशेष बात कही तथा कृषि विश्वविद्यालय को आत्मनिर्भर होने के लिए आधुनिक बहु-आयामों को अपनाने पर जोर दिया।

कुलपति प्रो. जोशी ने विश्वविद्यालय द्वारा उत्पादित बीज को उत्पादन से लेकर बाजार एवं सभी कृषकों तक पहुँचाने की आवश्यकता बतायी तथा प्रतिवर्ष बीज दर बदलाव को बढ़ावा देने के लिए अग्रिम लक्ष्य निर्धारित करने की आवश्यकता हेतु वैज्ञानिकों का आह्वान किया।





स्थापना दिवस के आयोजन सचिव एवं निदेशक अनुसंधान डॉ. प्रताप सिंह ने विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा स्थापना दिवस कार्यक्रम के समन्वयक एवं निदेशक पी.एम.एण्ड ई. डॉ. मुकेश चन्द गोयल ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

1. 18 गणतंत्र दिवस एवं स्वतन्त्रता दिवस समारोह

गणतंत्र दिवस

कृषि विश्वविद्यालय कोटा, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ एवं कृषि महाविद्यालय उम्मेदगंज, कोटा सहित विश्वविद्यालय की सभी इकाईयों द्वारा 26 जनवरी 2021 को 72वां गणतंत्र दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। मुख्य समारोह विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया जिसमें कुलपति प्रो. डी.सी. जोशी ने अपना संदेश देते हुए सम्बोधित किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।



स्वतंत्रता दिवस

कृषि विश्वविद्यालय कोटा, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ एवं कृषि महाविद्यालय उम्मेदगंज, कोटा सहित विश्वविद्यालय की सभी इकाईयों द्वारा 15 अगस्त 2021 को 75वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। कुलाधिपति एवं राज्यपाल के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। मुख्य समारोह विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया जिसमें कुलपति प्रो. डी.सी. जोशी ने सम्बोधित किया। इस समारोह में वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए विभिन्न पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।



1. 19 कृषि शिक्षा संग्रहालय एवं किसान कॉल सेन्टर स्थापना

विश्वविद्यालय के मुख्यालय परिसर में कृषि शिक्षा संग्रहालय की स्थापना की गई है। इस संग्रहालय में कृषि की विभिन्न प्रौद्योगिकियों को विभिन्न दृश्य एवं श्रुत्य माध्यमों से दर्शाया गया है ताकि कृषक समुदाय एवं विद्यार्थी इसका लाभ कृषि तकनीकी अपनाने में उठा सकें।

ATMQIC परियोजना के अन्तर्गत 'किसान कॉल सेन्टर' की भी स्थापना की गई है ताकि कृषक समुदाय टेलीफोन के माध्यम से अपनी कृषि संबंधी समस्याओं का समाधान पा सकें।



1.20 कृषि महाविद्यालय, कोटा के प्रशासनिक भवन का शिलान्यास

कृषि विश्वविद्यालय कोटा के संघटक कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा के प्रशासनिक भवन का शिलान्यास समारोह दिनांक 26 मार्च, 2021 को आयोजित किया गया। शिलान्यास श्री लालचन्द कटारिया, माननीय कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग राजस्थान सरकार एवं श्री शान्ति कुमार धारीवाल माननीय नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री राजस्थान सरकार द्वारा सम्पन्न हुआ। इस महाविद्यालय के मुख्य भवन निर्माण कार्य आर.एस.आर.डी.सी. द्वारा किया जा रहा है। निर्माणाधीन महाविद्यालय के मुख्य भवन में अधिष्ठाता कार्यालय के अलावा कक्षा-कक्ष, सेमिनार रूम, परीक्षा हॉल, पुस्तकालय, स्टाफ कक्ष, छात्र एवं लेखा शाखा का निर्माण किया जाना है।



1.21 संविधान दिवस

कृषि विश्वविद्यालय कोटा द्वारा मुख्यालय पर आजादी के अमृत महोत्सव के तहत दिनांक 26 नवम्बर, 2021 को संविधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. डी. सी. जोशी ने की। इस मौके पर संसद भवन से लाईव प्रोग्राम के तहत महामहिम राष्ट्रपति द्वारा कराये गये भारत के संविधान "उद्देशिका" का वाचन किया गया तथा उद्देशिका को आत्मार्पित करने का सभी ने संकल्प लिया।

इस मौके पर कुलपति ने संविधान के मूल कर्तव्यों की अनुपालना कर अपनी सेवार्यें जनहित में देने का आह्वान किया ताकि अपना देश और तेजी से उन्नति की ओर अग्रसर हो सकें तथा कर्तव्यों द्वारा दायित्वों का निर्वाह करने का आह्वान किया।





विशिष्ट गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

2 शैक्षणिक

2.1 उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़

वर्ष 2004 में स्थापित इस महाविद्यालय में उद्यानिकी एवं वानिकी में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति के पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

इस महाविद्यालय की स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी में 61, स्नातक (ऑनर्स) वानिकी में 66, स्नातकोत्तर उद्यानिकी में कुल 15 (सब्जी विज्ञान 05, फल विज्ञान 05, पुष्प व भूपरिदृश्य में 03, फसलोत्तर तकनीक में 02 (स्नातकोत्तर वानिकी में कुल 20) सिल्वी कल्चर व एग्रो फोरेस्ट्री 05, वन उत्पाद एवं उपयोग 05, वन जीव विज्ञान एवं वृक्ष सुधार 05, वाईल्ड लाईफ साईन्स में 05 (व विद्यावाचस्पति उद्यानिकी में 03 एवं विद्यावाचस्पति वानिकी में 02 सीट सहित कुल 167 सीट की प्रवेश क्षमता है। इस समय महाविद्यालय में कुल 486 विद्यार्थी पंजीकृत हैं जिनका विवरण निम्न प्रकार है :-



कुल पंजीकृत विधार्थी

क्र. सं.	शैक्षणिक उपाधि	छात्रों की संख्या											
		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		सामान्य		एमबीसी / ईडब्ल्यूएस		कुल	
		छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा
1	स्नातक	71	22	41	10	149	63	15	11	32	09	308	115
2	स्नातकोत्तर	02	03	06	02	17	11	01	03	03	03	29	22
3	विद्यावाचस्पति	02	00	01	02	03	02	02	00	00	00	08	04
4	कुल योग	75	25	48	14	169	76	18	14	35	12	345	141

2.1.1 बोर्ड ऑफ स्टडीज

विश्वविद्यालय के उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ के बोर्ड ऑफ स्टडीज की 8वीं बैठक दिनांक 12.03.2021 को आयोजित की गई जिसमें अनुमोदित निर्णयों का विवरण निम्न प्रकार है :-

- विभिन्न विभागों के कोर्स समिति द्वारा पाठ्यक्रम में संशोधन की सिफारिशों को मंजूरी दी गई।
- विभिन्न विभागों के कोर्स समितियों के पुनर्गठन को मंजूरी दी गई।
- लिखित परीक्षा के समय को कम करने के प्रस्ताव को मंजूर किया गया।
- वन्य जीव प्रबन्धन और पुष्प विज्ञान एवं भूदृश्य विज्ञान विभाग में सीटों को कम करने के प्रस्ताव को मंजूर किया गया।



2.1.2 पी.आर.टी. द्वारा महाविद्यालय एक्कीडिटेशन

आई.सी.ए.आर. द्वारा स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी, स्नातक (ऑनर्स) वानिकी, स्नातकोत्तर फल विज्ञान, स्नातकोत्तर सब्जी विज्ञान, स्नातकोत्तर पुष्प व भू-परिदृश्य विज्ञान, स्नातकोत्तर वन संवर्धन एवं कृषि वानिकी, स्नातकोत्तर वनोत्पाद एवं उपयोग, स्नातकोत्तर जैव वानिकी एवं सुधार तथा विद्यावाचस्पति फल विज्ञान कार्यक्रमों को मार्च 2026 तक एक्कीडिटेशन दी गई है।





2.1.3 विशिष्ट गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

(i) शैक्षणिक उन्नयन हेतु नई पहल / आधारभूत सुविधाओं का विकास

क्र.सं.	विवरण	फोटोग्राफ
1.	महाविद्यालय परिसर में नये परीक्षा हॉल का निर्माण : महाविद्यालय परिसर में राज्य सरकार द्वारा 50 लाख रुपये की वित्तीय सहायता से परीक्षा हॉल का निर्माण किया गया है। जिसकी बैठक व्यवस्था 100 विद्यार्थियों की है।	
2.	महाविद्यालय में गुणवत्तायुक्त शिक्षण एवं प्रजेन्टेशन के लिए 4 अध्ययन कक्षों एवं एक सेमिनार हॉल को स्मार्ट/इन्टरेक्टिव बोर्ड, प्रोजेक्टर एवं विजुएलाइजर लगाकर स्मार्ट क्लासरूम में परिवर्तित किया गया है।	
3.	महाविद्यालय की प्रत्येक इकाई तक 3 किमी फाईबर केबल बिछाकर विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के लिए इंटरनेट सुविधा का विस्तार किया गया। साथ ही परिसर की सुरक्षा एवं निगरानी के लिए विभिन्न ईकाइयों को CCTV कैमरा की परिधि में लाया गया है।	
4.	संविधान पार्क का निर्माण: विद्यार्थियों को संविधान के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने के लिए महाविद्यालय में संविधान पार्क की स्थापना की गयी, जिसमें संविधान से सम्बन्धित विषयवस्तु को दर्शाया गया है।	

(ii) प्रशिक्षण / कार्यशाला / सेमिनार / वेबिनार आयोजन

क्र. सं.	शीर्षक प्रशिक्षण/कार्यशाला/ सेमिनार / वेबिनार	अवधि दिनांक	प्रतिभागी संख्या
1	Twenty -one days training programme on Nursery Kamgar under the ASCI sponsored project	22 February - 14 March 2021	25
2	District Level Workshop on Agri Clinic and Agri Business Centre Scheme	08 March, 2021	70
3	Farmers Training on Improved cultivation technique of underutilized fruits for SCSP	10 March 2021	30
4	Farmers Training on “Improved production technique of fruits ” under tribal sub plan at KVK, Pratapgarh	19 March 2021	50
5	Farmers Training on “Improved production technique of fruits ” under tribal sub plan at KVK, Pratapgarh	20 March 2021	50
6	Training on Protected Cultivation of High Value Crops under schedule cast -subplan (SC -SP), ICAR New Delhi	22-25 March 2021	25



7	National workshop on Climate Resilient Horticulture	24-25 March 2021	80
8	Webinar on Agri -preneurship	24-25 July , 2021	65
9	Webinar on Formulation of Business Plan	31 July , 2021	60
10	Webinar on Organic Farming as Entrepreneurial Venture	07 August , 2021	50
11	Webinar on Floriculture and Landscaping as Entrepreneurial Venture	29 August , 2021	55
12	Seminar on Organic Farming	06 October , 2021	82
13	District Level Workshop on Agri Clinic and Agri Business Centre Scheme	25 November , 2021	80

(iii) ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE/HWE)

अ. स्नातक (उद्यानिकी)

महाविद्यालय के स्नातक चतुर्थ वर्ष (उद्यानिकी) के 47 विद्यार्थियों ने जुलाई से नवम्बर 2021 तक एकसपीरिएन्सियल लर्निंग के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। जिसमें दो साप्ताहिक ओरिएंटेशन कार्यक्रम में विभिन्न विषय विशेषज्ञों का व्याख्यान करवाया गया एवं 35 दिवसीय औद्योगिक इकाइयों के अनुभव के लिए विद्यार्थियों को धन्वन्तरि नर्सरी, संजीवनी नर्सरी, स्वामी विवेकानन्द जैविक कृषि अनुसंधान केन्द्र, पंजाब नेशनल बैंक किसान ट्रेनिंग सेंटर एवं हर्बल वर्ल्ड, श्री गंगानगर इकाइयों से जोड़ा गया। तत्पश्चात छात्रों को ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव के लिए 12 सप्ताह हेतु विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों पर भेजा गया।



ब. स्नातक (वानिकी)

वानिकी कार्य अनुभव के अन्तर्गत स्नातक वानिकी (ऑनर्स) चतुर्थ वर्ष छात्रों को 10 दिवसीय ओरिएन्टेशन, 20 दिवसीय ग्रामीण सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण, 50 दिवसीय संभागीय वन कार्यालयानुभव, 20 दिवसीय औद्योगिक इकाइयों में अनुभव एवं 8 दिवसीय हथियार प्रशिक्षण एवं प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जोड़ा गया।



(iv) NAHEP

क्लाइमेट रेसिलिएंट हॉर्टिकल्चर पर राष्ट्रीय कार्यशाला : दिनांक 24-25 मार्च 2021 के दौरान उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ द्वारा नाहेप परियोजना के क्लाइमेट रेसिलिएंट हॉर्टिकल्चर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अनिल कुमार शुक्ला, क्षेत्रीय केन्द्र, पाली (काजरी) एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. मुधूसूदन आचार्य थे। कार्यशाला में विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 80 छात्रों ने भाग लिया।



(v) विद्यार्थी गतिविधियाँ

(अ) सांस्कृतिक सप्ताह

ऑनलाइन ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता: महाविद्यालय द्वारा 5-10 जून 2021 के दौरान "जैव विविधता संरक्षण: एक सतत् पर्यावरण की आवश्यकता" विषय पर





ऑनलाइन ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बड़-चढ़कर भाग लिया। इस प्रतियोगिता में बी.एस.सी. (ऑनर्स) बागवानी प्रथम वर्ष के विद्यार्थी आदर्श ने प्रथम स्थान, बी.एस.सी. (ऑनर्स) बागवानी प्रथम वर्ष की सुश्री शालिनी मालव ने दूसरा स्थान एवं बी.एस.सी. (ऑनर्स) बागवानी तृतीय वर्ष की सुश्री नीति अग्रवाल ने प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

ऑन लाइन कविता लेखन प्रतियोगिता: कॉलेज द्वारा 21-25 जून 2021 के दौरान योग: स्वस्थ जीवन का आधार, सतत पर्यावरण: स्वस्थ जीवन की आवश्यकता, और जैविक खेती-स्वस्थ जीवन की आवश्यकता विषय पर ऑनलाइन कविता लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। महेन्द्र सैनी बी.एस.सी. (ऑनर्स) वानिकी प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान, निशा शर्मा एम.एस.सी. बागवानी प्रथम वर्ष ने द्वितीय एवं नेहा तेतरवाल बी.एस.सी. (ऑनर्स) बागवानी प्रथम वर्ष ने प्रतियोगिता में तृतीय स्थान हासिल किया।

(ब) एन.एस.एस. विशेष शिविर

महाविद्यालय में 20-26 मार्च 2021 को एन. एस.एस. विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान छात्रों ने श्रमदान, पोस्टर निर्माण तथा संचार कौशल में सुधार जैसी कई गतिविधियों में भाग लिया।



(स) सुभाष चंद्र बोस जयंती

महाविद्यालय में 23 जनवरी 2021 को राष्ट्रीय सेवा इकाई के द्वारा ऑनलाइन मोड में सुभाष चंद्र बोस जयंती का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नेताजी के जीवन से प्रेरणा लेने एवं राष्ट्र के विकास में योगदान देने की सीख दी गयी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों ने अपने विचार व्यक्त किये।

(द) महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ में 2 अक्टूबर 2020 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महापुरुषों को श्रद्धांजली अर्पित कर की गई एवं महाविद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों ने अपने विचार व्यक्त किये। इस कार्यक्रम में महात्मा गाँधी पर लिखी पुस्तकों का प्रदर्शन भी किया गया।



(य) संविधान दिवस

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ में 26 नवंबर 2021 को संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में निदेशक छात्र कल्याण डॉ. जितेन्द्र सिंह ने प्रतिभागियों को अपने मूल कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में जानकारी साझा करते हुए सभी से राष्ट्र के विकास में अपनी भागीदारी को सुनिश्चित करने का आवाहन किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के कर्मचारियों, एन.एस.एस. एवं एन.सी.सी. के छात्रों ने सक्रिय भागीदारी की।



(र) एन सी सी गतिविधियाँ

S.No	Date	Activities	Participant Cadets
1	08.01.2021	EBSB-V for Jodhpur group camp	05
2	08.02.2021	Cadre T raining Camp	35
3	01.03.2021	Weapon Training Camp	35
4	21.06.2021	Online celebrating International Yoga Day	53



5	26.07.2021	Celebrating Kargil Vijay Diwas (Online mode)	37
6	10.08.2021	Online Poetry Competition on Minimizing pollution & Forest conservation on theme "Clean India -Green India.	37
7	11.08.2021	Digital poster card/poster making competition on the preamble of Indian constitution.	37
8	13.08.2021	Azadi ka Amrit Mahotsav, Fit India Freedom Run 2.0	37
9	15.08.2021	Online uploading the recorded National anthem programme	32
10	16.08.2021	Pre RDC training Camp	02
11	8-25.09.2021	e-Poster completion on "My vision of India 2030 "	25
12	6-12.09.2021	Cadre Training Camp	28
13	26.11.2021	Celebration of Constitution Day	31
14	28.11.2021	Celebration of NCC Day	29



(ल) स्वतंत्रता दिवस / गणतंत्र दिवस / पौधारोपण



(व) अन्य गतिविधियाँ

ओरिएंटेशन प्रोग्राम: कॉलेज के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए 4 जनवरी 2021 को ऑनलाइन मोड में ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। जिसमें सभी विद्यार्थियों ने अपना परिचय दिया। अधिष्ठाता डॉ. आई. बी. मौर्य ने विद्यार्थियों को अनुशासन में रहते हुए अध्ययन की सीख दी। कार्यक्रम में सभी प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को अपना परिचय दिया और उनसे सम्बन्धित गतिविधियों को भी बताया।

कृषि उद्यमिता पर व्याख्यान: स्नातक अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ द्वारा 10 मार्च 2021 को 1 दिवसीय कृषि उद्यमिता पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एस. रामकिशन,





यूपीएल बैंगलोर ने छात्रों को कृषि आधारित उद्यमिता के बारे में बताया।

विवेकानंद जयंती: महाविद्यालय में 12 जनवरी 2021 को ऑनलाइन मोड में विवेकानंद जयंती का आयोजन राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक शिक्षा कृषि विश्वविद्यालय कोटा डॉ. आशुतोष मिश्रा ने विवेकानंद जी के चित्र को माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों ने भी अपने विचार व्यक्त किये।



राष्ट्रीय मतदाता दिवस: ग्यारहवाँ मतदाता दिवस 25 जनवरी 2021 को ऑनलाइन मोड में मनाया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा भारतीय निर्वाचन आयोग के निर्वाचन प्रणाली से सम्बन्धित विभिन्न मोबाइल एप्स के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. जितेन्द्र सिंह एवं सहायक छात्र कल्याण निदेशक के द्वारा मतदान की महत्वता पर अपने विचार व्यक्त किये गये। कार्यक्रम के अन्त में सभी प्रतिभागियों ने शपथ ली।



विश्व पर्यावरण दिवस: विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन 5 जून 2021 को पारिस्थितिकी तंत्र की पुनः स्थापना पर ऑनलाइन मोड में किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. आई.बी. मौर्य ने विद्यार्थियों को पर्यावरण के संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर अधिष्ठाता एवं अन्य शिक्षकों ने महाविद्यालय परिसर में पौधे भी लगाये।



विश्व योग दिवस: 21 जून 2021 को महाविद्यालय के कर्मचारियों द्वारा घर पर ही विभिन्न प्रकार के आसन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया गया।



भगत सिंह जयंती: महाविद्यालय में 28 सितम्बर 2021 को भगतसिंह जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. आई.बी. मौर्य ने शहीद भगत सिंह जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। सभी उपस्थित शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने पुष्प द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित किये।

राष्ट्रीय कृषि शिक्षा दिवस: उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड में 3 दिसम्बर 2021 को पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जन्म दिवस को राष्ट्रीय कृषि शिक्षा दिवस के रूप में मनाया गया। विद्यार्थियों को कृषि शिक्षा में रुचि लेने एवं आधुनिक कृषि तकनीक से कृषि को सुदृढ़ कर राष्ट्र निर्माण पर बल दिया।



विश्व मृदा दिवस: उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड में 5 दिसम्बर 2021 को विश्व मृदा दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में बारिश के असन्तुलन एवं पानी की कमी से उत्पन्न मृदा क्षारीयता से होने वाली समस्या एवं उनको दूर करने के उपायों के बारे में बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्रों के लिये प्र नोर्गरी का भी आयोजन किया गया



आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम: महाविद्यालय में आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 20 दिसम्बर 2021 को देश भक्ति गीत लेखन, रंगोली एवं लोरी लेखन प्रतियोगिता का



आयोजन किया गया। इस मौके पर अधिष्ठाता डॉ. आई.बी.मोर्य ने विद्यार्थियों को देश भक्तों द्वारा रचित देश भक्ति गीतों और लोरियों से प्रेरणा लेते हुये इस तरफ के लेखन के लिये प्रेरित किया। देश भक्ति गीत लेखन प्रतियोगिता में उद्यानिकी स्नातक चतुर्थ वर्ष के नवीन धाकड़ तथा रंगोली प्रतियोगिता में उद्यानिकी स्नातक तृतीय वर्ष की नीति अग्रवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।



2.1.4 महाविद्यालय में संचालित परियोजनाएँ

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अवधि	विशेष उद्देश्य विवरण
1.	Bio-efficacy of fungicide GPF 1617 against disease of Cucumber funded bu UPL	2020-22	To test bio-efficacy of fungicide GPF 1617 against disease of Cucumber
2.	Magnitude of Residue of Cyantraniliprole and its metabolites (IN-J9Z38) in Pomegranate fruit funded by FMC India Pvt Ltd	2020-21	To determine the residue of Cyantraniliprole and its metabolites (IN-J9Z38) in Pomegranate fruit

2.2 कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा

कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा में स्नातक (आनर्स) कृषि (प्रवेश क्षमता 66 विद्यार्थी), स्नातकोत्तर कृषि (शस्य विज्ञान, उद्यान विज्ञान, मृदा विज्ञान, पादप रोग विज्ञान, अनुवांशिकी व प्रजनन विज्ञान, कीट विज्ञान, प्रसार विज्ञान) (प्रवेश क्षमता 26 विद्यार्थी) तथा विद्यावाचस्पति कृषि (शस्य विज्ञान, अनुवांशिकी एवं प्रजनन विज्ञान व पादप रोग विज्ञान) (प्रवेश क्षमता 06 विद्यार्थी) के पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। जिसमें कुल 335 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। जिनका विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है :-



कुल पंजीकृत विधार्थी

क्र. सं.	शैक्षणिक उपाधि	छात्रों की संख्या													
		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		सामान्य		ईडब्ल्यूएस		एमबीसी		कुल	
		छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा
1	स्नातक	34	09	27	05	84	12	45	16	13	02	08	03	211	47
2	स्नातकोत्तर	08	05	03	05	03	04	14	08	02	01	01	01	31	24
3	विद्यावाचस्पति	03	02	02	01	05	02	02	04	01	.	.	.	13	09
4	कुल	45	16	32	11	92	18	61	28	16	03	09	04	255	80

2.2.1 बोर्ड ऑफ स्टडीज

कृषि महाविद्यालय उम्मेदगंज कोटा के बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक दिनांक 10 फरवरी 2021 को आयोजित की गई जिसमें लिये गये अनुमोदित निर्णयों का विवरण निम्न प्रकार है :-

- सभी विभागों के स्नातक/स्नातकोत्तर/विद्यावाचस्पति के पाठ्यक्रम में गौण बदलाव।
- विभिन्न विभागों की पाठ्यक्रम समितियों का पुनर्गठन।
- स्नातक कक्षाओं के सेमेस्टर एवं सैद्धान्तिक परीक्षाओं के समय को 3.0 घण्टे से कम कर 2 घंटे 30 मिनट तक करने का प्रस्ताव और तदनुसार प्रश्न पत्र का संशोधित प्रारूप।
- मास्टर्स/पीएचडी कार्यक्रम की लिखित कॉम्प्रिहेन्सिव/प्रारंभिक परीक्षा की समयावधि तय करने का प्रस्ताव।
- आईसीएआर की 5वीं डीन समिति के अनुसार यूजी पाठ्यक्रमों के क्रेडिट हावर्स की स्वीकृति।





2.2.2 विशिष्ट गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

वृक्षारोपण : 19 अगस्त 2021 को कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता ने पौधा लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत की एवं उन्होंने कहा की वृक्ष प्रकृति की अनमोल धरोहर है जो दिन-प्रतिदिन कम होते जा रहे हैं एवं घटते वृक्षों की संख्या को देखते हुए हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हर व्यक्ति एक पौधा लगाये एवं उसे वृक्ष बनने तक उसकी देखभाल करे। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय एवं कृषि अनुसंधान केन्द्र के संकाय सदस्यों ने भी भाग लिया।



नवागन्तुक विद्यार्थियों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम : 05 अक्टूबर, 2021 को राज्य के विभिन्न जिलों से नव प्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय से संबंधित समस्त नियम एवं गतिविधियों से रूबरू कराने हेतु उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी प्राध्यापक तथा नवप्रवेशित छात्रों ने अपना संक्षिप्त परिचय दिया। अधिष्ठाता ने बताया कि महाविद्यालय में प्रवेशित सभी विद्यार्थियों को परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है, इसलिए विद्यार्थियों को नियमित महाविद्यालय में उपस्थित रहना एवं अध्ययन पर ध्यान देना बहुत आवश्यक है। इस अवसर पर नव प्रवेशित विद्यार्थियों का महाविद्यालय के अकादमिक नियम व परीक्षा प्रणाली, राष्ट्रीय सेवा योजनाएँ छात्रावास, पुस्तकालय और निर्देशात्मक फार्म के नियमों तथा सुविधाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया।



शहीद दिवस: 30 जनवरी, 2021 को कृषि महाविद्यालय उम्मेदगंज, कोटा में शहीद दिवस मनाया गया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी ने कार्यक्रम का संचालन और समन्वय करते हुए विभिन्न तिथियों पर शहीद दिवस मनाने के पीछे के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।



विश्व पर्यावरण दिवस

5 जून, 2021 को कृषि महाविद्यालय एवं कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज कोटा के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज के अधिष्ठाता ने पर्यावरण के महत्व, संतुलन और प्रगति में खाद्य श्रृंखला के महत्व पर चर्चा की और पर्यावरण से हो रहे नुकसान पर चिंता व्यक्त की। कार्यक्रम समन्वयक ने कहा कि इस कोरोना महामारी के दौरान जैसे-जैसे लोगों ने ऑक्सीजन की कमी देखी, पौधों और पर्यावरण के महत्व को समझा और लोग अब अधिक से अधिक पौधे लगा रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में निर्माणाधीन कॉलेज भवन के चारों ओर पौधरोपण किया गया।



पौध रोपण कार्यक्रम

दिनांक 13 अगस्त 2021 को महाविद्यालय परिसर में पौधा रोपण कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी.सी. जोशी, निदेशक अनुसंधान डॉ. प्रताप सिंह, डॉ. एल.के. दशोरा, भूतपूर्व अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ एवं महाविद्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।



गाजर घास उन्मूलन दिवस

21 अगस्त 2021 को कृषि महाविद्यालय एवं कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा



के संयुक्त तत्वाधान में सोलहवों गाजर घास जागरूकता सप्ताह (16-22 अगस्त 2021) के तहत गाजर घास उन्मूलन दिवस का आयोजन किया गया। कृषि महाविद्यालय, कोटा के अधिष्ठाता ने बताया कि गाजर घास एक खतरनाक खरपतवार है जो कि एक बार में करीब 25-30 हजार बीज देता है जो फसल के हर स्तर पर नुकसानदायक होता है। उन्होंने गाजर घास से होने वाले एलर्जी, अस्थमा, बुखार और एक्जिमा जैसी बीमारियों आदि के बारे में भी बताया। इस अवसर पर समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहकर इस घास को जड़ से उखाड़ कर नष्ट करने का कार्य किया।



2.2.3 प्रशिक्षण आयोजन

क्र. सं.	शीर्षक प्रशिक्षण/कार्यशाला/ सेमिनार / वेबिनार	अवधि दिनांक	प्रतिभागी संख्या
1	कौशल विकास के लिए पौध प्रसार एवं नर्सरी प्रबंधन	7-8 मार्च 2021	25 किसान (अनुसूचित जाति)
2	उद्यमिता विकास के लिए उन्नत बीज उत्पादन प्रौद्योगिकी	9-10 मार्च 2021	25 किसान (अनुसूचित जाति)
3	उद्यमिता विकास के लिए उन्नत बीज उत्पादन प्रौद्योगिकी	18-19 मार्च 2021	25 किसान (अनुसूचित जाति)



2.7 ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE)

स्नातक (कृषि): कृषि महाविद्यालय, कोटा के स्नातक अन्तिम वर्ष के सातवें सेमेस्टर में "ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव और कृषि-औद्योगिक अनुलग्नक" के अन्तर्गत विद्यार्थियों को निम्न प्रकार से करवाया जा रहा है।

Rural Agricultural Work Experience and Agri-Industrial Attachment (RAWE&AIA)		
Activities	No. of Weeks	Cr. Hrs.
General orientation & On campus training by different faculties	1	16
(a) Unit attachment in- University/ College/KVK/ Research	5	
(b) Village attachment	8	
(c) Plant clinic	2	
Agro-Industrial Attachment	3	
Project Report Preparation, Presentation and Evaluation	1	04
Total weeks for RAWE & AIA	20	20

2.3 कृषि महाविद्यालय, हिण्डौली, बून्दी

नव सृजित कृषि महाविद्यालय, हिण्डौली जिला बून्दी की स्थापना माननीय मुख्यमंत्री महोदय की बजट घोषणा 2021-22 के बिन्दु संख्या 83 के क्रम में कृषि विश्वविद्यालय कोटा के अन्तर्गत हिण्डौली-बून्दी में की गई है। राजस्थान सरकार कृषि (ग्रुप-3) विभाग के कमांक-प1(3) कृषि-3/2021/दिनांक 07.04.2021 द्वारा इसकी प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। शैक्षणिक सत्र 2021-22 में 60 छात्र/छात्राओं को स्नातक कृषि (ऑनर्स) में प्रवेश के साथ ही अध्यापन कार्य शुरू कर दिया गया है। जिसका विवरण निम्न प्रकार है :-



कुल पंजीकृत विधार्थी

क्र. सं.	शैक्षणिक उपाधि	छात्रों की संख्या									
		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		सामान्य		कुल	
		छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा
1	स्नातक	10	3	7	3	8	7	16	6	41	19
	कुल	10	3	7	3	8	7	16	6	41	19

2.3.1 विशिष्ट गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

नव-सृजित कृषि महाविद्यालय हिण्डौली, बून्दी में सह-शैक्षणिक गतिविधियों के अन्तर्गत स्वतन्त्रता दिवस, वृक्षारोपण, संविधान दिवस, कृषि शिक्षा दिवस, विश्व मृदा दिवस व योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है :-

- स्वतन्त्रता दिवस - 15.08.2021
- वृक्षारोपण - 02.10.2021
- संविधान दिवस - 26.11.2021
- कृषि शिक्षा दिवस - 03.12.2021
- विश्व मृदा दिवस - 05.12.2021
- योगाभ्यास





2.4 छात्र कल्याण निदेशालय की गतिविधियाँ

छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सहभागिता हेतु अभिप्रेरित किया जाता है। इस क्रम में समय-समय पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। वर्ष 2021 में आयोजित किए गए कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम इस प्रकार हैं:-

सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

क्र. स.	तिथि	दिवस
1	जनवरी, 12,2021	स्वामी विवेकानन्द जयन्ती
2	जनवरी, 23,2021	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती
3	जनवरी, 15,2021	राष्ट्रीय मतदाता दिवस
4	जनवरी, 30,2021	षहीद दिवस
5	फरवरी, 25.02.2021	ग्रामीण कार्य अनुभव के अन्तर्गत विद्यार्थियों का संबोधन
6	मार्च, 01.03.2021	दिनांक 1-3 मार्च, 2021 तक राष्ट्रीय कैडेट कोर के सदस्यों का प्रशिक्षण
7	12 मई, 2021	विद्यार्थियों द्वारा एन.सी.सी. अन्तर्गत योग अभ्यास
8	जून 05,2021	विश्व पर्यावरण दिवस
9	जून 07,2021	विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस
10	जून 21,2021	विश्व योग दिवस
11	जुलाई 26,2021	कारगिल विजय दिवस
12	अगस्त 5,2021	धारा 370 समागित वार्षिक उत्सव
13	अगस्त 10,2021	“स्वच्छ भारत- हरित भारत” विषय पर ऑनलाइन कविता का
14	अगस्त 11,2021	भारतीय संविधान प्रस्तावना पर ऑनलाइन पोस्टर/कार्ड प्रतियोगिता
15	अगस्त 15,2021	आजादी का अमृत महोत्सव
16	अगस्त 16,2021	गणतंत्र दिवस पूर्व प्रशिक्षण में सहभागिता
17	अगस्त 20,2021	सद्भावना दिवस
18	अगस्त 24,2021	राष्ट्रीय सेना योजना स्थापना दिवस
19	अक्टूबर 02,2021	गांधी जयन्ती
20	नवम्बर 26,2021	संविधान दिवस
21	नवम्बर 28,2021	एन. सी. सी. दिवस
22	दिसम्बर 03, 2021	कृषि शिक्षा दिवस
23	दिसम्बर 05, 2021	विश्व मृदा दिवस
24	दिसम्बर 12, 2021	विजय दिवस
25	दिसम्बर 16, 2021	कैसर सुरक्षा जनजागृति वेबिनार

विद्यार्थियों द्वारा अर्जित पुरस्कार/प्रशंसा पत्र

- जून, 2021 – राष्ट्रीय कैडेट कोर के सार्जेंट राजेश कुमार पास के एक भारत श्रेष्ठ भारत सप्ताह (9-14 जून, 2021) अन्तर्गत आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान।
- विश्वविद्यालय के विद्यार्थी सुश्री शिवांगी राय, बी.एस.सी. वानिकी तृतीय वर्ष एवं सुश्री शिवानी मासव, बी एवं सी. उद्यानिकी प्रथम वर्ष ने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित 15 वीं कृषि कांग्रेस में 15 नवम्बर, 2021 को सम्पन्न राष्ट्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लिया।
- उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ में 5 दिसम्बर 2021 को विश्व मृदा दिवस पर आयोजित ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में श्री सचिन बेरवा, बी.एस.सी. वानिकी प्रथम वर्ष, श्री दीपक सिंह राठौड़, पी.एच.डी. फल विज्ञान, द्वितीय वर्ष एवं श्री महेन्द्र सैनी, बी.एस.सी. वानिकी प्रथम वर्ष, ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।



पदस्थापन

- विश्वविद्यालय के 60 विद्यार्थियों का परिसर साक्षात्कार के माध्यम से विभिन्न नियोक्ता इकाइयों में चयन
- विश्वविद्यालय के 15 विद्यार्थियों राजस्थान सरकार, जयपुर कृषि विभाग, में चयन
- विश्वविद्यालय के 15 विद्यार्थियों का AIEEA (PG) ICAR में चयन
- विश्वविद्यालय के 1 विद्यार्थी का बायर क्रॉप साइन्सेज, थाणे, महाराष्ट्र में चयन



3. अनुसंधान निदेशालय

3.1 अनुसंधान निदेशालय अंतर्गत विभिन्न इकाइयों पर उपलब्ध भूमि

क्र. सं.	इकाई का नाम	उपलब्ध कुल भूमि (हे.)	कृषि योग्य भूमि (हे.)	अन्य भूमि (हे.) एवं विवरण	मुख्य कार्य
1	कृषि अनुसंधान केंद्र, कोटा	80.50	76.00	4.5 हे. (भवन, रोड, स्टाफ क्वार्टर, थ्रेसिंग फ्लोर, गेस्ट हॉउस)	अनुसंधान कार्य व बीज उत्पादन
2	यांत्रिक कृषि फार्म, कोटा	485.00	280.00	205 हे. (भवन, रोड, नाला, रेवराइन एवं तालाब)	बीज उत्पादन
3	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, अकलेरा	43.29	40.24	3.05 हे. (भवन, थ्रेसिंग फ्लोर, रोड, शेड)	अनुसंधान कार्य व बीज उत्पादन
4	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, खानपुर	52.00	47.00	5.0 हे. (भवन, फार्म रोड, थ्रेसिंग फ्लोर)	अनुसंधान कार्य व बीज उत्पादन
5	बीज उत्पादन फार्म, सुल्तानपुर	21.50	18.00	3.5 हे. (भवन, थ्रेसिंग फ्लोर, रोड इत्यादि)	बीज उत्पादन
कुल योग		682.29	461.24	221.05	

3.2 उद्देश्य, मुख्य कार्य एवं जांचीय कार्य

उद्देश्य

- कृषि अनुसंधान की योजना, समन्वय एवं परिवेक्षण
- सतत् उत्पादन हेतु उन्नत उत्पादन तकनीकियों का विकास
- बीज उत्पादन कार्यक्रम का समन्वय एवं परिवेक्षण
- अनुसंधान कार्यो से सम्बंधित हेतु राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से समन्वय
- कृषि से सम्बंधित परामर्श



विश्वविद्यालय ने क्षेत्र की आवश्यकतानुसार प्रक्षेत्र एवं प्रयोगशाला संबन्धित अनुसंधान कार्यों को मुख्य व जांचीय कार्यों में निम्न प्रकार वर्गीकृत किया है :-

मुख्य कार्य



सोयाबीन, मूलार्प (मूंग, उडद, मसूर, खेसारी, राजमा, व मटर/बटला), रोपित/सीधी बुवाई धान, अरहर, समन्वित कृषि प्रणाली, सिंचाई जल प्रबंधन, चना, आलू, गन्ना, अलसी, सरसों, शुष्क क्षेत्र फलों (बील, इमली, सीताफल, लहसोडा), संतरा, अमरूद, जल व मृदा प्रबंधन एवं पोषक तत्व प्रबन्धन अनुसंधान कार्य सम्पादित करना।

जांचीय कार्य

बीजीय मसाले, गेहूँ जौ, प्याज, लहसुन, मक्का, मौसम विज्ञान, बारानी कृषि एवं जैविक खेती इत्यादि।

3.3 अनुसन्धान निदेशालय अन्तर्गत संचालित विभिन्न परियोजनाएँ





कृषि विश्वविद्यालय में 14 अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं क्रमशः सोयाबीन, धान, अरहर, मुल्लार्प, सरसों, चना, गन्ना, अलसी, आलू, सिंचाई जल प्रबंधन, समेकित कृषि प्रणाली, प्रजनक बीज उत्पादन, शुष्क क्षेत्र फल तथा मौन पालन एवं परागणकर्ता इत्यादि संचालित हैं जिनके द्वारा फसल सुधार, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, उत्पादन एवं संरक्षण तथा प्रजनक बीज उत्पादन इत्यादि पर कार्य किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के द्वारा वित्तपोषित 7 स्वैच्छिक अनुसंधान परियोजनाएँ (मसाला फसलें, गेहूँ एवं जौ, मक्का, शुष्क खेती, शुष्क दलहनी फसलें, ग्रामीण कृषि मौसम सेवा स्कीम (जी.के.एम.एस.) एवं समन्वित उद्यानिकी विकास मिशन (एमआईडीएच), 11 राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर.के.वी.वाई), दलहन परियोजना (ई.बी.एस.पी.), दलहन व तिलहन बीज हब (5), 36 निजी संस्थाओं द्वारा वित्त पोषित परियोजनाएँ इत्यादि में अनुसंधान व विकास कार्य सम्पादित व क्रियान्वित किये जा रहे हैं।

क्र. सं.	परियोजना का नाम	उद्देश्य	परियोजना बजट (रु.)	फोटोग्राफ
1.	अखिल भारतीय समन्वित सिंचाई जल प्रबंधन अनुसंधान परियोजना	<ul style="list-style-type: none"> विभिन्न कृषि-परिस्थिति प्रणाली के लिए जल उपयोग दक्षता और जल उत्पादकता बढ़ाने के लिए छोटे भूमि धारको हेतु सतह एवं दाबीय सिंचाई प्रणालियों का डिजाइन, विकास और शोधन। सिंचाई जल प्रबंधन के बदलते परिदृश्य के तहत मिट्टी-पौधे-जल-पर्यावरण संबंध पर अध्ययन। सतत फसल उत्पादन के लिए सतही जल और भूजल संसाधनों के संयुक्त उपयोग के लिए प्रबंधन रणनीति विकसित करना। 	100 लाख	
2.	अखिल भारतीय समन्वित चावल अनुसंधान परियोजना	<ul style="list-style-type: none"> निर्यात हेतु चावल की ज्यादा उपज, कम ऊंचाई, नहीं बिखरने वाली, पतले लंबे दाने की खुसबूदार किस्मों का विकास कार्य। प्रतिरोपित एवं सीधी धान की अधिकतम उपज प्राप्त करने के लिए उपयुक्त फसल ज्यामिति, बुवाई विधि, कुशल उर्वरक 	60 लाख	



क्र. सं.	परियोजना का नाम	उद्देश्य	परियोजना बजट (रु.)	फोटोग्राफ
		<p>प्रबंधन एवं आर्थिक खरपतवार प्रबंधन तकनीकी आदि के लिए पैकेज विकसित करना।</p> <ul style="list-style-type: none">● धान की कम अवधि की देशी से बुवाई के लिये उपयुक्त किस्मों को विकसित करना।● चावल की मध्यम समय में पकने वाली बौनी किस्मों में जल्दी पकने के साथ अच्छे गुणवत्ता युक्त लक्षणों का समावेश।● पारंपरिक प्रजनन विधियों द्वारा नयी प्रजनन सामग्री को विकसित करना।● नाभिकिय एवं प्रजनन बीज उत्पादन।		
3.	अखिल भारतीय समन्वित सोयाबीन अनुसंधान परियोजना	<ul style="list-style-type: none">● सोयाबीन के आनुवांशिक संसाधनों का मूल्यांकन।● स्थान विशिष्ट की उच्च उपज के साथ अन्य वांछनीय लक्षणों और बेहतर कृषि पद्धतियों वाली किस्मों का विकास कार्य।● आनुवांशिक शुद्धता का रखरखाव और प्रजनक बीज का उत्पादन।● पोषक तत्वों, कीटों, बीमारियों, पानी और खरपतवारों के एकीकृत प्रबंधन का शोधन और सत्यापन।● प्रदर्शन और प्रशिक्षण के माध्यम से प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण।	105 लाख	
4.	अखिल भारतीय समन्वित अलसी अनुसंधान परियोजना	<ul style="list-style-type: none">● समन्वित परीक्षण एवं स्टेशन परीक्षणों का संचालन।● नई कम अवधि में पकने वाली और उच्च उपज की किस्मों की पहचान और विकास।	12 लाख	
5.	अखिल भारतीय समन्वित मुलार्प अनुसंधान परियोजना	<ul style="list-style-type: none">● उड़द, मसूर, व मटर के जनन द्रव्य का संग्रहण, मूल्यांकन तथा रखरखाव।● संकरण एवं प्रेरित उत्परिवर्तन द्वारा विभिन्नता उत्पन्न करना।● उड़द की मुख्य बीमारियों (पीत शिरा वायरस, पत्ती कुंचन, सर्कोस्फोरा पत्ती धब्बा रोग) की प्रतिरोधक एवं विभिन्न पकाव अवधि वाली पादप वंशावलियां विकसित करना।	12 लाख	



क्र. सं.	परियोजना का नाम	उद्देश्य	परियोजना बजट (रु.)	फोटोग्राफ
		<ul style="list-style-type: none">● मसूर की शीघ्र पकने वाली, कोलर रोट की प्रतिरोधक एवं मोटे दाने वाली किस्में विकसित करना।● मटर की अधिक उपज व शीघ्र पकने वाली किस्में विकसित करना।● सिंचित व उच्च उर्वरता हेतु राजमा की शीघ्र पकने वाली व अधिक उपज वाली किस्में व महत्वपूर्ण किस्मों का प्रजनक बीज उत्पादन।● उत्पादकता बढ़ाने हेतु उपयुक्त शस्य तकनीक विकसित करना, दालों को शामिल करते हुए अधिक उत्पादक फसल पद्धति का चिन्हीकरण।		
6.	अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसंधान परियोजना	<ul style="list-style-type: none">● चने की विभिन्न जनन द्रव्यों का संकलन, मूल्यांकन एवं विशिष्टीकरण● जैविक एवं अजैविक कारकों के प्रति प्रतिरोधक किस्में विकसित करना।● स्थायी उत्पादन हेतु बीमारी प्रतिरोधक किस्मों का विकास।● प्रदर्शन और प्रशिक्षण के माध्यम से प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण।● प्रजनक बीज का उत्पादन।	39 लाख	
7.	अखिल भारतीय समन्वित गन्ना अनुसंधान परियोजना	<ul style="list-style-type: none">● अधिक उपज, उच्च शर्करा वाली अगेती एवं मध्यम पछेती किस्मों का विकास।● अधिक उपज, उच्च शर्करा एवं उच्च रटून क्षमता वाली, सुखा सहन क्षमता, रोग व कीट रोधिता वाली किस्मों का विकास।● उच्च गुणवत्ता का बीज उत्पादन।● प्रथम पंक्ति प्रदर्शन में शस्य तकनीक व किस्मों का प्रसार कर किसानों तक पहुँचाना।● लाल सडन रोग वाली किस्मों का सर्वे कर छंटनी।	53 लाख	
8.	अखिल भारतीय समन्वित सरसों अनुसंधान परियोजना	<ul style="list-style-type: none">● अधिक तेल एवं जैविक/अजैविक कारकों के प्रति सहनशील किस्मों का विकास।● उपयुक्त स्थान विशेष के लिए अधिक उपज हेतु प्रौद्योगिकी विकास, शोधन एवं सत्यापन।	38 लाख	



क्र. सं.	परियोजना का नाम	उद्देश्य	परियोजना बजट (रु.)	फोटोग्राफ
		<ul style="list-style-type: none">● कीट, व्याधि, सूखे एवं लवणता से बचाने के लिए तकनीक विकसित करना।● जनन द्रव्यों का संग्रहण, रखरखाव एवं मूल्यांकन।● उन्नत किस्मों का आधार एवं प्रजनक बीज उत्पादन।● प्रदर्शन और प्रशिक्षण के माध्यम से प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण।		
9.	अखिल भारतीय समन्वित आलू अनुसंधान परियोजना	<ul style="list-style-type: none">● नई किस्मों का विकास।● नई शस्य क्रियाओं का विकास।● पादप संरक्षण की उपयुक्त तकनीकी का विकास।● बीज उत्पादन के लिए रोग रहित क्षेत्र विकसित करना।	40 लाख	
10.	अखिल भारतीय समन्वित कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना	<ul style="list-style-type: none">● समेकित कृषि प्रणाली के अन्तर्गत उन्नत उत्पादन तकनीकी द्वारा फसल पद्धति में सुधार एवं संसाधन दक्षता बढ़ाने के लिए अनुकूलीय अनुसंधान कार्य।● विभिन्न क्षेत्रों के लिए कुशल, आर्थिक रूप से व्यवहार्य व पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ समेकित कृषि प्रणाली मॉडल विकास कार्य।● समेकित कृषि प्रणाली के द्वारा क्षमता निर्माण व मानव संसाधन विकास।	41 लाख	
11.	अखिल भारतीय समन्वित अरहर अनुसंधान परियोजना	<ul style="list-style-type: none">● अरहर में अल्प अवधि में पकने वाली, जैविक व अजैविक दबावों के प्रति सहिष्णु तथा अधिक उपज वाली किस्मों की पहचान व विकास।● अरहर में अंतरफसली व्यवस्था का विकास।● अरहर में उत्पादन वृद्धि हेतु उपयुक्त शष्प क्रियाओं का विकास।● अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के माध्यम से अरहर में बेहतर तकनीकी का हस्तांतरण।● आनुवांशिक शुद्धता में वृद्धि हेतु प्रजनक बीज उत्पादन।	35 लाख	
12.	अखिल भारतीय समन्वित मौन पालन अनुसंधान परियोजना	<ul style="list-style-type: none">● विभिन्न कृषि पारिस्थितिकी क्षेत्रों में परागण कर्ताओं के संरक्षण, पालन एवं उपयोग की तकनीक विकास पर अनुसंधान।● मधुमक्खी में रोगप्रतिरोधक क्षमता विकसित करने एवं उच्च उत्पादन क्षमता हेतु अनुसंधान।	15 लाख	



क्र. सं.	परियोजना का नाम	उद्देश्य	परियोजना बजट (रु.)	फोटोग्राफ
		<ul style="list-style-type: none"> क्षेत्रानुसार मधुमक्खी में रोग एवं शत्रु एवं उनके प्रबंधन पर अनुसंधान कार्य। विभिन्न कृषि पारिस्थितिकी में विभिन्न फसलों पर स्थानीय परागण कर्ताओं की प्रभावशीलता पर डाटाबेस तैयार करना। 		
13	अखिल भारतीय समन्वित एन.एस. पी.-बी.एस.पी. परियोजना	<ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय आवश्यकताओं के अनुसार पर्याप्त मात्रा में उच्च गुणवत्ता का नाभकीय (न्यूक्लियस) और प्रजनक बीजों का उत्पादन करना। नाभकीय (न्यूक्लियस) और प्रजनक बीजों का गुणवत्तापूर्ण रखरखाव। बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण और पैकेजिंग, गुणवत्ता नियंत्रण एवं बीज स्वास्थ्य से सम्बंधित जानकारीयों का प्रसार और प्रशिक्षण कार्य। किसानों को उच्च और बेहतर पैदावार हेतु उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की श्रेष्ठता को प्रदर्शित करना। 	40 लाख	
14	अखिल भारतीय समन्वित शुष्क क्षेत्र फल परियोजना	<ul style="list-style-type: none"> लसोड़ा, इमली और सीताफल का जर्मप्लाज्म सर्वेक्षण और संग्रह। लसोड़ा, इमली और सीताफल के जर्मप्लाज्म का मूल्यांकन। बेल, सीताफल, इमली का किस्म मूल्यांकन परीक्षण। शुष्क फल फसलों में रूटस्टॉक परीक्षण। शुष्क क्षेत्र फलों के प्रमुख रोगों का सर्वेक्षण एवं निगरानी। शुष्क क्षेत्र के फलों में विभिन्न रोगों के प्रति प्रतिरोधकता हेतु जर्मप्लाज्म की जांच 		

3.4 निजी संस्थाओं द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ

क्र.सं.	कुल परियोजनाएँ	स्थान	प्रायोजक संस्थाएँ	बजट लाख (रु.)
1.	36	कृषि अनुसंधान केन्द्र कोटा / उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड	यू.पी.एल.धानुका / डयूफोन्ट / शारदा कॉर्पोरेट केमिकल्स / एरिस्टा / सरस्वती एग्रो केमिकल्स इत्यादि	115.00



3.5 क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति

खरीफ बैठक

कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा पर सम्भागीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति, खरीफ की बैठक दिनांक 16-17 मार्च, 2021 को आयोजित की गई। बैठक में खरीफ 2020 में किये गये अनुसंधान कार्यों का प्रस्तुतिकरण किया गया तथा आने वाली खरीफ 2021 के लिए तकनीकी सिफारिशों का अनुमोदन एवं अनुसंधान कार्य का तकनीकी कार्यक्रम बनया गया। इस बैठक में उडद की नई किस्म कोटा उडद-3 (के.पी.यू. 524-65), धान की खुशबूदार किस्म पूसा-1592 की सिफारिश की गई। इस प्रकार बैठक में विभिन्न फसलों जैसे-अरहर, उडद, धान, संतरा व बैंगन आदि की कुल 12 किसान उपयोगी तकनीकी सिफारिशों (2 फसल सुधार, 6 फसल उत्पादन, 3 उद्यानिकी तथा 1 फसल संरक्षण) का अनुमोदन किया गया। इस बैठक में डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान कृषि विश्वविद्यालय, कोटा, डॉ. एस. के. जैन निदेशक प्रसार शिक्षा, डॉ. एम. सी. जैन अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, डॉ. एन. एल. मीना, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान एवं डॉ. रामावतार शर्मा, संयुक्त निदेशक कृषि सहित कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों, कृषि अनुसंधान केन्द्र एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।



रबी बैठक

कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा पर क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति रबी 2021-22 की बैठक दिनांक 26-27 अगस्त, 2021 को आयोजित की गई। बैठक में रबी 2020-21 में किये गये कृषि अनुसंधान कार्यों का प्रस्तुतिकरण किया गया तथा रबी 2021-22 के लिये तकनीकी सिफारिशों का अनुमोदन एवं आगामी अनुसंधान कार्य की योजनाएं बनाई गई तथा फीडबैक समस्याओं का निदान एवं गत बैठक में लिए गए निर्णयों पर की गई कार्यवाही का विवरण प्रस्तुत किया। इस बैठक में अलसी की सिंचित क्षेत्रों में बुवाई के लिए कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा द्वारा विकसित किस्में कोटा अलसी-6, असिंचित क्षेत्रों के लिए कोटा बारानी अलसी-6, कोटा काबुली चना-2, मसूर की कोटा मसूर-2 तथा कोटा मसूर-4 आदि किस्मों की कोटा खण्ड के लिए सिफारिश की गई। इनके अलावा मटर की किस्म पी.बी.-89 सब्जी के लिये एवं लहसुन की किस्म जी-50 एवं जी-282 को कोटा खण्ड (जोन-V) के लिए सिफारिश की गई। उक्त बैठक में विभिन्न फसलों की कुल 23 किसान उपयोगी तकनीकी सिफारिशों (8 फसल सुधार, 6 फसल उत्पादन, 5 उद्यानिकी तथा 4 फसल संरक्षण) का अनुमोदन किया गया।



उक्त बैठक में डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान, डॉ. रामावतार शर्मा, संयुक्त निदेशक कृषि, डॉ. एम.सी. जैन क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, श्री पी.के. गुप्ता, संयुक्त निदेशक उद्यान, डॉ. कल्पना शर्मा परियोजना निदेशक (सी.ए.डी. नान्ता), श्री मुकेश त्यागी, उप निदेशक (ए.टी.सी., बूंदी), श्री जे.पी. पाठक प्रोजेक्ती ऑर्चर्ड, उप निदेशक, (ए.टी.सी.) नान्ता तथा कृषि अनुसंधान केन्द्र कोटा, कृषि विज्ञान केन्द्र, बूंदी, बारां, झालावाड़, सवाईमाधोपुर एवं कृषि उपअनुसंधान केन्द्रों के वैज्ञानिकों के साथ कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़ के कृषि उपनिदेशकों एवं अन्य कृषि अधिकारियों ने भाग लिया।





3.6 अनुसन्धान की मुख्य उपलब्धियाँ

3.6.1 विकसित की गई किस्में

वर्ष 2021 में विभिन्न फसलों की 5 किस्में विकसित की गयीं जिनका विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र. सं.	फसल	किस्म	प्रमुख विशेषताएँ	फोटोग्राफ
1.	अलसी	कोटा बारानी अलसी 6 (आर एल-15584)	यह किस्म भारत में जोन 1 (हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू) की बारानी/असिंचित स्थिति के लिए उपयुक्त पाई गई है। इस किस्म के फूल सफेद एवं दाने मोटे होते हैं। यह किस्म 153-155 दिन में पककर 12-14 किं.व./हे.-दाना उपज देती है एवं इसमें 32 प्रतिशत से अधिक तेल की मात्रा पायी जाती है। यह किस्म अल्टरनेरिया ब्लाइट, विल्ट, पाउडर फफूंदी, रस्ट रोग और कलिका मक्खी कीट के प्रति मध्यम प्रतिरोधी पायी गयी है।	
2.	अलसी	कोटा अलसी 6 (आर एल-13165)	यह किस्म भारत में जोन 2 (उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और असम) की सिंचित स्थिति के लिए उपयुक्त पाई गई है। इस किस्म के फूल नीले एवं दाने मोटे होते हैं। यह किस्म 132-135 दिन में पककर 12-17 किं.व./हे.-दाना उपज देती है एवं इसमें 36 प्रतिशत से अधिक तेल की मात्रा पायी जाती है। यह किस्म अल्टरनेरिया ब्लाइट, विल्ट, पाउडर फफूंदी और रस्ट रोगों के लिए मध्यम प्रतिरोधी पायी गयी है।	
3.	चना	कोटा काबुली चना 3 (आर के जी के 13-414)	काबुली चने की किस्म जिसकी औसत उपज 2169 किग्रा/हेक्टेयर, 100 दानों का भार 26 ग्राम होता है और 128 दिन में पकती है। इस किस्म में एकल सफेद फूल आते हैं और चने के मुख्य रोग उखटा, शुष्क जड़ गलन एवम तना गलन के प्रति प्रतिरोधी है।	
4.	मसूर	कोटा मसूर 4 (आर.के.एल. 58 एफ 3715)	यह किस्म मध्यम पकाव वाली मध्य भारत के क्षेत्र के लिए उपयुक्त पायी गई है तथा 18-20 किं.व./हे.उपज देती है। इसका दाना मोटा एवं 100 दानों का भार 3.33 ग्राम होता है। इसके पौधे का रंग गहरा हरा होता है तथा अर्द्ध फैलाव युक्त व परिसीमित वृद्धि अण्डाकार युक्त रोंये रहित पत्तियाँ होती हैं। यह किस्म उखटा रोग के प्रति मध्यम प्रतिरोधी तथा जीवाणु पत्ती धब्बा व रतुआ रोग के प्रति प्रतिरोधी पायी गई है। इस किस्म पर चेंपा व फलीछेदक कीट का प्रकोप बहुत कम होता है।	



क्र. सं.	फसल	किस्म	प्रमुख विशेषताएँ	फोटोग्राफ
5.	उड़द	कोटा उड़द 5 (के.पी.यू. 52-87)	यह किस्म मध्यम पकाव वाली दक्षिण भारत के क्षेत्रों के लिए उपयुक्त पायी गई है। इस किस्म के दाने मध्यम आकार के व गहरे भूरे रंग के तथा 100 दानों का भार 4.3 ग्राम होता है। यह किस्म 72-75 दिन में पककर 10-12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज देती है। अर्द्ध फैलाव युक्त वाली इस किस्म के पौधे का रंग गहरा हरा होता है तथा पत्तियाँ, तना व फलियां रोयेँ युक्त होती हैं। यह किस्म पत्ती क्रिंकल विषाणु रोग, पर्ण कुंचन विषाणु रोग के प्रति प्रतिरोधी तथा पीत चितकबरा विषाणु, सरकोस्पोरा पत्ती धब्बा, चूर्णिल आसिता, वेबब्लाइट व श्यामवर्ण रोग के प्रति मध्यम प्रतिरोधी पायी गई है। इस किस्म पर मारुका कीट व फलीघुन कीट का प्रकोप बहुत कम होता है।	 

3.6.2 सिफारिश की गई किस्में

क्र. सं.	वर्ष	फसल	किस्म	प्रमुख विशेषताएँ
1.	खरीफ 2021	उड़द	कोटा उड़द 3 (के.पी.यू. 524-65)	2020 में राजस्थान राज्य के लिए अधिसूचित। शीघ्र व एक साथ 72 दिन में पकने वाली किस्म एवं फलियां मुख्य तना पर लगती हैं। दाना बड़ा (4.3 ग्राम 100 दानों का वजन) एवं काला व आकर्षक होता है। पीत चितकबरा रोग (MYMV), पत्ती धब्बा रोग व एन्थ्रेक्नोज के लिए प्रतिरोधी है व उपज 11-13 क्विंटल/हेक्टर है।
2.	खरीफ 2021	धान	पूसा 1592	खुशबूदार धान की इस किस्म के पौधे की ऊंचाई 105.110 से.मी. तक होती है। यह किस्म 130-135 दिन में पककर औसतन 45-50 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज देती है। इस किस्म का दाना लम्बा एवं पतला होता है। यह किस्म पर्णधार झुलसा, जीवाणु अंगमारी रोग तथा धान का भूरा फुदका कीट के प्रति मध्यम प्रतिरोधी है।
3.	रबी 2021-22	चना	कोटा काबुली चना 2 (आर के जी के 13-499)	काबुली चना की नई किस्म कोटा काबुली चना 2 का खंड V के लिए पहचान की गई है। यह अति मोटा काबुली चने की किस्म है जिसकी औसत उपज 2099 किग्रा/हेक्टेयर, 100 दानों का भार 40 ग्राम से अधिक होता है और 128 दिन में पकती है। इस किस्म में एकल सफेद फूल आते हैं और चने के मुख्य रोग उखटा, शुष्क जड़ गलन एवम तना गलन के प्रति प्रतिरोधी है।
			कोटा काबुली चना 3 (आर के जी के 13.414)	काबुली चने की किस्म जिसकी औसत उपज 2169 किग्रा/हेक्टेयर, 100 दानों का भार 26 ग्राम होता है और 128 दिन में पकती है। इस किस्म में एकल सफेद फूल आते हैं और चने के मुख्य रोग उखटा, शुष्क जड़ गलन एवम तना गलन के प्रति प्रतिरोधी है।
4.	रबी 2021-22	मसूर	कोटा मसूर 2 (आर.के.एल. 14-20)	मसूर की अति अगोती पकाव वाली यह किस्म भारत के मध्य क्षेत्र के लिए उपयुक्त है। इसके पौधे का रंग गहरा हरा होता है तथा अर्द्ध फैलाव युक्त व परिसीमित वृद्धि अण्डाकार युक्त रोयेँ रहित पत्तियाँ होती हैं। इसका दाना मोटा एवं 100 दानों का



क्र. सं.	वर्ष	फसल	किस्म	प्रमुख विशेषताएँ
				भार 3.1 ग्राम होता है। यह किस्म उखटा रोग के प्रति मध्यम प्रतिरोधी एवं चेंपा कीट व फली छेदक कीट का बहुत कम प्रकोप होता है। यह किस्म 100 दिन में पककर 12-14 क्विंटल/हेक्टेयर दाना उपज देती है।
			कोटा मसूर 4 (आर.के.एल. 58 एफ 3715)	यह किस्म मध्यम पकाव वाली मध्य भारत के क्षेत्र के लिए उपयुक्त पायी गई है जो 18-20 क्विंटल/हेक्टेयर उपज देती है। इसका दाना मोटा एवं 100 दानों का भार 3.33 ग्राम होता है। इसके पौधे का रंग गहरा हरा होता है तथा अर्द्ध फैलाव युक्त व परिसीमित वृद्धि अण्डाकार युक्त रोंये रहित पत्तियाँ होती हैं। यह किस्म उखटा रोग के प्रति मध्यम प्रतिरोधी तथा जीवाणु पत्ती धब्बा व रतुआ रोग के प्रति प्रतिरोधी पायी गई है। इस किस्म पर चेंपा कीट व फली छेदक कीट का प्रकोप बहुत कम होता है।
5.	रबी 2021-22	अलसी	कोटा अलसी 6 (आर.एल.- 13165)	यह किस्म राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों हेतु उपयुक्त पाई गयी है। इस किस्म के फूल नीले एवं दाने मोटे होते हैं। यह किस्म 129-132 दिन में पककर 18-20 क्वि/हे. दाना उपज देती है एवं इसमें 36 प्रतिशत से अधिक तेल की मात्रा पायी जाती है। यह किस्म झुलसा रोग के प्रति मध्यम प्रतिरोधी पायी गयी है।
			कोटा बारानी अलसी 6 (आर.एल.- 15584)	यह किस्म राजस्थान के असिंचित क्षेत्रों हेतु उपयुक्त पाई गयी है। इस किस्म के फूल सफेद एवं दाने मोटे होते हैं। यह किस्म 124-128 दिन में पककर 15-17 क्वि/हे. दाना उपज देती है एवं इसमें 32 प्रतिशत से अधिक तेल की मात्रा पायी जाती है। यह किस्म झुलसा रोग के प्रति मध्यम प्रतिरोधी पायी गयी है।
6.	रबी 2021-22	आलू	कुफरी लीमा	यह किस्म उष्ण सहनशील है जो कि अगेती फसल की तुलना में 15 से 20 दिन पहले बुवाई कर सकते हैं। पौधों की ऊँचाई 55-60 सेमी, पत्तियां गहरी हरी आकार मध्यम, फूल रंगीन होता है। इस किस्म का आलू अण्डाकार सफेद छिलका वाला व कम गहरी आखों वाला होता है। यह अगेती झुलसा से मध्यम प्रतिरोधी है। इसकी भण्डार क्षमता अच्छी है एवं अधिक उपज (औसत पैदावार 300-350 क्विंटल प्रति हैक्टर) एवं शुष्क पदार्थ देती है।
			कुफरी संगम	यह किस्म खाने और प्रसंस्कृत उत्पाद तैयार करने के लिए उपयोगी है। इस किस्म का आलू अण्डाकार सफेद छिलका वाला व कम गहरी आखों वाला होता है। यह मध्यम अवधि (90-100 दिन) एवं उत्पादन क्षमता 35-40 टन प्रति हैक्टेयर है। यह किस्म पछेती झुलसा बीमारी के प्रति मध्यम प्रतिरोधी एवं अच्छी भण्डारण क्षमता वाली है। साथ ही ज्यादा पैदावार भी देती है। यह किस्म बुवाई के 100 दिन बाद पककर तैयार हो जाती है। इसका स्वाद एवं सुगन्ध बहुत अच्छी है, इसके कन्द की बनावट, उत्कृष्ट उपस्थिति और कोई दरार नहीं होती है।
7.	रबी 2021-22	मटर	पी.बी.-89	मटर की किस्म पी.बी.-89 सब्जी के लिये कोटा खण्ड के लिये उपयुक्त है।
8.	रबी 2021-22	लहसुन	जी-50 एवं जी -282	लहसुन की किस्म जी-50 एवं जी -282 कोटा खण्ड के लिये उपयुक्त है।



कोटा अलसी 6



कोटा बारानी अलसी 6



कोटा उड़द 3



कोटा मसूर 4

3.6.3 राजस्थान जलवायु खण्ड V के लिये फसल, फल एवं सब्जी उत्पादन हेतु तकनीक विकसित एवं सिफारिशें

क्र.सं.	फसल	सिफारिश
1	उड़द	उड़द-गेंहूँ फसल चक्र प्रणाली में उड़द फसल में 125% संस्तुत उर्वरक सिफारिश (25 किग्रा नत्रजन : 50 किग्रा फॉस्फोरस : 25 किग्रा पोटाश : 31 .25 किग्रा सल्फर प्रति हेक्टेयर) के साथ 5 टन प्रति हेक्टेयर गोबर की खाद तथा राइजोबियम व एल एम एन 16 (प्रत्येक 600 ग्राम प्रति हेक्टेयर) की दर से बीजोपचार करके उड़द की अधिक उपज एवं शुद्ध लाभ प्राप्त होता है तथा आगामी गेंहूँ फसल में भी अधिक दाना उपज एवं शुद्ध लाभ प्राप्त होता है।
2	मूंग	मूंग- गेंहूँ फसल चक्र प्रणाली में मूंग फसल में 125 % संस्तुत उर्वरक सिफारिश (25 किग्रा नत्रजन : 50 किग्रा फॉस्फोरस : 25 किग्रा पोटाश : 31 .25 किग्रा सल्फर प्रति हेक्टेयर) के साथ 5 टन प्रति हेक्टेयर गोबर की खाद तथा राइजोबियम व एल एम एन 16 (प्रत्येक 600 ग्राम प्रति हेक्टेयर) की दर से बीजोपचार करके मूंग की अधिक उपज एवं शुद्ध लाभ प्राप्त होता है तथा आगामी गेंहूँ फसल में भी अधिक दाना उपज एवं शुद्ध लाभ प्राप्त होता है।
3	धान	धान की फसल में पर्णधार झुलसा रोग के लक्षण दिखाई देने पर स्यूडोमोनास फ्लोरेसेंस 1.50% घुलनशील द्रव (1x10 ⁸ सीअफयू / एम एल) 2 लीटर प्रति हैक्टर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करने से प्रभावी नियंत्रण पाया गया है।
4	अरहर	अरहर की खड़ी फसल में पुष्प अवस्था पर बहु सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण का 2 मिली/ली. + इन्डोक्साकार्ब 15.8 ई.सी. 0.75 मि.ली./ली. (टंकी मिश्रण) प्रथम छिड़काव करने एवं इसके 15 दिन पश्चात डाईमैथोएट 30 ई.सी. 2 मि.ली./ली. छिड़काव करने पर फली छेदक एवं फलमक्खी का प्रकोप कम होने से अधिक उपज व शुद्ध आय प्राप्त हुई। अरहर की खड़ी फसल में जिबरेलिक एसिड @ 50 पी पी एम (50 मिग्रा/ली) का छिड़काव पुष्प अवस्था व फली बनने की अवस्था पर करने पर अधिक उपज व शुद्ध आय प्राप्त हुई।
5	जल प्रबंधन (मूंगफली)	जायद मूंगफली फसल को वृहत क्यारी कूड़ विधि (3 पंक्ति) बुवाई के साथ सिंचाई श्यूडूल आई. डब्ल्यू/सी.पी.ई. अनुपात 1.2 (सिंचाई अन्तराल 8-11 दिन) पर करने से अधिक फली उपज (18.5 किं. प्रति हे.), शुद्ध आय (रु. 90787 प्रति हे.) एवं लाभ: लागत (2.22) समतल विधि से बुवाई के साथ सिंचाई श्यूडूल आई . डब्ल्यू/सी.पी.ई. अनुपात 0.8 की तुलना में अधिक प्राप्त हुई। जायद मूंगफली फसल को सूक्ष्म फव्वारा विधि से प्रत्येक तीसरे दिन (15-25 मिनट तक) पर सिंचाई श्यूडूल अधिकतम वाष्पोत्सर्जन (125 प्रतिशत) के साथ-साथ सम्पूर्ण नत्रजन: फॉस्फोरस : पोटाश (30:60:40 किग्रा प्रति हे.) को फर्टीगेशन विधि से देने पर अधिक फली उपज (24.1 किं. प्रति हे.) एवं 2.5 प्रतिशत जल बचत सतही सिंचाई श्यूडूल आई . डब्ल्यू/सी.पी.ई. अनुपात 0.8 के साथ-साथ सम्पूर्ण नत्रजन: फॉस्फोरस : पोटाश (30:60:40 किग्रा प्रति हे.) को एक बार मिट्टी में देने की तुलना में अधिक प्राप्त हुई।
6	गन्ना	गन्ना फसल की अगेती (CoPk 5191, Co 0238, Co 5009) व मध्यम अवधि (Co 05011) में पकने वाली किस्मों की बुवाई करने के पश्चात पूर्ण रूप से अंकुरण (40-45 दिन) होने तक हल्की सिंचाई करें एवं आई. डब्ल्यू/सी.पी.ई. अनुपात 1.0 पर 15 दिन के अन्तराल पर मानसून शुरू होने से पूर्व 04 सिंचाई करें। मानसून की वर्षा समाप्त होने के पश्चात कम अवधि में पकने वाली किस्मों में 04 सिंचाई व मध्यम अवधि में पकने वाली किस्मों में 05 सिंचाई आई .डब्ल्यू/सी.पी.ई. अनुपात 1.0 पर 30 दिन के अन्तराल पर करने से अधिक गन्ना उपज, जल उपयोग दक्षता एवं शुद्ध आय प्राप्त होती है।



7	गेंहूँ	गेंहूँ की खड़ी फसल में सल्फोसल्फूरॉन 75 प्रतिशत डब्ल्यू .पी. . मेटासल्फयूरान मिथाईल 5 प्रतिशत डब्ल्यू.जी.(मिश्रित उत्पाद) का 32 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर बुवाई के 30-35 दिन पश्चात (पहली सिंचाई के बाद) 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने पर संकरी व चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों का प्रभावी नियंत्रण होने से अधिक दाना उपज प्राप्त होती है।
8	चंद्रसूर	चंद्रसूर की बुवाई का उपयुक्त समय अक्टूबर के तीसरा सप्ताह, 60 किग्रा नत्रजन/हेक्टर तथा दो सिंचाई बुवाई के 25 और 50 दिन बाद देने पर अधिक उपज प्राप्त होती है।
9	आलू	आलू की फसल में 5 सेमी गहराई के साथ 5 सिंचाई 15-20 दिन के अन्तराल में देने से कुण्ड विधि द्वारा अधिक कन्द उपज शुद्ध लाभ प्राप्त होता है। आलू की खड़ी फसल में रोग दिखाई देते ही पहला छिड़काव मैकोजेब 75 डब्ल्यू.पी.; 2.5 ग्राम प्रति लीटर एवं दूसरा छिड़काव डाइफेनकानाजोल 25 ई.सी.; 0.5 ग्राम प्रति लीटर एवं तीसरा छिड़काव मैकोजेब 75 डब्ल्यू .पी.; 2.5 ग्राम प्रति लीटर एवं दस दिन के अंतराल पर घोल बनाकर छिड़काव करने से प्रभावी नियंत्रण एवं उपज की दृष्टि से प्रभावी पाया गया है। आलू की फसल में मा हू (एफिड) के प्रबंधन के लिए फ्लोनिकामिड 50 WG नामक दवा (3 ग्राम दवा 10 लीटर पानी में) का 15 दिन के अंतराल पर घोल बनाकर दो छिड़काव करने से प्रभावी नियंत्रण एवं उपज की दृष्टि से प्रभावी पाया गया है। आलू की फसल में सफेद मक्खी के प्रबंधन के लिए डायफेन्थियुरोन 50 डब्ल्यू .पी. नामक दवा 350 ग्राम सक्रिय घटक प्रति हेक्टर की दर से 10 दिन के अंतराल पर घोल बनाकर दो छिड़काव करने से प्रभावी नियंत्रण एवं उपज की दृष्टि से प्रभावी पाया गया है। तना उत्तक क्षय रोग के कारण तना एवं पर्णवृत्त काले पड़ने लगते हैं। रोगग्रस्त स्थान से तना कठोर पड़ जाता है और थोड़ा सा जोर लगाने से तना आसानी से टूट जाता है, डालियां मुड़झाने लगती हैं और पौधे सूखने लगते हैं। अतः आलू की खड़ी फसल में तना उत्तक क्षय रोग के लक्षण दिखाई देते ही फिप्रोनिल 5% SC नामक दवा (15 मिलीलीटर दवा 10 लीटर पानी में) या डायफेन्थियुरोन 50 डब्ल्यू .पी. (10 ग्राम दवा 10 लीटर पानी में) का दस दिन के अंतराल पर दो छिड़काव करने से प्रभावी नियंत्रण एवं उपज की दृष्टि से प्रभावी पाया गया है।
10	बारानी क्षेत्र	बारानी क्षेत्रों के लिए गर्मियों में एम.बी. प्लाऊ से गहरी जुताई (3 साल में एक बार) + डिस्क हैरो + कल्टीवेटर एवं रबी में डिस्क हैरो + कल्टीवेटर से जुताई कर सोयाबीन-सरसों फसल प्रणाली के लिए चौड़ी क्यारी एवं कुण्ड विधि में 2 लाईनों में बुवाई (बीबीएफ विधि 2 लाईन) करने से अधिक प्रणाली उत्पादकता, शुद्ध लाभ व लाभ: लागत अनुपात प्राप्त होता है। बारानी क्षेत्रों के लिए सोयाबीन-चना फसल प्रणाली के अन्तर्गत सिफारिश उर्वरक का 50 प्रतिशत अकार्बनिक + 50 प्रतिशत गोबर की खाद के रूप में + 10 किग्रा. सल्फर प्रति हे . देने पर अधिक प्रणाली उत्पादकता, शुद्ध लाभ व लाभ: लागत अनुपात प्राप्त होता है।
11	बैंगन	बैंगन की फसल में सफेद मक्खी नियन्त्रण हेतु रसायन पायरीपरोक्सीन 5 प्रतिशत ई . सी+फेनप्रोफेथ्रीन 15 प्रतिशत ई.सी @ 1 एम. एल प्रति लीटर पानी का छिड़काव 15 दिन के अन्तराल से आवश्यकतानुसार करने पर प्रभावी नियन्त्रण पाया गया है। बैंगन की संकर किस्मों उर्वरक एन .पी.के (200-150-100 किलोग्राम प्रति हे0) एवं पौधों की रोपाई 90x60 सेमी पर करने की सिफारिश की गई। बैंगन में खरपतवार नियंत्रण हेतु रोपण पूर्व पेंडीमिथेलीन 30 ई .सी./1.5 किलोग्राम सक्रिय तत्व प्रति हेक्टर प्रयोग के साथ रोपण के 50 दिन बाद एक निराई गुडाई करें।
12	सन्तरा	सन्तरे में काली मस्सी रोग की रोकथाम हेतु रसायन कार्बन्डाजिम @1 ग्राम प्रति लीटर + इमिडाक्लोप्रिड 17.8 SL @ 0.3 एम. एल प्रति लीटर पानी का छिड़काव 15 दिन के अन्तराल से आवश्यकतानुसार करने पर प्रभावी नियन्त्रण पाया गया।
13	टमाटर	टमाटर में झुलसा रोग नियंत्रण हेतु एजोक्सीस्ट्रोबिन 23 SC @1ml/lit का पर्णाय छिड़काव रोग प्रारम्भ होने पर दो-तीन छिड़काव आवश्यकतानुसार करें।



3.6.4 किसानों के खेत पर आयोजित अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

क्र. सं.	फसल	किस्म	प्रदर्शन संख्या	क्षेत्रफल (है.)	परिणाम (किग्रा / हे०)		प्रतिशत वृद्धि	लागत लाभ अनुपात
					प्रदर्शन	स्थानीय		
रबी 2020-21								
1.	अलसी	प्रताप अलसी-2 (Irrigated)	10	4	1930	1738	10.90	4.6
		कोटा बारानी अलसी 3 कोटा बारानी अलसी 4 कोटा बारानी अलसी 5 (Rainfed)	10	4	1757	1625	8.14	4.8
2.	सरसों	गिरिराज, आर.एच. 725	50	25	2243	1920	17.07	2.62
3.	आलू	कुफरी बहार	9	4.5	3201	2986	7.2	1.95
4.	मसूर	कोटा मसूर-1 (टी.एस.पी.)	5	2	1719	1353	27.15	2.11
		कोटा मसूर-1, कोटा मसूर-3	33	13.2	1785	1384	28.98	2.40
5.	चना	जी.एन.जी.1958	15	15	2388	2009	18.87	3.51
6.	धनियां (एम.आई. डी.एच.)	आर.के.डी. 18	10	7.5	1193.50	1056.00	13.06	—
		कुल	142	75.2				
जायद 2021								
1.	जायद मूंग	आई.पी.एम. 02-03 (टी.एस.पी.)	40	20	1198	921	30.11	1.28
		आई.पी.एम. 02-03	12	4.8	1201	930	29.35	1.23
		कुल	52	24.8				
खरीफ 2021								
1.	सोयाबीन	आर.के.एस.113	20	8	1388	1153	20.50	2.82
		जे.एस. 20-34	10	4	1335	1078	26.02	3.36
2.	सोयाबीन (IWM-SCSP)	जे.एस. 20-34	8	2	876	753	16.33	—
		कुल	38	14				
		सकल कुल	232	114				



3.7 गोष्ठी/कार्यशाला/सेमीनार/वेबीनार/प्रशिक्षण आयोजन

क्र. सं.	दिनांक	विषय	प्रतिभागी संख्या	मुख्य बिन्दु	फोटोग्राफ
1.	10 फरवरी, 2021	बीजीय मसालों की उत्पादन तकनीक	100	बीजीय मसालों के उत्पादन तकनीकों की जानकारी	
2.	22-23 फरवरी, 2021	सरसों उत्पादन तकनीक	20	कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं को सरसों उत्पादन की उन्नत तकनीक की जानकारी	
3.	3-4 मार्च 2021	दलहनी फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक	100	दलहनी फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीकियों की जानकारी	
4.	5 मार्च, 2021	राष्ट्रीय बीज परियोजना अन्तर्गत टी.एस.पी. प्रशिक्षण	24	किशनगंज, शाहबाद क्षेत्र में प्रशिक्षण का आयोजन	
5.	12-13 मार्च, 2021	कृषक जागरूकता कार्यक्रम	50	ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अंतर्गत दो दिवसीय कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन	
6.	10 मार्च, 2021	अल्पदोही फलों की उन्नत उत्पादन तकनीक	30	अखिल भारतीय समन्वित शुष्क क्षेत्र फल परियोजना के अन्तर्गत आदिवासी उपयोजना में फलों की उन्नत उत्पादन तकनीक पर जानकारी	
7.	19 मार्च, 2021	फलों की उन्नत उत्पादन तकनीक	50	अखिल भारतीय समन्वित शुष्क क्षेत्र फल परियोजना के अन्तर्गत आदिवासी उपयोजना में फलों की उन्नत उत्पादन तकनीक पर जानकारी	



क्र. सं.	दिनांक	विषय	प्रतिभागी संख्या	मुख्य बिन्दु	फोटोग्राफ
8.	20 मार्च, 2021	फलों की उन्नत उत्पादन तकनीक	50	अखिल भारतीय समन्वित शुष्क क्षेत्र फल परियोजना के अन्तर्गत आदिवासी उपयोजना में फलों की उन्नत उत्पादन तकनीक पर जानकारी	
9.	11 जून, 2021	वेबीनार : सोयाबीन उत्पादन की प्रभावी उन्नत तकनीकें	1396	सोयाबीन उत्पादन की प्रभावी उन्नत तकनीकों एवं कीट प्रबन्धन इत्यादि की जानकारी	
10	5 दिसम्बर, 2021	राष्ट्रीय वेबीनार : मृदा लवणता प्रबन्धन कर उत्पादकता में वृद्धि	291	विश्व मृदा दिवस के अन्तर्गत मृदा से सम्बन्धित विभिन्न समस्याओं व मृदा स्वास्थ्य की जानकारी	
11	13 दिसम्बर, 2021	रबी दलहन फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक	60	आदिवासी उपयोजना अन्तर्गत मूलार्प परियोजना में एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण व आदान वितरण कार्यक्रम अन्तर्गत रबी दलहन फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक जानकारी	

3.8 जीवंत इकाईयां

1. समेकित कृषि प्रणाली मॉडल इकाई

कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा पर समेकित कृषि प्रणाली परियोजना अन्तर्गत एक समेकित कृषि प्रणाली मॉडल की स्थापना की गई है। इस इकाई का उद्देश्य लघु व सीमांत कृषकों को कम जोत में अधिक उत्पादन एवं आय, रोजगार सृजन, पोषण सुरक्षा, मृदा एवं वातावरण सुरक्षा प्राप्त करने के लिए कृषि से जुड़े विभिन्न आयामों जैसे फसल उत्पादन, बागवानी, पशुपालन एवं इनसे संबंधित पूरक इकाईयों का समावेश कर उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करने के लिए मॉडल विकसित किया गया है। केन्द्र पर स्थापित 1.0 हैक्टेयर मॉडल में फसल उत्पादन (0.45 हे.), अमरूद/नींबू बगीचा+अन्तःशस्य सब्जियाँ (0.30 हे.), गिर गाय, मुरा भैंस व सिरोही बकरी, हरा चारा, केंचुआ इकाई, नाडेप कम्पोस्ट, अजोला इकाई, बायो-गैस इकाई (0.25 हे.) एवं बाउन्ड्री प्लांट्स (सहजन/अरडू/अनार+करौंदा+बेल वाली सब्जियाँ) आदि शामिल है।





2. जैविक और प्राकृतिक खेती मॉडल इकाई

कृषि अनुसंधान केंद्र, कोटा में महर्षि पाराशर कृषि शोध पीठ (MPKSP) के तहत जैविक और प्राकृतिक खेती मॉडल इकाई की स्थापना 2019 में की गई। इस इकाई में प्राकृतिक खेती, तरल खाद और जैव कीटनाशकों यानी जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत, एवं नीम के अर्क के विभिन्न रूपों पर आधारित है। हाडौती क्षेत्र की प्रमुख फसलों के लिए जैविक और प्राकृतिक कृषि मॉड्यूल के विकास पर चल रहे प्रयोगों में, मक्खन दूध, ब्रम्हास्त्र, नीमास्त्र और अग्निस्त्र तैयार किए जा रहे हैं। प्रयोगात्मक कार्य को जारी रखा जा रहा है



मधुमक्खी पालन एवं शहद प्रसंस्करण इकाई

कृषि अनुसंधान केंद्र, कोटा पर मधुमक्खी पालन परियोजना इकाई की स्थापना 2009 में की गई थी। मधुमक्खी पालन पर अनुसंधान के साथ-साथ मधुमक्खी उत्पादकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी प्रदर्शन के लिए इस इकाई का प्रयोग किया जा रहा है। मधुमक्खी पालन करने वालों को शहद प्रोसेसिंग और बॉटलिंग की सुविधा कच्चे शहद पर 5 रु प्रति किग्रा की दर से प्रदान की जाती है जिससे प्रसंस्करण के बाद वे अपने शहद को अच्छे दाम पर बेचते हैं।



3.9 MoUs Signed

- आई.सी.ए.आर. – भारतीय मृदा और जल संरक्षण क्षेत्रीय केंद्र, कोटा संस्थान के साथ सहयोगी शैक्षणिक और अनुसंधान और वैज्ञानिक ज्ञान के आदान-प्रदान पर एक समझौता ज्ञापन।
- महाराणा प्रताप कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क (INFLIBNET), गांधी नगर, और अन्य के साथ भी एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- 2021-22 में, अकादमिक और अनुसंधान के लिए आपसी सहयोग, वैज्ञानिक ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए आई.सी.ए.आर.-आई.आई.एस.आर., इंदौर और कोटा विश्वविद्यालय, कोटा के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।



3.10 अन्य कार्यक्रम / उपलब्धियाँ

1. विश्व मौसम दिवस का आयोजन : 23.03.2021 को कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा पर विश्व मौसम दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर निदेशक अनुसंधान ने कहा कि मौसम के बदलते परिवेश के अनुसार कृषि में आधुनिक तकनीकियों को अपनाने की आवश्यकता है। साथ ही कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान ने कृषि में मौसम आधारित पूर्वानुमानों को कृषक समय पर अपनाकर जोखिम को कम कर सकते हैं।



2. विश्व मधुमक्खी दिवस : 20 मई, 2021
3. कृषि प्रदर्शनी : 26 जनवरी, 2021
4. विश्व मृदा दिवस : 05 दिसम्बर, 2021
5. पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह : अगस्त, 2021



4. प्रसार शिक्षा निदेशालय

प्रसार शिक्षा निदेशालय के अपने कार्यक्षेत्र में किसानों तथा प्रसार कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण, सलाह तथा सूचना द्वारा तकनीकी हस्तान्तरण कर कृषि विकास को बढ़ावा देना प्रमुख जिम्मेदारी है। समूह प्रदर्शन, तकनीक परीक्षण, तथा कौशल विकास प्रशिक्षण द्वारा फसल उत्पादन, फसल सुरक्षा, पोषक तत्व प्रबन्धन, फसल प्रणाली, उद्यानिकी विकास, बंजर भूमि प्रबन्धन, जल प्रबन्धन, यांत्रिकरण, शस्योत्तर प्रबन्धन, मूल्य संवर्धन आदि क्षेत्रों में तकनीकी हस्तान्तरण की मुख्य भूमिका है। प्रसार शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत 06 कृषि विज्ञान केन्द्र कार्यरत हैं जिनका विवरण निम्न प्रकार है :-

4.1 कृषि विज्ञान केन्द्रों की कृषि जलवायु क्षेत्रवार स्थिति

क्र. सं.	कृषि विज्ञान केन्द्र	जिला	कृषि जलवायु क्षेत्र	कुल भूमि (हे.)	कृषि योग्य (हे.)	अन्य (हे.)
1.	कोटा	कोटा	खण्ड V (आद्र दक्षिण-पूर्वी मैदानी क्षेत्र)	44.00	30.50	13.50
2.	अन्ता	बारां	खण्ड V (आद्र दक्षिण-पूर्वी मैदानी क्षेत्र)	13.84	8.50	5.34
3.	बून्दी	बून्दी	खण्ड V (आद्र दक्षिण-पूर्वी मैदानी क्षेत्र)	31.43	29.43	2.00
4.	झालावाड़	झालावाड़	खण्ड V (आद्र दक्षिण-पूर्वी मैदानी क्षेत्र)	22.06	14.20	7.86
5.	सवाई माधोपुर	सवाई माधोपुर	खण्ड -III बी (बाढ़ प्रभावित पूर्वी मैदानी क्षेत्र)	16.50	11.50	5.00
6.	हिण्डोान	करौली	खण्ड -III बी (बाढ़ प्रभावित पूर्वी मैदानी क्षेत्र)	20.25	11.75	8.50
कुलयोग				148.08	105.88	42.20



4.2 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर स्थित जीवन्त/मॉडल प्रदर्शन इकाइयाँ

विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर "करो और सीखो" एवं "देखो और विश्वास करो" के सिद्धान्त के आधार पर विभिन्न जीवन्त, प्रदर्शन व मॉडल इकाई स्थापित हैं जो कि विभिन्न कौशल एवं रोजगारोन्मुखी आधारित प्रशिक्षणों में ज्ञान व कौशल वृद्धि हेतु काम आती हैं जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र. सं.	कृषि विज्ञान केन्द्र	जीवन्त / मॉडल प्रदर्शन इकाई
1	कोटा	दलहन सीड हब, तिलहन (सरसों) सीड हब, सिरोही बकरी इकाई, वर्मीकम्पोस्ट इकाई, ट्राईकोडर्मा इकाई, खाद्य प्रसंस्करण एवम् मूल्यसंवर्धन इकाई, मॉडल नर्सरी इकाई, मॉडल डेयरी इकाई, अजोला इकाई, मदर ऑर्चर्ड
2	अन्ता (बाराँ)	नर्सरी इकाई, वर्मी कम्पोस्ट इकाई, पॉल्ट्री इकाई, फार्म इकाई, मातृ फल-वृक्ष उद्यान, मधु-मक्खी पालन, पोषण वाटिका, अजोला उत्पादन, मृदा परीक्षण प्रयोगशाला, खाद्य प्रसंस्करण
3	बून्दी	मातृ बगीचा, मॉडल नर्सरी, वर्मी कम्पोस्ट, डेयरी इकाई, बकरी पालन इकाई, अजोला उत्पादन इकाई, नेपीयर इकाई, मृदा परीक्षण, न्यूट्री गार्डन इकाई, फार्म पोण्ड, बीज उत्पादन इकाई/सीड हब, मुर्गी पालन इकाई
4	झालावाड़	वर्मीकम्पोस्ट इकाई, अजोला, पादप रोग निदान इकाई, मॉडल नर्सरी, मातृ फल वृक्ष उद्यान, फसल केफेटेरिया, पोषण वाटिका (न्यूट्री-गार्डन), म्यूजियम गैलेरी, नेपीयर घास इकाई, फार्म पोण्ड इकाई, प्राकृतिक तालाब, दलहन बीज केन्द्र, मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला, वेस्ट डिकम्पोजर इकाई, निर्देशात्मक फार्म, स्वचलित मौसम केन्द्र इकाई
5	सवाईमाधोपुर	वर्मीकम्पोस्ट एवं वर्मीवाश इकाई, नर्सरी, सूक्ष्म सिंचाई पद्धति, मृदा परीक्षण प्रयोगशाला, वर्षा जल संग्रहण, अजोला, सुपर व नाडेप कम्पोस्ट, पौध स्वास्थ्य क्लिनिक, स्वचालित मौसम इकाई, खेत तलाई, अमरुद बगीचा, नेपीयर घास इकाई
6	हिण्डौन (करौली)	वर्मी कम्पोस्ट, नर्सरी, फल बगीचा -अमरुद (एल-49), बेर (गोला), नीबू (कागजी), ब्रोकली प्रदर्शन, अजोला, मृदा एवं जल प्रयोगशाला, पादप स्वास्थ्य क्लिनिक, बकरी इकाई, यंत्र शाला





4.3. प्रमुख प्रसार गतिविधियाँ

4.3.1 प्रशिक्षण कार्यक्रम विवरण

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कुल 273 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें कुल 9264 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन प्रशिक्षणों में 8227 कृषक एवं कृषक महिलाओं हेतु 91 संस्थागत, 110 असंस्थागत एवं 42 अन्य प्रशिक्षण आयोजित किये गये। इसी प्रकार 473 ग्रामीण युवाओं हेतु 18 प्रशिक्षण तथा 564 प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु 12 प्रशिक्षण आयोजित किये गये। जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	कृषक एवं कृषक महिला प्रशिक्षण						ग्रामीण युवा प्रशिक्षण		प्रसार कार्य कर्ता प्रशिक्षण		कुल योग	
	संस्थागत		असंस्थागत		अन्य							
	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	प्रशिक्षण	प्रतिभागी
कोटा	19	513	25	705	0	0	8	250	3	66	55	1534
अन्ता(बारा)	28	802	26	885	5	168	1	18	3	78	63	1951
बून्दी	15	357	09	161	2	60	4	67	1	35	31	680
झालावाड़	09	903	06	286	07	524	02	52	03	315	27	2080
सवाई माधोपुर	12	271	29	520	10	404	2	60	0	0	53	1255
हिण्डौन (करौली)	08	200	15	481	18	987	01	26	02	70	44	1764
कुल योग	91	3046	110	3038	42	2143	18	473	12	564	273	9264





4.3.2 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन विवरण (दलहन, तिलहन, खाद्यान्न, उद्यानिकी, पशुपालन व अन्य) रबी 2020-21 एवं खरीफ 2021

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा रबी 2020-21 एवं खरीफ 2021 में 2148 प्रदर्शन दलहन, तिलहन, खाद्यान्न, मसालों, उद्यानिकी एवं पशुपालन पर उन्नत तकनीकी के प्रसारण हेतु किसानों के खेतों पर लगाये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	फसल	किस्म	प्रदर्शन संख्या	क्षेत्र (हे०)	औसत पैदावार (किग्रा/ हे०)		उपज वृद्धि प्रतिशत	लागत लाभ अनुपात
					प्रदर्शन	स्थानीय		
कोटा	रबी 2020-21							
	सरसों	गिरिराज	125	50	2007	1762	13.90	4.29
	चना	जी.एन.जी. 1958	50	20	2353	1932	21.79	4.89
	गेहूँ	राज. 4079	30	12	5187	4707	10.19	2.42
	खरीफ-2021							
	उड़द	प्रताप उड़द 1	50	20	759	621	22.22	1.92
	सोयाबीन	जे.एस. 20-34	60	30	1666	1371	21.51	3.03
कुल योग			315	132				
अन्ता (बारों)	रबी 2020-21							
	लहसुन	जी-282	40	4	6675	5233	21.60	2.26
	सरसों	गिरिराज	75	30	2216	1725	22.18	2.74
	चना	जीएनजी-1958	50	20	2430	1825	11.04	2.01
	गेहूँ	राज 4079	15	5	5230	4780	9.41	1.98
	खरीफ-2021							
	सोयाबीन	जेएस 20-34	75	30	1618	1240	23.36	1.64
	उड़द	पीयू-1	50	20	684	529	22.64	1.80
	तिल	आरटी346	20	10	278	196	41.83	1.20
कुल योग			325	119				



वार्षिक प्रतिवेदन 2021

बून्दी	रबी 2020-21							
	सरसों	डी.आर.एम.आर-आई.जे 31	110	88	2006	1739	15.35	4.31
	चना	जी.एन.जी.-1958	25	10	2345	2027	15.68	3.87
	खरीफ-2021							
	सोयाबीन	जे.एस. 20-34	40	20	907	648	20.53	1.69
	कुल योग		175	118				
झालावाड़	रबी 2020-21							
	सरसों	डीआरएमआर आईजे-31 (गिरिराज)	282	113	1810	1296	40.40	3.94
	चना	जीएनजी-1958	50	20	2000	1462	37.38	4.23
	धनियॉ	आरकेडी-18	10	5	894	1056	13.06	3.39
	चना	जीएनजी-1958	29	20	1706	1501	13.66	4.05
	खरीफ-2021							
	सोयाबीन	जेएस 20 34	40	20	712	463	54.41	2.12
	उड़द	मुकुन्दरा उड़द-2	40	20	301	205	45.64	1.93
		कुल योग		451	198			
	सवाई माधोपुर	रबी 2020-21						
चना		जी.एन.जी.-2144	25	10	2085	1665	19.87	3.82
सरसों		आई.जे. - 31	243	193	2117	1675	26.57	4.20
गेहूँ		राज 4238	25	10	462	407	13.59	2.72
गेहूँ		राज 4238	30	30	2663	3796	29.49	1.84
खरीफ-2021								
सोयाबीन		जे.एस. -20-34	10	25	1482	1228	20.73	1.26
तिल		आर.टी. -351	10	25	375	290	37.21	1.74
उड़द		पी.यू.-1	10	20	511	366	39.45	1.73
अन्य प्रदर्शन								
ग्रीष्मकालीन मूंग		आई.पी.एम. 205-7	50	20	502	395	29.02	1.86
जई चारा		जे.एच.ओ. 822	30	03	376	272	38.23	2.12
पपीता		रेड लेडी	25	01	4652	4382	8.44	2.30
		कुल योग		458	337			
हिण्डौन (करौली)		रबी 2020-21						
	चना	सी.एस.जे. 515	25	10	2155	1720	25.30	3.27
	सरसों	आर.एच.725	136	68	2580	2150	20.0	4.08
	गेहूँ	एच.डी.2967	06	2.4	6240	5860	6.48	3.37
	गेहूँ	एच.डी.3086	05	2.0	6180	5860	5.46	3.33
	जौ	आर.डी.2907	11	2.75	6350	5505	15.35	2.79
	बरसीम	बी.एल. 22	20	2.0	380	307	23.77	3.21
	रिजका	चेतक	20	2.0	537	414	29.71	4.33
	जई	जे.एच.ओ. 99-2	20	2.0	345	292	18.15	3.38
	खरीफ-2021							
	उड़द	प्रताप उड़द 1	60	24	610	510	19.61	1.76
	तिल	आर.टी.	91	36.40	580	475	22.11	2.60
	बाजरा	एच.एच.बी.299	30	12	2820	2410	17.01	3.65
		कुल योग		424	163.55			
कुल महायोग			2148	1057.55				



वार्षिक प्रतिवेदन 2021





4.3.3 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (दलहन, तिलहन, खाद्यान्न, उद्यानिकी, पशुपालन व अन्य)

रबी 2021-22

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा वर्तमान रबी 2021-22 में 2227 प्रदर्शन दलहन, तिलहन, खाद्यान्न, मसाले, उद्यानिकी एवं पशुपालन पर उन्नत तकनीकी के प्रसारण हेतु किसानों के खेतों पर लगाये गये हैं जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	फसल	किस्म	प्रदर्शन संख्या	क्षेत्र (हे०)
कोटा	सरसों	गिरिराज	50	20
	चना	जी.एन.जी. 2171	50	20
अन्ता (बारों)	लहसुन	जी-282	24	10
	सरसों	गिरिराज	250	100
	चना	जीएनजी-	62	25
	गेहूँ	राज 4079	5	2
	धनिया	आर.के.डी. 18	20	10
	मेथी	आर.एम.टी. 351	12	5
	टमाटर	अर्कारक्षक	15	3
	प्याज	एन-3	15	3
	मिर्च	के-2	15	3
	बून्दी	चना	जी.एन.जी.-1958	50
सरसों		गिरिराज	50	20
झालावाड़	सरसों	गिरिराज	50	20
	चना	जीएनजी-1958	50	20
	गेहूँ	राज-4037	29	20
सवाई माधोपुर	सरसों	आई.जे. 31	25	10
	चना	जी.एन.जी. 1944	50	20
	गेहूँ	राज 4238	50	20
हिण्डौन (करौली)	सरसों	आर.एच.725	110	44
	सरसों	पी.एम.30	25	6.25
	चना	सी.एस.जे. 515	25	10
	गेहूँ	एच.डी.2967	25	10
	गेहूँ	एच.डी.3086	25	10
	गेहूँ	एच.डी.3237	12	5
	गेहूँ	डी.बी.डबल्यू. 303	02	1
	गेहूँ	डी.बी.डबल्यू. 222	07	3
	गेहूँ	एच.डी.3298	10	4
	गेहूँ	राज. 4238	60	24
	जैविक खेती (गेहूँ)	राज 4238	40	20
	जौ	डी.डबल्यू.आर.बी.137	11	3.75
	गाजर	पूसा रूधिरा	51	4
	रिजका	चेतक	16	2.5
	बरसीम	बी.एल 2	20	3
	जई	जे.एच.ओ 99-2	20	4



	मकखन घास	लोलियम 5	30	3
	नेपियर हाइब्रिड बाजरा	सी. ओ. 4	30	10
	फूल गोभी	पूसा मेघना	08	1
	फूल गोभी	पूसा कार्तिक संकर	08	1
	बेर बगीचा	गोला	08	2
	अमरुद बगीचा	एल.49	08	3
	किचन गार्डन		200	1
	अन्य प्रदर्शन			
	मुर्गी	कडकनाथ	400	—
	बकरी	सिरोही	20	—
	कुट्टी कटाई मशीन		12	—
	भूसा छनाई मशीन		12	—
	वर्मीकम्पोस्ट		20	—
	अजोला		20	—
कोटा	न्यूट्रीगार्डन		30	—
	पशु नांद		10	—
	चाफ कटर		10	—
	भण्डारण कोठी		70	—
	कुल योग		2227	526.50

4.3.4 प्रक्षेत्र अनुसन्धान परीक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	ओ.एफ.टी. विवरण	परिणाम संस्तुति (Final Recommendation)
कोटा	प्याज में किस्मों का आंकलन	प्याज की एन-53 के साथ एग्रीफाउण्ड डार्क रेड तथा लाइन- 883 किस्मों का आंकलन किया गया जिसमें किसान द्वारा उगाई जा रही किस्म की अपेक्षा लाइन - 883 (32 .24) प्रतिशत तथा एग्री फाउण्ड डार्क रेड (28.80) प्रतिशत अधिक उत्पादन पाया गया।
	सोयाबीन में चारकोल रॉट का प्रबंधन	सोयाबीन में पेनफ्लूफेन प्लस ट्राईफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 38 एफ . एस. दर 1 मिली प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार तथा आवश्यकतानुसार पायराक्लोस्ट्रोबिन प्लस इपोक्सीकोनाजोल दर 1.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी के घोल का छिडकाव (15 दिन के अन्तराल पर) करने पर प्रतिशत रोग सघनता में कमी तथा उत्पादन में किसान द्वारा अपनायी जा रही तकनीक की अपेक्षा 24.60 प्रतिशत वृद्धि पायी गयी।
अन्ता-बारां	पपीता में रोपण समय का मूल्यांकन	मई का दूसरा पखवाड़ा में रोपण करने से फलाव नीचे से शुरू होता है तथा लागत अनुपात में 6.30 की वृद्धि होती है।
	गेंहूँ बुआई तरीकों का मूल्यांकन	मूल्यांकन (नवम्बर के प्रथम सप्ताह में सूखे में बुआई-बीज दर 125 किलो/हे.) से 55 क्विंटल गेंहूँ व 79 क्विंटल भूसा की प्राप्ति होती है।
	लौकी के विभिन्न सधाई पद्धति का मूल्यांकन	पंडाल विधि से लौकी की सधाई करने से 8.56 से लागत अनुपात में वृद्धि होती है।



बून्दी	मक्का में फॉल्स आर्मी वॉर्म कीट का प्रबन्धन	इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एस .जी. का 200ग्राम प्रति हे0 की दर से छिड़काव उपयुक्त पाया गया।
	टमाटर किस्मों का मूल्यांकन	किस्म अर्का रक्षक अच्छी पायी गयी।
झालावाड़	गेहूँ की नई किस्मों का आंकलन	राज-4120 किस्म अच्छी पायी गयी।
	चने की किस्मों का आंकलन	जीएनजी-1581 (गणगौर) किस्म अच्छी पायी गयी।
	टमाटर की संकर किस्मों का आंकलन	संकर अर्का रक्षक किस्म अच्छी पायी गयी।
	चने में जड़ गलन का प्रबंधन	बुवाई एवं बीजोपचार के 7 दिन पहले ट्राईकोडर्मा विरिडी 2.5 किग्रा/हेक्टयर की दर से 25 किग्रा. वर्मीकम्पोस्ट में मिलाकर मृदा उपचार सबसे अच्छा पाया गया।
	सोयाबीन में पोषक तत्व प्रबंधन	राइजोबियम + पी .एस.बी. कल्चर के साथ बीजोपचार + अनुशंसित सल्फर (30 किग्रा/हे.) + लोहा (फेरस सल्फेट 25 किग्रा/हे . की दर से) + बोरोन (बोरेक्स 5 किग्रा/हे . की दर से) मिट्टी के अनुप्रयोग के रूप में + फूल अवस्था में 0.5 प्रतिशत फेरस सल्फेट का पर्णीय अनुप्रयोग सबसे अच्छा पाया गया।
	संतरे में सूक्ष्म पोषक तत्वों का प्रबंधन	अनुशंसित लोहा (फेरस सल्फेट 200 ग्राम/पौधा) मृदा अनुप्रयोग + ताँबा (कॉपर सल्फेट 100 ग्राम/पौधा) मृदा अनुप्रयोग + मैंगनीज (मैंगनीज सल्फेट 200 ग्राम/पौधा) मृदा अनुप्रयोग के रूप में + जिंक सल्फेट 0.5 प्रतिशत का पर्णीय अनुप्रयोग + फलावस्था पर बोरेक्स 0.2 प्रतिशत का पर्णीय अनुप्रयोग सबसे अच्छा पाया गया।
	गेहूँ में जिंक पोषक तत्व प्रबंधन	अनुशंसित जस्ता (जिंक सल्फेट 12.5 किग्रा/हे. की दर से) मृदा अनुप्रयोग + फूल/बाली/दाना बनते समय जिंक सल्फेट 0.5 प्रतिशत का पर्णीय छिड़काव सबसे अच्छा पाया गया।
सवाई माधोपुर	गेहूँ में घुलनशील जैव उर्वरक की बीज उपचार हेतु सिफारिश का आंकलन	जलीय घुलनशील जैव उर्वरक (एजोटोबेक्टर पी एस बी) 3 मिली प्रति किलो बीज
हिण्डौन (करौली)	सरसों की फसल में परजीवी खरपतवार औरोंबंकी (ब्रूम टेप) का प्रबंधन	चौधरी चरन सिंह कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व एस.के.आर.ए.यू. बीकानेर की तकनीकी ग्लार्इपोसेट 41 प्रतिशत एस.एल. का 62 5 मि.ली. प्रति हेक्टयर की दर से 25-30 दिन तथा 125 मि.ली. प्रति हेक्टयर की दर से 50 दिन पर पर्णीय छिड़काव का आकलन किया गया परिणामस्वरूप 16 .53 प्रतिशत अधिक उपज प्राप्त हुई तथा लाभ लागत अनुपात 3.25:2.81 रहा।
	संकर गायों में थनेला रोग का प्रबंधन	संकर गायों में राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान,करनाल की तकनीकी "दूध निकालने से पूर्व अयन को पोटेसियम परमैंगनेट (लाल दवा) से धोना एवं पोविडीन आयोडीन के एक प्रतिशत घोल से गाय का दूध निकालने के पश्चात् थनों को धोना" का आकलन किया गया परिणामस्वरूप 6.14 प्रतिशत अधिक दुग्ध उत्पादन प्राप्त हुआ तथा लाभ लागत अनुपात 1.61:1.43 रहा।
	सतावरी पाउडर का भैंसों के दुग्ध उत्पादन पर प्रभाव का आंकलन	राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान,करनाल की तकनीकी सतावरी पाउडर का भैंसों के दुग्ध उत्पादन पर प्रभाव का आकलन अध्ययन किया गया। जिसके तहत 2-3 माह की ब्याई हुई 7.60 से 7.80 लीटर औसत प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन क्षमता वाली 20 भैंसों का चयन किया गया तथा 120 दिन का अध्ययन काल रखा गया,परिणामस्वरूप दुग्ध उत्पादन में 21.05 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ प्रतिदिन प्रति पशु शुद्ध आय रुपये 174.60 पाई गई तथा लाभ लागत अनुपात 1.59 : 1.90 रहा।



4.3.5 अन्य प्रसार गतिविधियाँ

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विभिन्न प्रसार गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें कुल 3 5 6 4 1 लाभार्थी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र. सं.	प्रसार गतिविधियों विवरण	कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम													
		कोटा		बून्दी		बारां		झालावाड़		सवाई माधोपुर		करौली		कुल योग	
		संख्या	प्रतिभागी	संख्या	प्रतिभागी	संख्या	प्रतिभागी	संख्या	प्रतिभागी	संख्या	प्रतिभागी	संख्या	प्रतिभागी	संख्या	प्रतिभागी
1	कृषि विज्ञान मेला / किसान मेला	1	421	0	0	1	145	0	0	0	0	00	00	2	566
2	प्रक्षेत्र दिवस	7	443	3	166	5	285	5	270	6	446	13	475	39	2085
3	प्रदर्शनी	3	1170	0	0	1	40	0	0	1	110	00	00	5	1320
4	वैज्ञानिकों का कृषक क्षेत्र पर भ्रमण	26	198	32	323	50	524	67	672	28	279	69	648	272	2644
5	कृषि तकनीकी फिल्म शो	0	0	1	48	1	35	02	110	04	128	00	00	8	321
6	किसानों का केवीके पर भ्रमण	0	1834	0	1252	0	2423	0	2652	0	410	00	1357	0	9928
7	टेलीफोन / मोबाईल सलाह	0	1820	0	1713	0	2184	0	2818	0	215	00	90	0	8840
8	सोशियल मीडिया ग्रुप	1	32	0	0	5	2178	15	485	0	0	00	00	15	2695
9	प्रेस न्यूज कवरेज प्रकाशित	172	—	27	—	53	—	129	—	29	—	49	—	459	—
10	कृषक गोष्ठी	4	378	4	255	7	316	06	458	4	135	03	189	28	1731
11	प्रमुख दिवसों का आयोजन (कृषि शिक्षा, महिला कृषक, विश्व मृदा, गणतंत्र, राष्ट्रीय विज्ञान, अन्तर्राष्ट्रीय महिला, विश्व जल, विश्व मधुमक्खी, विश्व दुग्ध, विश्व पर्यावरण, अन्तर्राष्ट्रीय योग, भा.कृ.अनु.प. स्थापना, स्वतंत्रता, विश्व आदिवासी, विश्व खाद्य, राष्ट्रीय किसान, राष्ट्रीय उपभोक्ता एवं विश्व मौसम विज्ञान दिवस)	16	1649	9	324	8	260	14	984	7	275	13	557	67	4049
12	अन्य प्रसार कार्यक्रम	8	205	4	137	3	77	6	411	5	355	7	277	33	1462
	कुल योग	238	8150	80	4218	129	8467	244	8860	84	2353	154	3593	928	35641





4.3.6 वैज्ञानिक सलाहकार समिति

सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर प्रतिवर्ष वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। इन बैठकों में गत वर्ष में किये गये कार्यों का प्रतिवेदन तथा आगामी वर्ष की कार्य योजना सभी सदस्यों के सुझावों का समावेश करते हुए तैयार की गयी। वर्ष 2021 में आयोजित की गई वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठकों का विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र. सं.	कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	दिनांक	एस.ए.सी. बैठक का संक्षिप्त विवरण
1.	कोटा	16 नवम्बर, 2021	<p>कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा की 28वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक प्रो. डी. सी. जोशी, कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें जिले के विभिन्न विभागों – कृषि, उद्यान, पशुपालन, नाबार्ड, कृषक उत्पादक संगठन, प्रगतिशील कृषकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रो. डी. सी. जोशी, कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने बताया कि युवाओं को कृषि उद्यमी बनाने के लिए केन्द्र को खाद्य प्रसंस्करण, मशरूम उत्पादन, मधु मक्खीपालन, डेयरी फार्मिंग, सब्जी उत्पादन आदि पर और अधिक कौशल विकास प्रशिक्षण किये जाने की आवश्यकता है। प्रो. जोशी ने अनुसंधान एवं प्रसार वैज्ञानिकों की इन्टरफेस आयोजित करने तथा कोटा संभाग में मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु केन्द्र पर एक मॉडल मशरूम उत्पादन इकाई की स्थापित की जाने की आवश्यकता बताई।</p> <p>कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एस. के. सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-अटारी, जोधपुर ने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्रों को लघु एवं सीमान्त किसानों की आजीविका को स्थायित्व प्रदान करने के लिए तकनीकी मॉडल विकसित कर प्रदर्शन किये जाने की आवश्यकता है। देश के करोड़ों लोगों की पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए न्यूट्री स्मार्ट विलेज बनाये जाने की आवश्यकता है तथा बायो फोर्टीफाईड किस्मों के उत्पादन को बढ़ावा देना चाहिए।</p> <p>डॉ. एस. के. जैन निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने बताया कि किसानों को उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध कराने के लिए बीज उत्पादन को बढ़ावा तथा तकनीकी उत्पाद जैसे ट्राईकोडर्मा, वर्मीकल्चर, वेस्ट डी-कम्पोजर आदि का उत्पादन बढ़ा कर किसानों को उपलब्ध कराया जाये।</p>



2	अन्ता (बाराँ)	06 अक्टूबर, 2021	<p>वैज्ञानिक सलाहकार समिति द्वारा दिये गये सुझाव निम्न प्रकार है :-</p> <p>कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता पर सभी प्रकार की प्रदर्शन इकाई होनी चाहिए इसके अलावा खेती व्यवसाय परख करने हेतु पशुपालन, मूर्गीपालन, सब्जी उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, किसान उत्पादक संगठन व कृषि के कुटीर धन्धों की आवश्यकता के साथ युवाओं को व्यवसाय में ऑन लाईन माध्यम जैसे जीवो मार्ट, अमेजन, फिलप कार्ड में जोड़ने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया। मानव जीवन को स्वस्थ रहने के लिये केन्द्र के फार्म पर भी जैविक खेती का प्रदर्शन इकाई होना चाहिए।</p>
3	बून्दी	04 अक्टूबर, 2021	<p>कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की 28वीं बैठक प्रो. डी.सी. जोशी, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। जिसमें सदस्यों के प्रमुख सुझाव निम्न प्रकार हैं :-</p> <ul style="list-style-type: none">● नवाचार कार्य को किसानों के बीच पहुंचाकर कृषकों की समस्या का निराकरण कर लागत कम कर उत्पादन बढ़ाने पर बल दिया जाये। नई फसलों के उत्पादन लेने के साथ ही अन्य पूरक व्यवसाय जोड़कर आय बढ़ाने पर जोर दिया जाये।● केन्द्र पर सभी विषयों की आधुनिक मॉडल इकाई बनाकर तकनीकी एवं गुणवत्ता पर जोर दिया जाये।● ग्रामीण महिलाओं को पोषक तत्व की उपलब्धता बढ़ाने के लिए वर्षभर पोषण वाटिका लगाने के लिए मॉडल तैयार कर बताया जाये।● एक जिला एक उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए किसानों के खेत पर इकाई की स्थापना कर मूल्य संवर्धन के लिए प्रोत्साहित किया जाये।● कृषकों के बीच केन्द्र की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिए नर्सरी में फलदार पौधों की अच्छी किस्म के पौधे तैयार करने के लिए मूल वृत्त को बढ़ावा देकर ग्रापटेड पौधे तैयार किये जायें।● सूचना एवं प्रौद्योगिकी तकनीक का उपयोग कर किसानों की समस्या का वैज्ञानिकों द्वारा समाधान कर सुझाव प्रदान किये जाये।● खरीफ ऋतु में किसानों के साथ मिलकर सीड हब के लक्ष्य को पूरा करने के लिए अधिक से अधिक बीज उत्पादन किया जाये।● सब्जी उत्कृष्टता केन्द्र, बून्दी के सहयोग से जिले में हाइटेक सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाये।● केन्द्र पर जैविक खेती इकाई स्थापित की जावे एवं फूलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रदर्शन इकाई भी लगाई जाये। बीजू पौधों के उत्पादन कम कर ग्रापटेड पौधे तैयार करने पर अधिक जोर दिया जाये।● बून्दी जिले के किसानों के लिए समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल बनाकर उपलब्ध कराया जाये।● केन्द्र की वेबसाइट पर आंकड़ों का समय-समय पर नवीनीकरण किया जावे।● जिले में जैविक खेती में समन्वित प्रबन्धन तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए अण्डपरजीवी ट्राइकोग्रामा कार्ड एवं जैविक फफूंदीनाशक ट्राइकोडरमा के प्रयोग के बारे में किसानों को जागरूक किया जाये।● जिले में सोयाबीन की लगातार घट रहे क्षेत्रफल एवं उत्पादकता के कारणों का विश्लेषण किया जावे।



4	झालावाड़	23 अक्टूबर, 2021	<p>कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ की वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक प्रो. डी.सी. जोशी, माननीय कुलपति महोदय, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। समिति बैठक में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. डी. सी. जोशी ने केन्द्र द्वारा किये जा रहे कार्यों एवं उन्हें सुदृढ़ बनाने हेतु किये जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि केन्द्र के सभी वैज्ञानिक एक टीम भावना से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि झालावाड़ जिला कृषि एवं उद्यानिकी के परिपेक्ष में काफी सम्पन्न क्षेत्र है इस हेतु केन्द्र द्वारा सब्जियों के बीज उत्पादन कार्यक्रम शुरू कर किसानों को सब्जी उत्पादन के लिए प्रेरित करें। तथा केन्द्र द्वारा जिले में कुछ गावों को अभिग्रहित कर जिले की कुछ प्रमुख फसलों को लेकर वैज्ञानिक तौर पर खेती कर किसानों को नई तकनीक का परिणाम दिखाएं। उन्होंने यह भी कहा कि संतरा तुड़ाई के कारण किसानों को हो रही हानि से बचने के लिए जिले के श्रमिकों को कुशल श्रमिक के तौर पर प्रशिक्षण दिये जाए। जिले के संतरा उत्पादक किसानों को केन्द्रीय नीबूवर्गीय फल अनुसंधान संस्थान, नागपुर का भ्रमण करवाकर वहां की उन्नत तकनीक के बारे में अवगत करवायें तथा काली मस्सी से हो रहे नुकसान से बचने के उपाय सुझाएं। साथ ही यह भी कहा कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित कृषि की नई योजनाओं को चार्ट, व्हॉट्सप समूह इत्यादि के माध्यम से कृषकों तक पहुँचाए जिससे कृषक उसका लाभ उठा सकें।</p> <p>प्रो. एस.के. जैन, निदेशक प्रसार शिक्षा, प्रसार शिक्षा निदेशालय ने कहा कि केन्द्र पर किए जाने वाले प्रशिक्षणों को प्रायोगिक रूप में ढाला जाए एवं रावे विद्यार्थियों का कार्य पंचांग तैयार कर उसके आधार पर प्रशिक्षित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि समन्वित कृषि प्रणाली का एक आदर्श मॉडल तैयार किया जाए एवं आर्या में प्रशिक्षित प्रशिक्षणार्थियों के सफल मॉडल को अन्य किसानों में प्रचलित किया जाए जिससे अन्य किसान भी वह मॉडल अपनाकर अधिक आय कमा सकें।</p> <p>कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. आई. बी. मोर्य, अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय ने सुझाव दिया कि केन्द्र द्वारा संजना की उन्नत उत्पादन तकनीकी पर प्रशिक्षण देकर जिले में संजना उत्पादन को बढ़ावा दिया जाए जिससे पशुओं को पोषणयुक्त चारा मिल पाए। केन्द्र पर सब्जियों की पौध तैयार कर कृषकों को उपलब्ध कराई जाए तथा कुछ प्रगतिशील कृषकों को सब्जी बीज उत्पादन में प्रशिक्षित कर बीज उत्पादन कार्यक्रम पर जोर दिया जाना चाहिए।</p>
5	सवाई माधोपुर	18 नवम्बर, 2021	<p>कुलपति प्रोफेसर डी.सी. जोशी, निदेशक अटारी, जोधपुर डॉ. एस.के. सिंह की अध्यक्षता में वर्चुअल माध्यम से तथा निदेशक, प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा डॉ. एस.के. जैन की उपस्थिति में किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष ने गत वर्ष की वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक सुझावों पर किये गये कार्यवाही तथा केन्द्र का जनवरी 2021 से नवम्बर 2021 तक का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।</p>
6	हिण्डौन करौली	29 नवम्बर, 2021	<p>केन्द्र की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक कुलपति प्रोफेसर डी.सी.जोशी, कृषि विश्वविद्यालय कोटा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में प्रोफेसर एस.के.जैन, निदेशक प्रसार शिक्षा, डा.पी.पी. रोहिल्ला, प्रधान वैज्ञानिक, अटारी जोधपुर, देशराज सिंह, सयुक्त निदेशक कृषि खण्ड-भरतपुर, जिला वन अधिकारी एवं विभिन्न राजकीय विभागों, प्रगतिशील कृषकों व केन्द्र के वैज्ञानिकों सहित कुल 32 सदस्यों ने भाग लिया।</p>



4.3.7 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर संचालित परियोजनाएँ

आर्या परियोजना (ARYA)

यह परियोजना भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी एवं झालावाड़ पर स्वीकृत की गई है। जिसके अन्तर्गत ग्रामीण युवाओं को पौधशाला प्रबन्धन, संरक्षित खेती, केचुआ खाद, मधुमक्खी पालन, कुक्कुट पालन, बकरी पालन एवं प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन में कौशल विकास हेतु प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि युवा कृषक अपना व्यवसाय अपनाकर स्वरोजगार को बढ़ावा मिल सके।

जिला कृषि मौसम वेधशाला इकाई (DAMU)

भारतीय मौसम विभाग द्वारा वर्ष 2018-19 में कृषि विज्ञान केन्द्र अन्ता (बारां) एवं हिण्डौन (करौली) में कृषि मौसम वेधशाला इकाई स्थापित करने की स्वीकृति दी गई एवं वर्ष 2020-21 में कृषि विज्ञान केन्द्र बून्दी, झालावाड़ एवं सवाईमाधोपुर में स्वीकृति प्राप्त हुई। प्रत्येक इकाई में एक-एक पद मौसम विज्ञान विषय विशेषज्ञ एवं एग्रोमेट ऑब्जरवर के स्वीकृत किये गये। इन इकाई द्वारा मौसम की भविष्य वाणी एवं मौसम परिवर्तन अनुसार फसलों, उद्यानिकी एवं पशुओं के लिए आवश्यक किये जाने वाले कार्यों की सूचना ब्लॉक स्तर पर किसानों को दी जाती है।

भारतीय कृषि कौशल परिषद (ASCI) द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 2021 में कौशल दक्षता उन्नयन के 200 घण्टे/25 दिवसीय अवधि के 05 प्रशिक्षण विश्वविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा नर्सरी वर्कर, क्वालिटी सीड ग्रोवर, स्माल पोल्ट्री फार्मर, मशरूम वर्कर व ऑर्गेनिक ग्रोवर, विषयों पर आयोजित करके 125 युवाओं को प्रशिक्षित किया गया ताकि वो स्वयं का व्यवसाय प्रारम्भ कर आत्म निर्भर बन सकें।

दलहन/तिलहन बीज हब

दलहनों के उन्नत बीज के उत्पादन बढ़ाने के लिये भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने 1.5 करोड़ रुपये के बजट प्रावधान के साथ तीन दलहन बीज केन्द्र कोटा, बून्दी एवं झालावाड़ कृषि विज्ञान केन्द्र पर वर्ष 2017-18 में स्वीकृति के तहत स्थापित की गयीं। इन प्रत्येक दलहन बीज केन्द्रों पर दलहन बीज उत्पादित करने हेतु खरीफ में उड़द, मूंग एवं रबी में चना एवं मसूर का प्रमाणित/आधार/प्रजनक उत्पादित कर किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध करवाया गया। इसी प्रकार कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा पर तिलहन अन्तर्गत सरसों बीज हब कार्यरत है जिसके अन्तर्गत सरसों का आधार व प्रमाणित बीज उत्पादित कर कृषक समुदाय को उन्नत किस्म का बीज उपलब्ध करवाया जा रहा है।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा, बून्दी एवं हिण्डौन (करौली) पर सिरोही बकरी परियोजना तथा कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा पर सहजना परियोजना कार्यरत है।



इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापना

वर्ष 2021 में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा पर धनिया, लहसुन प्रसंस्करण एवं बेकरी उत्पाद पर इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित करने की स्वीकृति दी तथा 3.39 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। जिस पर कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है।



4.3.8 उद्यानिकी पौध उत्पादन

क्र. सं.	कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	फसल	किस्म	उत्पादित पौधों की संख्या
1.	कोटा	सब्जी पौध	—	8000
		फलदार पौधे	—	29000
		सजावटी पौधे	—	9000
2	अन्ता (बारां)	पपीता	रेड लेडी	15000
		नींबू	कागजीलाइन	2000
		कटहल	देशी	1000
		अमरुद	एल-49	1000
3	बून्दी	अमरुद, पपीता, गुलाब, कटहल, करोंदा, सजावटी पौधे	—	6000
4	सवाई माधोपुर	पपीता	रेड लेडी	20090
		नींबू	—	922
		टमाटर / मिर्च पौध	—	8679
5	हिण्डौन (करौली)	सहजना	पी.के.एम 1	500
		पत्तागोभी ग्रीन	प्राइवेट सेक्टर (इन्द्रा)	20000
		पत्तागोभी रेड	प्राइवेट सेक्टर (रेड स्काइ)	20000
		फूलगोभी	प्राइवेट सेक्टर(रानी)	20000
		मिर्च	प्राइवेट सेक्टर	10000
		टमाटर	प्राइवेट सेक्टर (आर एस 722)	20000
		प्याज	एन.एच.आर.डी.एफ 3 एवं 4	15000
		ब्रोकली	ग्रीन मैजिक	20000
कुल योग				226191



4.3.9 प्रसार शिक्षा निदेशालय प्रकाशन

क्र.सं.	प्रकाशन	विवरण
1.	अभिनव कृषि पत्रिका	प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा त्रैमासिक कृषि पत्रिका "अभिनव कृषि" (मार्च, जून, सितम्बर, दिसम्बर) प्रकाशित की जा रही है। यह त्रैमासिक कृषि पत्रिका कृषक एवं महिला कृषक समुदाय में कृषि तकनीकी प्रसार के लिए उपयोगी सिद्ध हो रही है।
2.	कृषि कलेण्डर	प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा कृषि पंचांग 2021 प्रकाशित किया गया जिसमें प्रत्येक माह के कृषि कार्य, फसल एवं खाद्य प्रसंस्करण की नई एवं उन्नत तकनीकों की जानकारी दी गई। इस वर्ष कृषि पंचांग की 6100 प्रतियां प्रकाशित की गईं, जो कि कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कोटा सम्भाग के किसानों को उपलब्ध कराये गये।



4.3.10 प्रसार शिक्षा गतिविधियाँ प्रेस मीडिया में





5. बीज उत्पादन कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के 13 केन्द्रों पर बीज उत्पादन का कार्य किया जाता है। इनमें सबसे अधिक बीज उत्पादन यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज, कोटा पर किया जाता है। यांत्रिक कृषि फार्म, कोटा पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय बीज उत्पादन परियोजना के तहत प्रजनक बीज का उत्पादन वैज्ञानिक तरीके से किया जाता है। किस्म एवं मात्रा का आवंटन एवं वितरण कृषि सहकारिता एवं कृषक कल्याण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के निर्देशानुसार किया जाता है। वर्ष 2020-21 में कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के अनुसंधान, शिक्षा एवं कृषि प्रसार शिक्षा के केन्द्रों द्वारा खरीफ व रबी का कुल बीज उत्पादन 14989.82 क्विंटल रहा। जिसमें से 4297.33 क्विंटल प्रजनक बीज, 3186.84 क्विंटल आधार व प्रमाणित बीज तथा 7505.65 क्विंटल सत्य चिन्हित बीज शामिल है। जिसका विवरण निम्न प्रकार है:-

5.1 सारांश बीज उत्पादन

क्र. सं.	केन्द्र का नाम	बीज की मात्रा क्विंटल में			
		प्रजनक	आधार / प्रमाणित	सत्यचिन्हित	कुल
1	यांत्रिक कृषि फार्म, कोटा	2950.40	1434.00	3197.00	7581.40
2	कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा	39.90	00	1081.00	1120.90
3	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, खानपुर	684.40	233.80	29.00	947.20
4	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, अकलेरा	373.25	80.00	161.85	615.10
5	सुल्तानपुर फार्म, कोटा	30.00	00	730.80	760.80
6	कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	12.00	1247.50	370.90	1630.40
7	कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बारौ)	98.50	00	338.25	436.75
8	कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी	45.28	148.34	690.18	883.80
9	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़	00	3.20	44.76	47.96
10	कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाईमाधोपुर	00	00	167.90	167.90
11	कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)	00	40.00	35.00	75.00
12	कृषि महाविद्यालय, कोटा	63.60	00	619.95	683.55
13	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	00	00	39.06	39.06
कुल योग (खरीफ व रबी)		4297.33	3186.84	7505.65	14989.82



5.2 केन्द्रवार, फसलवार तथा बीज प्रकार वार बीज उत्पादन

क्र.सं.	केन्द्र का नाम	फसल	किस्म	बीज उत्पादन मात्रा (किंवा)	बीज का प्रकार
1	यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज, कोटा	रबी 2020-21 गेहूँ	राज 4037	218.00	प्रजनक
			राज 4037	669.00	आधार
			राज 4037	2422.00	सत्य चिन्हित
			राज 4079	303.00	प्रजनक
			राज 4079	358.00	आधार
			राज 1482	211.00	प्रजनक
			राज 1482	125.00	आधार
			राज 4238	213.00	प्रजनक
			राज 4238	282.00	आधार
			सी. 306	52.00	प्रजनक
			डब्ल्यू.एच. 147	103.00	प्रजनक
			जी.डब्ल्यू. 496	83.00	प्रजनक
			राज 3765	94.00	प्रजनक
			एच.आई. 1544	67.00	प्रजनक
			जी.डब्ल्यू. 273	40.00	प्रजनक
			जी.डब्ल्यू. 173	66.00	प्रजनक
			जी.डब्ल्यू. 322	63.00	प्रजनक
			पी.बी.डब्ल्यू. 502	95.00	प्रजनक
			पी.बी.डब्ल्यू. 343	48.00	प्रजनक
			एच.आई. 8759	120.00	प्रजनक
		एल.ओ.के.1	246.00	प्रजनक	
		जी.डब्ल्यू डब्ल्यू 47	68.00	प्रजनक	
		कुल	5946.00		
		चना	आर.वी.जी. 201	155.00	प्रजनक
			जी.एन.जी. 1958	142.00	प्रजनक
			जी.एन.जी. 2144	134.00	प्रजनक
			कुल	431.00	
		सरसों	गिरिराज	350.00	सत्य चिन्हित
			एन.आर.सी.एच.बी. 101	129.00	सत्य चिन्हित
			कुल	479.00	
		मटर	आई.पी.एफ.डी. 12-2	39.00	प्रजनक
			आई.पी.एफ.डी. 11-5	15.00	प्रजनक
			आर.एफ.पी. 4	17.00	प्रजनक
			कुल	71.00	
		मसूर	कोटा मसूर 1	18.00	प्रजनक
			कोटा मसूर 2	22.00	प्रजनक
			कोटा मसूर 3	4.00	प्रजनक
			कुल	44.00	
		अलसी	प्रताप अलसी 2	18.00	प्रजनक
			के.बी.ए. 3	4.00	प्रजनक
			कुल	22.00	
		धनियां	आर.के.डी. 18	97.00	सत्य चिन्हित



वार्षिक प्रतिवेदन 2021

		मैथी	आर.एम.टी. 305	49.00	सत्य चिन्हित
		जौ	डी.डब्ल्यू.आर.बी. 137	113.00	प्रजनक
		लहसून	जी. 282	46.00	सत्य चिन्हित
			कुल	7298.00	
		खरीफ 2021			
		सोयाबीन	जे.एस. 20-34	172.00	प्रजनक
		धान	पूसा 1121	51.00	सत्य चिन्हित
			पूसा 1509	39.00	सत्य चिन्हित
			पूसा 1592	14.00	सत्य चिन्हित
		उड़द	एम.यू. 2	7.40	प्रजनक
			कुल योग	7581.40	
2	कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा	रबी 2020-21			
		अलसी	प्रताप अलसी-2	10.00	प्रजनक
			कोटा बारानी अलसी 3	2.80	प्रजनक
			कोटा बारानी अलसी 4	12.00	प्रजनक
		गेंहूँ	राज 4037	694.00	सत्य चिन्हित
			राज 4238	33.50	सत्य चिन्हित
			एच.आई. 8759	25.00	सत्य चिन्हित
		सरसों	डी.आर.एम.आर.आई.जी. -31	169.00	सत्य चिन्हित
			डी.आर.एम.आर.आई.जी. -31	9.90	प्रजनक
			एन.आर.सी.एच.बी.-101	5.20	प्रजनक
			आर.एच.725	3.00	सत्य चिन्हित
		चना	जे.जी.-14	129.00	सत्य चिन्हित
			जी.एन.जी. 1581	20.00	सत्य चिन्हित
			योग	1113.40	
		खरीफ 2021			
		सोयाबीन	जे.एस.20-34	7.50	सत्य चिन्हित
			कुल योग	1120.90	
3	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, खानपुर	रबी 2020-21			
		चना	जी.एन.जी.2171	183.70	प्रजनक
			जी.एन.जी.2144	168.30	आधार
			आर.वी.जी. 203	170.50	प्रजनक
		मटर	आई.पी.एफ.डी. 10-12	19.00	प्रजनक
		सरसों	गिरिराज	65.50	आधार
		धनिया	आर.के.डी. 18	29.00	सत्य चिन्हित
			योग	636.00	
		खरीफ 2021			
		सोयाबीन	जे.एस. 20-34	182	प्रजनक
			जे.एस. 20-98	109.50	प्रजनक
		उड़द	प्रताप उड़द 1	5.00	प्रजनक
			योग	296.50	
		जायद 2021			
		उड़द	प्रताप उड़द 1	14.70	प्रजनक
			कुल योग	947.20	



वार्षिक प्रतिवेदन 2021

4	कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, अकलेरा	रबी 2020-21			
		चना	जी.एन.जी.-2144	215.30	प्रजनक
			जी.एन.जी.-1958	80.00	आधार
		सरसों	गिरिराज	21.90	सत्य चिन्हित
		धनियां	आर.के.डी. 18	19.81	सत्य चिन्हित
		मैथी	आर.एम.टी. 305	08.14	सत्य चिन्हित
			योग	457.15	
		खरीफ 2021			
		सोयाबीन	जे.एस. 20-34	132.50	प्रजनक
		उड़द	कोटा उड़द 3, कोटा उड़द 4	1.65	प्रजनक
		जायद 2021			
		उड़द	प्रताप उड़द 1	23.80	प्रजनक
			कुल योग	615.10	
		5	सुल्तानपुर फार्म, कोटा	रबी 2020-21	
गेहूँ	राज 4037			685.8	सत्य चिन्हित
	राज 4238			45.0	सत्य चिन्हित
	योग			730.8	
खरीफ 2021					
सोयाबीन	जे.एस. 20-34			25	प्रजनक
	जे.एस. 95-60			05	प्रजनक
	कुल योग			760.80	
6	कृषि महाविद्यालय, कोटा	रबी 2020-21			
		गेहूँ	राज 4037	510.00	सत्य चिन्हित
		सरसों	गिरिराज	108.45	सत्य चिन्हित
		अलसी	के.बी.ए. -4	20.60	प्रजनक
		मैथी	आर.एम.टी.-305	1.50	सत्य चिन्हित
		खरीफ 2021			
		सोयाबीन	जे.एस. 20-34	43.00	प्रजनक
			कुल योग	683.55	
7	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	रबी 2020-21			
		सरसों	डी.आर.एम.आर.आई.जी.- 31	17.74	सत्य चिन्हित
		धनिया	आर.के.डी.-18	4.85	सत्य चिन्हित
		अलसी	प्रताप अलसी-1	8.47	सत्य चिन्हित
		खरीफ 2021			
		सोयाबीन	जे.एस. 20-34	8.00	सत्य चिन्हित
			कुल योग	39.06	



8	कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	रबी 2020-21					
		सरसों	गिरिराज	111.50	आधार / प्रमाणित		
		चना	जी.एन.जी. 2144 / 2171	91.50	आधार / प्रमाणित		
		गेंहूँ	राज. 4037	373.00	आधार / प्रमाणित		
		धनियाँ	आर.के.डी.-18	11.00	सत्य चिन्हित		
		लहसुन	जी. 282 / जी. 50	38.40	सत्य चिन्हित		
		जौ	आर.डी. 2794	48.00	सत्य चिन्हित		
		जायद 2021					
		मूंग	शिखा	42.00	आधार / प्रमाणित		
		उड़द	कोटा उड़द-3	8.00	प्रजनक		
		उड़द	कोटा उड़द-4	4.00	प्रजनक		
		खरीफ 2021					
		धान	पूसा बासमती 1509	225.00	सत्य चिन्हित		
		धान	पूसा बासमती 1609	48.50	सत्य चिन्हित		
		सोयाबीन	जे.एस. 20-34	15.50	प्रमाणित		
		दलहन सीड हब (उड़द, चना, मूंग)	जी.एन.जी. 2171 / 2144 / प्रताप उड़द 1 / IPM 410-03	392.00	आधार / प्रमाणित		
		तिलहन सीड हब (सरसों)	गिरिराज	222.00	आधार / प्रमाणित		
		कुल योग		1630.40			
		9	कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बाराँ)	रबी 2020-21			
				गेंहूँ	राज 4037	145.00	सत्य चिन्हित
राज 4079	118.00				सत्य चिन्हित		
एच डी 3086	10.00				सत्य चिन्हित		
सरसों	गिरिराज			10.00	सत्य चिन्हित		
चना	जीएनजी 2144			12.50	सत्य चिन्हित		
धनिया	एसीआर-2			4.25	सत्य चिन्हित		
मेथी	एएफजी-3			5.00	सत्य चिन्हित		
लहसुन	जी-282 जी-50			30.00	सत्य चिन्हित		
खरीफ 2021							
सोयाबीन	जे.एस. 20-34			95.00	प्रजनक / सत्य चिन्हित		
उड़द	पी.यू-1			3.50	प्रजनक		
मूंग	शिखा			3.50	सत्य चिन्हित		
कुल योग				436.75			



वार्षिक प्रतिवेदन 2021

10	कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी	रबी 2020-21				
		सरसों	डी.आर.एम.आर.आई.जे. -31	23.00	सत्य चिन्हित	
		चना	जीएनजी 1958	106.00	आधार	
		गेंहूँ	राज 4238	308.00	सत्य चिन्हित	
		गेहूँ	राज 4037	69.20	सत्य चिन्हित	
		जौ	आर.डी. 2794	3.40	सत्य चिन्हित	
		मसूर	के.एम. - 2	40.00	आधार	
		जई	जे.एच.ओ. 822	4.50	सत्य चिन्हित	
		खरीफ 2021				
		उड़द	के.यू.- 3	2.34	आधार	
		उड़द	के.यू.- 4	6.86	प्रजनक	
		सोयाबीन	जे.एस.-2034	38.42	प्रजनक	
		धान	पी.यू.-1509	282.08	सत्य चिन्हित	
		कुल योग		883.80		
		11	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़	रबी 2020-21		
उड़द	मुकन्दरा उड़द-2			10.26	सत्य चिन्हित	
सरसों	गिरिराज			19.60	सत्य चिन्हित	
चना	जीएनजी-2144			2.80	आधार	
	आरएसजी-991			0.60	सत्य चिन्हित	
गेंहूँ	राज-4037			2.80	सत्य चिन्हित	
धनियॉ	आरकेडी-18			6.00	सत्य चिन्हित	
जायद 2021						
मूंग	आरएमजी-975			3.50	सत्य चिन्हित	
उड़द	प्रताप उड़द-1			2.00	सत्य चिन्हित	
खरीफ 2021						
उड़द	केयू-4			0.40	आधार	
कुल योग				47.96		
12	कृषि विज्ञान केन्द्र, सर्वाई माधोपुर			रबी 2020-21		
				सरसों	आई.जे.- 31	71.08
		गेंहूँ	राज-4238	42.12	सत्य चिन्हित	
		चना	जीएनजी-2144	13.50	सत्य चिन्हित	
		जौ	आर.डी.-2052	41.20	सत्य चिन्हित	
		कुल योग		167.90		
13	कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)	रबी 2020-21				
		सरसों	आर.एच 725	9.00	प्रमाणित	
		सरसों	गिरिराज	6.00	प्रमाणित	
		चना	सी.एस.जे.515	4.00	प्रमाणित	
		खरीफ 2021				
		उड़द	प्रताप उड़द 1	5.00	आधार	
		तिल	आर.टी 351	8.00	प्रमाणित	
		ग्वार	आर.जी.सी.1038	8.00	प्रमाणित	
		बाजरा	एच.एच.बी. 290	20.00	बायाफोर्टीफाइड	
		बाजरा	प्रौ एगो 9001	15.00	व्यवसायिक	
		कुल योग		75.00		
कुल महायोग		14989.82				



6. सम्पदा कार्यालय कार्य

इस विश्वविद्यालय के सम्पदा कार्यालय द्वारा कई निर्माणाधीन कार्य पूरे कराये गये हैं एवं कुछ कार्य प्रगति पर हैं। वर्ष 2021 में कुल 40.16 लाख रुपये के निर्माण कार्य पूर्ण कराये गये तथा 60.83 लाख रुपये के निर्माण कार्य प्रगति पर हैं।

6.1 वर्ष 2021 में पूर्ण किये गये कार्य

क्र. सं.	कार्य का विवरण	कुल खर्च (रुपये लाखों में)
1	विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन के सामने लोको फाउन्टेन का निर्माण कार्य	4.08
2	कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता पर मछली पालन तालाब का निर्माण कार्य	4.28
3	कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी पर गोदाम के सामने रोड़ निर्माण कार्य	2.52
4	यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज कोटा पर कवर्ड थ्रेसिंग फ्लोर का निर्माण कार्य	8.05
5	विश्वविद्यालय मुख्यालय पर गारबेज डम्प शेड का निर्माण कार्य	1.74
6	यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज कोटा पर प्रयोगात्मक फील्ड में चैन लिंक फौन्सिंग कार्य	2.20
7	कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर पर बाउण्ड्री वॉल का निर्माण कार्य	3.45
8	विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर नेम बोर्ड फिक्सिंग कार्य	2.39
9	विश्वविद्यालय मुख्यालय पर स्टील प्लेट फोर बैनर्स ऑफ नेचुरल एण्ड ऑर्गेनिक फार्मिंग कार्य	1.19
10	विश्वविद्यालय मुख्यालय पर मैन केबल कन्ट्रोलर पैनल कार्य	2.49
11	कृषि विज्ञान केन्द्र, बोरखेडा कोटा पर इम्प्लीमेन्ट शेड निर्माण कार्य	3.47
12	विश्वविद्यालय गेस्ट हाउस का एक्सटेंशन निर्माण कार्य	4.30
	कुल योग	40.16



6.2 वर्ष 2021 में प्रगतिरत कार्य

क्र. सं.	कार्य का विवरण	स्वीकृत राशि (रूपये लाखों में)
1	कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन, करौली पर बीज गोदाम निर्माण कार्य	18.00
2	यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज कोटा पर डेमेज बाउण्ड्रीवॉल रिपेयर एवं निर्माण कार्य	3.03
3	कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन, करौली पर ट्यूब वेल निर्माण कार्य	4.28
4	कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर पर कवर्ड थ्रेसिंग प्लोर निर्माण कार्य	13.96
5	विश्वविद्यालय मुख्यालय पर स्किल डवलपमेंट ट्रेनिंग सेन्टर शेष निर्माण कार्य	7.10
6	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड गर्ल्स हॉस्टल रिपेयर कार्य	3.97
7	कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा पर इन्क्यूबेशन सेन्टर निर्माण कार्य	10.49
	कुल योग	60.83

7. मानव संसाधन

विश्वविद्यालय में स्वीकृत, भरे एवं रिक्त पद का विवरण

विश्वविद्यालय में प्रशासनिक शैक्षणिक व अशैक्षणिक के स्वीकृत पदों की कुल संख्या 543 है। जिसमें से 258 पद भरे हुए हैं। इस प्रकार कुल 285 पद रिक्त हैं, जिनका विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र. सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद					भरे हुए पद					रिक्त पद				
		आयोजन भिन्न	राज्य योजना	ICAR योजना (अनुसंधान)	ICAR योजना (केवीके)	कुल	आयोजन भिन्न	राज्य योजना	ICAR योजना (अनुसंधान)	ICAR योजना (केवीके)	कुल	आयोजन भिन्न	राज्य योजना	ICAR योजना (अनुसंधान)	ICAR योजना (केवीके)	कुल
1	प्रशासनिक	03	12	-	-	15	02	11	-	-	13	01	01	0	-	02
	कुल	03	12	-	-	15	02	11	-	-	13	01	01	0	-	02
2	शैक्षणिक पद															
I	प्राध्यापक	05	05	01	-	11	01	0	0	-	01	04	05	01	-	10
II	सह प्राध्यापक	15	16	04	-	35	01	03	04	-	08	14	13	0	-	27
III	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष	-	-	-	06	06	-	-	-	02	02	-	-	-	04	04
IV	सहायक प्राध्यापक	46	59	21	18	144	18	16	21	13	68	28	43	00	05	76
V	विषय विशेषज्ञ				24	24				14	14				10	10
	कुल	66	80	26	48	220	20	19	25	29	93	46	61	01	19	127
3	अशैक्षणिक पद															
	मंत्रालयिक	25	49	2	12	88	9	19	1	4	33	16	30	1	8	55
	तकनीकी	44	32	18	36	130	21	15	17	15	68	23	17	1	21	62
	चतुर्थ श्रेणी	34	40	4	12	90	25	17	01	08	51	09	23	03	04	39
	कुल	103	121	24	60	308	55	51	19	27	152	48	70	5	33	156
4	सकल योग	172	213	50	108	543	77	81	44	56	258	95	132	6	52	285



राज्य सरकार द्वारा भर्ती हेतु प्राप्त स्वीकृत पदों का विवरण

क्र.सं.	स्वीकृत पद विवरण	पद संख्या
शैक्षणिक		
1	मुख्य वैज्ञानिक	1
2	प्रोफेसर	5
3	एसोसिएट प्रोफेसर	11
4	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष	4
5	असिस्टेंट प्रोफेसर	42
6	विषय विशेषज्ञ	4
7	असिस्टेंट लाइब्रेरियन	4
कुल		71
अशैक्षणिक		
1	असिस्टेंट रजिस्ट्रार	1
2	तकनीकी सहायक	4
3	निजी सहायक	1
4	लिपिक	9
5	स्टेनोग्राफर	9
6	ड्राईवर	9
7	बुक लिफ्टर	1
8	लैब टैक्नीशियन	2
9	स्टोर कीपर	1
10	हॉस्टल केयर टेकर	2
11	लाइब्रेरी असिस्टेंट	1
12	लैब असिस्टेंट	5
13	कृषि पर्यवेक्षक	2
14	लैब अटैण्डेन्ट	5
15	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	6
कुल		58
कुल योग (शैक्षणिक व अशैक्षणिक)		71+58 = 129

मानव संसाधन विकास के अन्तर्गत आयोजित गतिविधियाँ

7.1 बेस्ट टीचर व अन्य अवार्ड

गणतन्त्र दिवस, 26 जनवरी 2021 के सुअवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2021 का बेस्ट टीचर पुरस्कार कृषि अनुसंधान केन्द्र कोटा के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बी.एस. मीणा को दिया गया जिसमें दस हजार रुपये एवं प्रमाण पत्र दिया गया।

इसी मौके पर सर्वश्रेष्ठ छात्र/छात्रा पुरस्कार सुश्री रिषिका चौधरी को दिया गया। साथ ही विश्वविद्यालय के 12 शैक्षणिक तथा अशैक्षणिक कर्मचारियों को उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र भी दिये गये।





7.2 प्रशिक्षण / कार्यशाला / वेबिनार

7.2.1 विश्वविद्यालय द्वारा राजस्थान लोक प्रशासनिक संस्थान कोटा (RIPA) में "आहरण एवं वितरण अधिकारियों हेतु लेखा एवं वित्तीय प्रबन्धन कुशलता" विषय पर 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।



7.2.2 "कृषि उद्यमिता में नवाचार को बढ़ावा देने में उद्योग और शिक्षा की भूमिका एवं कार्यस्थल पर तनाव प्रबन्धन" पर दिनांक 27 मार्च 2021 को कार्यशाला का आयोजन किया गया।



7.2.3 सिमुलेशन कार्यशाला – तनाव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं लेखा प्रबन्धन विषय पर दिनांक 01 अप्रैल, 2021 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।



7.2.4 दिनांक 09-12 फरवरी 2021 एवं 20-23 सितम्बर 2021 (4 दिवसीय) ऑनलाइन/ऑफलाइन सोयाबीन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें सम्पूर्ण भारत के प्रदेश – महाराष्ट्र, कर्नाटक, प. बंगाल, गुजरात, मध्यप्रदेश, बिहार एवं उत्तर प्रदेश के युवाओं को सोयाबीन पनीर इकाई लगाने पर विस्तृत जानकारी दी गई।





7.2.5 विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किये गये अनुसंधानों तथा उन पर आधारित वैज्ञानिक तरीके से लिखे गये उत्कृष्ट रिसर्च पेपर व उनका प्रतिष्ठित राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशन हेतु एक वेबीनार दिनांक 10 दिसम्बर, 2021 को आयोजित की गयी।



7.3 अन्य गतिविधियाँ

7.3.1 दिनांक 08 मार्च 2021 को बिहार कृषि विश्वविद्यालय साबौर द्वारा आयोजित ई-महिला सशक्तिकरण चौपाल में निदेशक मानव संसाधन विकास ने मुख्य वक्ता के रूप में उद्बोधन दिया। इसी प्रकार तेलंगाणा सरकार द्वारा विश्वविद्यालय की लहसुन प्रसंस्करण विधि हस्तान्तरण हेतु MOU प्रस्तावित है।



7.3.2 दिनांक 08 नवम्बर, 2021 को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "कहानी सूक्ष्म उद्यमों की" के अन्तर्गत आजादी के अमृत महोत्सव पर प्रकाशित साहित्य में विश्वविद्यालय के सोया पनीर उद्यमी का विस्तृत विवरण प्रकाशित किया गया।

Link:-<https://twitter.com/PMFMEScheme/status/1457401898542125058?t=LgFkh-bLM3Xw6FKJAoSzRw&s=08>



8. बजट : वित्त एवं लेखा

क्र. सं.	ब्यौरा	आवंटित बजट 2021-22 (राशि रुपये लाखों में)	व्यय बजट दिसम्बर 2021 तक (राशि रू0 लाखों में)
1	विश्वविद्यालय की निजी आय	242.00	70.00
2	स्टेट प्लान(आयोजना) राज्य सरकार		
2.1	31213 कृषि शिक्षा (विश्वविद्यालय हेतु)	2505.00	1400.20
2.2	31213 कृषि अनुसंधान (25 प्रतिशत राज्य सरकार)	160.00	105.00
2.3	राष्ट्रीय कृषि विकास योजना	444.00	58.00
3	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई.सी.ए.आर.)		
3.1	कृषि अनुसंधान (आई.सी.ए.आर. 75 प्रतिशत)	600.00	315.00
3.2	कृषि अनुसंधान (आई.सी.ए.आर. 100 प्रतिशत)	950.00	520.00
3.3	NICRA, NAHEP, Strengthening & Development Grant & RAWE (ICAR- 100%)	314.31	13.30
3.4	अन्य परियोजनायें (आई.सी.ए.आर. 100 प्रतिशत)	200.00	8.00
5	निजी परियोजनायें	100.00	7.50
6.	अन्य आय	2.00	2.54
	कुल स्वीकृत बजट व व्यय	5517.31	2499.54



9. पुरस्कार एवं सम्मान

9.1 वैज्ञानिक एवं कर्मचारी

क्र. सं.	पुरस्कार/सम्मान प्राप्त कर्ता का नाम व पता	पुरस्कार विवरण	पुरस्कार प्रदाता संस्था का नाम	फोटोग्राफ
1.	प्रो. डी.सी. जोशी, कुलपति	आई.एस.ए.ई. गोल्ड मेडल-2020 (लाईफ टाइम अचीवमेन्ट अवार्ड) 23 नवम्बर, 2021	इण्डियन सोसायटी ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स	
2.	डॉ. ममता तिवारी निदेशक मानव संसाधन विकास	कौशल विभूषण सम्मान 08 मार्च 2021	जन शिक्षण संस्थान, कोटा	
3.	डॉ. ममता तिवारी निदेशक मानव संसाधन विकास	महिला स्वावलम्बन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु 23 मार्च, 2021	नगर निगम कोटा उत्तर	
4.	डॉ. ममता तिवारी निदेशक मानव संसाधन विकास	महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु 24 मार्च, 2021	नगर निगम कोटा दक्षिण	
5.	डॉ. ममता तिवारी निदेशक मानव संसाधन विकास	एग्रीप्रनोयरशिप के क्षेत्र में आउटस्टेन्डिंग कार्य 26 मार्च, 2021	इण्डिया बुक ऑफ रिकार्ड	
6.	डॉ. ममता तिवारी निदेशक मानव संसाधन विकास	बेस्ट वूमन एक्सटेंशन वर्कर अवॉर्ड 09 अप्रैल, 2021	एग्रीकल्चर टूडे	





7.	डॉ. बी.एस. मीणा, एसोसियेट प्रोफेसर, कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा	बेस्ट टीचर अवॉर्ड, 2021	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	
8.	डॉ. अर्जुन कुमार वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़	कृषि प्रसार क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रशंसा पत्र	जिला कलक्टर, झालावाड़	
9.	डॉ. सेवाराम रुण्डला, विषय विशेषज्ञ (मृदा विज्ञान), कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़	कोरोना कंट्रोल वॉर रूम में उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रशंसा पत्र	जिला कलक्टर, झालावाड़	
10.	डॉ. अर्जुन कुमार वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़	कृषि प्रसार क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रशंसा पत्र 26 जनवरी, 2021	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	
11.	डॉ. आँचल शर्मा, सहायक प्रोफेसर, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	प्रशंसा पुरस्कार 26 जनवरी, 2021	जिला कलक्टर, झालावाड़	
12.	डॉ. आँचल शर्मा, सहायक प्रोफेसर, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	प्रशंसा पुरस्कार 26 जनवरी, 2021	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	
13.	डॉ. अंजु वी .सहायक प्रोफेसर, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	प्रशंसा प्रमाण पत्र 10 अक्टूबर, 2021	सर सैयद कॉलेज कन्नूर विश्वविद्यालय, केरल	
14.	डॉ. प्रियंका सोलंकी, सहायक प्रोफेसर, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	बेस्ट एकेडमीशियन अवार्ड-2021	एग्रो एन्वायरमेन्टल डेवलपमेन्ट सोसायटी, रामपुर, उत्तरप्रदेश	



15.	डॉ. प्रियंका सोलंकी, सहायक प्रोफेसर, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	एक्सीलेन्स इन टीचिंग अवार्ड	समग्र विकास वेलफेयर सोसायटी	
16	डॉ. एस.बी.एस. पाण्डेय एसोसियेट प्रोफेसर, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	Best Forestry Scientist Award- 2020in 4 th International conference on “Global approaches in Natural resource management for climate smart Agriculture (GNRSA02020) DURING PANDEMIC ERA OF COVID-19” organized on February 26-28, 2021	4 th International conference on “Global approaches in Natural resource management for climate smart Agriculture (GNRSA02020)	

9.2 कृषक सम्मान

क्र.सं.	पुरस्कार/सम्मान प्राप्तकर्ता का नाम व पता	पुरस्कार विवरण	पुरस्कार प्रदार्ता संस्था का नाम	फोटोग्राफ
1.	श्रीमती सोनिया जैन पत्नि श्री आकाश जैन, गाँव-बालदा, जिला- झालावाड़	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर समन्वित कृषि प्रणाली के लिए पद्म पुरस्कार	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली	 

10. आकाशवाणी/दूरदर्शन कार्यक्रम

क्र.सं.	विश्वविद्यालय इकाई का नाम	रेडियो वार्ता संख्या	दूरदर्शन / चैनल्स वार्ता संख्या
1	अनुसंधान निदेशालय	27	02
2	प्रसार शिक्षा निदेशालय	36	12
3	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़	04	00
4	कृषि महाविद्यालय कोटा	03	00
5	कृषि महाविद्यालय, हिण्डौली बून्दी	03	00
6	अन्य	05	02
कुल योग		78	16



11. प्रकाशन विवरण

11.1 शोध पत्र

S.No.	Title	Author (s)	Name of Journal/ Magazine/ book/ chapter	Year	Vol No.& page
1	Impact of integrated crop management practices in chickpea on productivity, energy bugeting and employment generation in tribal belt of Rajasthan	Kumar,S., Aswal ,S., Sharma,N., Sharma,G., Choudhary, A. and Khatik,P.	<i>Journal of Food Legumes</i>	2021	34(2):117-123
2	Stability Analysis for Yield and it's Related Characters in Linseed (<i>Linum usitatissimum L.</i>)	Mahawar,R. K. , Dhakar ,J. M. , Koli,N. R. , Sharma ,S. C. , Sandhya and Tak ,Yamini	<i>International Journal Current Microbiology Appied Science</i>	2021	10(10): 421-428
3	Combining ability analysis in linseed (<i>Linum usitatissimum L.</i>) for improvement of seed yield and its component traits in early sown normal irrigated condition in South Eastern zone of Rajasthan.	Mahawar,R. K., Dhakar ,J. M., Sandhya, Koli,N. R., , Sharma,S. C., Singh, Khajan and Tak ,Yamini	<i>Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry</i>	2021	10(6): 106-109
4	Induction host resistance with plant defense activators against white rust (<i>Albugo candida</i>) of Indian Mustard.	Singh, H. & Ratnoo, R. S	<i>Journal of Oilseed Brassica</i>	2021	12 (2):87-93
5	Response of pre-harvest spray of GA3 and boron on storability and quality of Ber (<i>Ziziphus mauritiana L.</i>) cv. Banarasi Karaka	Meena, Ashok, Nagar, B.L., Jain, M.C., Naroliya , R.S. and Kumar,Manoj	<i>The Pharma Innovation Journal</i>	2021	10(11): 475-478
6	Germination of Indian Blackberry [<i>Syzgium cuminii (L.) Skeels</i>] as Affected by Pre - Sowing Seed Treatment	Mali, H., Jain, M. C., Yadav, R. K., Sharma, P., and Singh, K.	<i>International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences</i>	2021	10 (1): 3392-3400
7	Interaction of different plant growth regulating substances and fertigation on selected physiological and reproductive traits of pomegranate under high density planting system	Suman, M. and Jain, M. C.	<i>Journal of Plant Nutrition</i>	2021	44 (14): 2096-2107
8	Mean performance of pea germplasm under mid hill conditions of Western Himalayan region	Devi, S., Nagar , A., Kumar , M., Thakur, K. and Dogra, B.S.	<i>The Pharma Innovation Journal</i>	2021	10(4): 407-411
9	Morphological Characterization of garden pea Germplasm though regression and principal component analysis	Devi, S., Nagar , A., Kumar , M. and Kumar, S.	<i>The Pharma Innovation Journal</i>	2021	10(3): 449-453



10	Role of Farm Women in Doubling Income	Mahajani,K. Meena,S.K., Choudhary,L.R. and. Bairwa, R.K.	<i>Women and Diversity</i>	2021	(ISBN: 978-93-88892-79-7, E-ISBN: 978-93-88892-80-3). pp 145-154
11	Distribution and prevalence of curvularia leaf spot of maize caused by <i>Curvularia lunata</i>	Jatwa,T.K., Sharma,S.S., Meena,N.K., Khan.I., Singh, R., Sharma,A., Indu and Silla.,J.K.	<i>The Pharma Innovation Journal</i>	2021	10(9): 524-527
12	Optimization of spawn rate for Oyster Mushroom cultivation in southern Rajasthan	Sarita, Sharma, S.S., Somdutt, Gautam,C. and Singh,R.	<i>The Pharma Innovation Journal</i>	2021	10(9): 1783-1787
13	Effect of different inoculum levels of <i>P. arborescens</i> in disease development and yield losses of opium poppy	Singh,R., Rawal,P. and Khan,I.	<i>International Journal of Plant sciences</i>	2021	16 (2) July, 93-98
14	Incidence, yield losses and symptomatology of sclerotinia stem rot (SSR) of Indian mustard (<i>Brassica juncea</i> L.) incited by <i>Sclerotinia sclerotiorum</i>	Khan,I., Rawal,P. and Singh,R.	<i>International Journal of Plant sciences</i>	2021	16 (2) July, 105-110
15	Impact of front line demonstration on chickpea yield improvement in Kota district of Rajasthan	Bairwa, R.K., Meena, R.R., Singh,M., Rohilla, P.P. , Singh,R., Sanadhya,G. and Meena, C.L.	<i>Extended Summaries: 5th International Agronomy Congress</i>	2021	November, 23-27: 1402-1403
16	Effect of supplement feeding of shatavari on lactating buffaloes.	Meena, G.S., Bairwa, R.K., Mahajani, K. and Meena, B.S.	<i>Journal of AgriSearch</i>	2020	7(3):182-184
17	Giloy: The Immunity Booster Herb.	Chauhan,Kanika	<i>Agriculture & Environment newsletter</i>	2021	pp. 87-89
18	Augmentation of Plant Growth Attributes, Physio-chemical properties and microbial population in Custard Apple cv. Balanagar	Bhatnagar, Prerak	<i>Communication in soil science and plant analysis</i>	2021	
19	Benzoil tree: a review on uses of <i>moringa oliefera</i> to Overcomemalnutrition in India	Acharya,R., Chhipa,H. and Sharma, K.	<i>World journal of pharmacy and pharmaceutical sciences</i>	2021	10(5) 1699-72
20	Application of Direct Colony-PCR for molecular characterization in fission yeast <i>Schizosaccharomyces pombe</i>	Kumar, Ashok	<i>Chemical Science Review and Letters.</i>	2021	10(38):183-189
21	Study on Intercropping of Fenugreek (<i>Trigonella foenum graecum</i> L.) with Different Short Duration Vegetable Crops	Verma, A., Aravindakshan,K., Sharma,R.K., Gupta,A.K., Chopra,R. and Maurya, I. B.	<i>Int.J.Curr.Microbiol.App.Sci</i>	2021	10(05): 95-100
22	Implementation of the Use of Ethnomedicinal Plants for Curing Diseases in the Indian Himalayas and its Role in Sustainability of Livelihoods and Socioeconomic Development.	Kumar, M., Rawat, S., Nagar, B., Kumar, A., Pala, N.A., Bhat, J.A., Bussmann, R.W., Cabral-Pinto, M. and Kunwar, R.	<i>International Journal of Environmental Research and Public Health</i>	2021	18(4):1509



23	Biomass Loss in Village Ecosystems in Western Himalaya due to Wild Monkey Interactions: A Case Study.	Rawat, S., Nagar, B., Adhikari, B.S., Pandey, R., Alatalo, J.M.	<i>Environmental Challenges</i>	2021	doi: https://doi.org/10.1016/j.envc.100085
24	Variation in Specific Gravity and Carbon Proportion of Agroforestry Tree Species of Himalaya.	Nagar, B., Rawat, S., Pandey, R. and Kumar, M.	<i>Environmental Challenges</i>	2021	doi: https://doi.org/10.1016/j.envc.100156
25	Utilization of custard apple pulp for preparation of blended nectar	Gautam, H.C.D., Jain, S.K., Bhatnagar, P. and Meena, N.	<i>Indian Journal of Horticulture</i>	2021	78 (2), 229-235
26	Nano-based pesticides: challenges for pest and disease management	Hajji-Hedfi, L., and Chhipa, H.	<i>Euro-Mediterranean Journal for Environmental Integration</i>	2021	6 (3), 1-8
27	Garlic based production system of seed species	Singh, D.K., Kumar, S., Khan, M. and Khatik, P.	<i>International Journal of Seed species</i>	2020	10 (2): 95-98.
28	Leaf colour chart-based nitrogen and weed management in pests on weeds yield and nutrient uptake in dry seeded rice	Hemalatha, K., Singh Y. and Kumar, S.	<i>Indian Journal of weed science</i>	2020	54 (4): 318-321
29	Effect of land configuration and irrigation scheduling on growth, yield attributes and yield of quinoa under Vertisols of Rajasthan.	Choudhary, M., Tatarwal, J. P., Ram, B., Sharma, M. K. Meena, C. B.	<i>Annals of Agricultural Research New Series</i>	2021	42(3): 299-307
30	Effect of nutrient management practices and foliar nutrition on productivity and profitability of field pea (<i>Pisum sativum</i> L.) in vertisols of S-E Rajasthan	Yadav, R. K., Meena, R., Yadav, S. L., Ram, B., Yadav, V.K., Sharma, M. K., Meena, S. N., Jadon, C. K., Yadav, B. D., Meena, N. L. and Singh, P.	Souvenir Book 4 th International Conference on “Global Approaches in Natural Resource Management for Climate Smart Agriculture (GNRSA-2020) during Pandemic Era of COVID-19” organized by Agricultural Technology Development Society (ATDS) Ghaziabad (UP) at Conference Hall, Shobhit Deemed University, Modipuram, Meerut, UP, India	2021	pp. 356



31	Study of genetic diversity in rice (<i>Oryza sativa</i> L.) genotypes for grain yield under humid south eastern plain of Rajasthan	Meena,D., Kumar,M., Sandhya, and Soni,R.K.	<i>International Journal of chemical studies</i>	2021	9(1): 3472-3475
32	Assessment of genetic diversity in linseed (<i>Linum usitatissimum</i> L.) genotypes	Meena, A.k., Sandhya and Kumar,M.	<i>Electronic Journal of Plant Breeding</i>	2021	12(2): 597-601
33	Effect of sib mating on seed yield and test weight of coriander genotypes and as influenced by pollination	Verma, Preeti and Meghwal, H. P.	<i>Indian Journal of Entomology</i>	2021	83 (1): 82-84
34	Variable expression of anthocyanin in flower and stem of coriander (<i>Coriandrum sativum</i> L.) Breeding implications	Verma, P., Solanki, R. K., Meghwal, H. P. and Tak, Y.	<i>International Journal of Chemical Studies</i>	2021	9 (1): 1180-1183
35	Assessment of selection parameters for yield and oil content in Indian mustard [<i>Brassica juncea</i> (L.) Czern & Coss.]	Yadav, H., Meena, P.K.P., Koli, N.R., Meena, B.S. and Yadav D.L.	<i>The Pharma Innovation Journal</i>	2021, September	10(9): 377-381
36	Bioefficacy of Fluthiacet Methyl 2.5% + Quizalofop ethyl 10.0% EC against Grasses and Broad Leaf Weeds of Soybean applied at post emergence	Meena, D. S., Nagar,G., and Meena,B.L.	Extended Summaries: 5 th International Agronomy Congress, November 23-27,2021	2021	Volume -2 & page 986-87
37	Detection and molecular characterization of Bean Common mosaic virus in mungbean	Yadav, D.L., Jaisani,P., Pandey, R.N. and Chalam, V.C.	<i>Int J Chem Stud</i>	2021	9 (1):2996-3001
38	Trichoderma spp. in the management of stresses in plants and rural prosperity	Pandey, R. N., Jaisani,P. and Yadav, D.L.	<i>Indian Phytopathology</i>	2021	74: 453-467
39	Chickpea (<i>Cicer arietinum</i> L.) Scenario in India and South Eastern Rajasthan: A Review.	Verma,P., Kumar,R., Solanki, R.K., Jadon,C. and Kumar,P.	<i>Int. J. Curr. Microbiol. App. Sci:</i>	2021	10(01): 1057-1067
40	Assessment of genetic diversity in linseed (<i>Linumusitatissimum</i> L.) genotypes	Meena,A.K., Sandhya and Kumar,M.	<i>Electronic Journal of Plant Breeding</i>	2021	12(2) :597-601
41	Genetic Association among Yield and Drought Tolerance Related Physiological Traits in Clusterbean [<i>Cyamopsis tetragonoloba</i> (L.)]	Modi,V.L. and Sharma, S.C.	<i>Biological Forum – An International Journal</i>	2021	13(1): 116-121
42	Influence of Foliar Application of Gibberalic Acid on Growth, Yield and Economics of Pigeonpea (<i>Cajanus cajan</i> L.	Kumar,R. and Sharma, S.C.	<i>Biological Forum – An International Journal</i>	2021	13(1): 227-231
43	First Report on Severity of Early Blight Disease of Tomato Caused by <i>Alternaria alternata</i> in Hadoti Region of Rajasthan	Jewaliya,B., Gautam,C., Meena, C.B., Sharma, S.C., Tak,Y. and Singh,K.	<i>Biological Forum – An International Journal</i>	2021	13(1): 307-311
44	Nature of Genetic Variability for Yield and Drought Tolerance Related Physiological Traits in Clusterbean [<i>Cyamopsis tetragonoloba</i> (L.)]	Modi,V.L. and Sharma, S.C.	<i>International journal of current microbiology and applied sciences</i>	2021	10(01): XX-XX 1-6



45	Studies on Direct Selection Parameters for Seed Yield and its Component Traits in Pigeonpea [Cajanus cajan (L.) Millsp.]	Sharma, S.C., Kumar,R., Gautam,C. and Aarif, M.	<i>International journal of current microbiology and applied sciences</i>	2021	10(03): XX-XX 1-5
46	In-vitro Efficacy of Fungicides against Alternaria alternata causing Blight Disease of Tomato (Solanum lycopersicum L.).	Jewaliya,B., Gautam,C., Meena, C. B., Tak,Y., Sharma, S.C. and Singh,K.	<i>International journal of current microbiology and applied sciences</i>	2021	10(03): xx-xx 1-7
47	Phosphorus management strategies to enhance P-use efficiency and sustainable crop production	Yadav, B . D., Yadav, R. K., Nogiya, M., Yadav, M. R., Mahala, D. M., Meena, S. N., Yadav, B., Verma, A. K., Yadav, S., Devi,S., Kumawat, R. and Bijarniya, A	<i>International Journal of Chemical Studies</i>	2021	9(1): 3562-3567
48	Long-term effect of fertilizer and manuring on soil aggregates carbon mineralization in four major soil groups of India	Yadav, R.K., Purakayastha, T.J., Ahmed, N., Das, R., Chakrabarty, B., Biswas, S., Sharma, V.K., Singh, P., Talukdar, D., Mourya, K.K. and Walia, S.S.	<i>Indian Journal of Agricultural Sciences</i>	2021	91(2): 74-77
49	Chickpea (Cicer arietinum L.) Scenario in India and South Eastern Rajasthan: A Review	Verma,P., Kumar,R., Solanki, R. K., Jadon,C. and Kumar,P.	<i>International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences</i>	2021	10(01) xx-xx. doi: https://doi.org/10.20546/ijemas.2021.1001.xx
50	Recent trends in extraction of plant bioactivities using green technologies: A review	Kumar,M., Dahuja,A., Tiwari,S., Punia,S., Tak, Y., Amarowicz,R., Kumar,A., Bhoite,G., Singh,S., Joshi,S., Panesar,P.S., Saini,R.R. Pihlanto,A., Tomar,M., Rad,J.S. and Kaur,C.	<i>Food chemistry</i>	2021	353(2021) 129431 https://doi.org/10.1016/j.foodchem.2021.129431
51	Pulse Derived Bioactive peptides as nobel Nutraceuticals: A Review	Tak, Y., Kaur,M., Amarowicz,R., Bhatia,S. and Gautam,C.	<i>International Journal of Peptide Research and Therapeutics</i>	2021	https://doi.org/10.1007/s10989-021.10234.8
52	Consequence of liquid bio-fertilizers and drought mitigating chemicals on soil physico-chemical properties and nutrient availability of mungbean[Vigna radiata (L.) Wilczek] under SE-Rajasthan	Nama,N., Sharma, M. K., Meena, D.S., Yadav, R.K., Verma,P. and Sharma,Y.N.	<i>The Pharma Innovation Journal</i>	2021	10(7): 1366-1370
53	Germination of Indian Blackberry[Syzygium cuminii (L.) Skeels] as Affected by Pre-Sowing Seed Treatment	Mali,H., Jain,M.C., Yadav, R.K., Sharma,P. and Singh,K.	<i>International journal of current microbiology and applied sciences</i>	2021	10(01): 3392-3400



54	Interaction of different plant growth regulating substances and fertigation on selected physiological and reproductive trials of pomegranate under high density planting system	Suman,M. and Jain, M.C.	<i>Indian Journal of Plant Nutrition</i>	2021	44:14, 2096-2107
55	Effect of dual pods on seed yield and seed weight in chickpea (<i>Cicer arietinum</i> L.) genotypes in South Eastern Rajasthan.	Verma,P. and Punia, S.S.	<i>International Journal of Agricultural Sciences</i>	2021	17 (1): 68-71
56	Yellow mosaic disease status of mungbean genotypes grown in South-Eastern Rajasthan.	Yadav, D.L. , Yadav, S.L. , Singh, K., Singh.P. and Meena,M.	<i>Journal of Food Legume</i>	2021	34(1) 57-59
57	Bean common mosaic virus of legumes with special emphasis on mungbean [<i>Vignaradiata</i> (L.) Wilczek]: An overview	Yadav, D.L., Jaisani, P.P., Pandey, R.N., Mawar,R. and Chalam, V.C.	<i>Journal of Pharmacogn Phytochem</i>	2021	10(2):1104-1112
58	Management of stem necrosis disease in potato under South Eastern Rajasthan	Yadav, D.L., Patidar, B .K. and Nagar,B.L.	<i>Indian Journal of Plant Protection</i>	2021	49 (1)
59	Growth and Yield of Quality Protein Maize (<i>Zea mays</i> L.) as Influenced by Weed and Nutrient Management	Gupta,V., Verma, A., Kumawat,P. and Bhimwal,J.P.	<i>Indian Journal of Pure and Applied Biosciences</i>	2021	9 (1): 344-353

11.2 अन्य प्रकाशन (बुलेटिन फोल्डर *book Chapter , Popular Article*)

क्र.सं.	शीर्षक	लेखक	प्रकाशन विवरण	प्रकाशन अवधि एवं संदर्भ
1	उद्यमिता विकास में संरक्षित नर्सरी प्रबंधन का महत्व	डॉ राकेश यादव एवं डॉ एम .सी. जैन	कृषि महाविद्यालय, कोटा	मार्च, 2021
2	उन्नत बीज उत्पादन तकनीक	डॉ. आर.के. मीणा, मोनिका मीणा, श्रीमती मंजू मीणा, डॉ . सी.बी. मीणा एवं डॉ एम.सी जैन	कृषि महाविद्यालय, कोटा	मार्च, 2021
3	बगवानी : एक फलता फूलता कैरियर	डॉ.एम.सी. जैन, डॉ . एल.के. मीना, डॉ. एम.के. शर्मा एवं डॉ . वी.के. यादव	कृषि कौशल	2020-21
4	कृषि विविधता : जैविक खेती की स्थिरता के लिए एक आधार	डॉ. विनोद कुमार यादव, डॉ.एम. सी. जैन, डॉ. एल.के. मीना एवं आर.के. यादव	कृषि कौशल	2020-21
5	कोविड-19 युग के दौरान ऑनलाइन शिक्षण के लिए डिजिटल उपकरण	डॉ. एल.के. मीना, डॉ .एम.सी. जैन, एवं डॉ. वी.के. यादव	कृषि कौशल	2020-21
6	ग्रामीण महिलाओं का डिजिटल सशक्तिकरण	डॉ. कीर्ति, डॉ. एम.सी. जैन एवं डॉ. बी.एल. ढाका	कृषि कौशल	2020-21
7	ढेंचा की हरी खाद का बढ़ता महत्व	गोपाल लाल चौधरी, पारस नाथ, कैलाश प्रजापत, सेवा राम रुण्डला एवं हरि राम चौधरी	खेती	जून 2021 (33-35)



8	बहुमूल्य सब्जी है ककोड़ा	एस.के. बैरवा, एल .एन. बैरवा, हरीश वर्मा, ओम प्रकाश, आर.सी. आसीवाल और अरविन्द नागर	फल फूल	सितम्बर-अक्टूबर, 2021 (51-54)
9	कृषिगत तौर तरीकों में बदलाव :वर्षभर आमद के स्रोत	डॉ. एस. राम रुण्डला, डॉ. राजेश कुमार, अरविन्द नागर, डॉ. मोहम्मद यूनुस एवं डॉ. ए.के. वर्मा	जीएसएफसी कृषिजीवन	जनवरी-जून, 2020 (19-20)
10	धनियां की उन्नत खेती	डॉ. अरविन्द नागर, डॉ. अर्जुन कुमार वर्मा, डॉ. मोहम्मद यूनुस, डॉ. सेवाराम रुण्डला	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़	2021
11	समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन	डॉ. राकेश कुमार बैरवा, डॉ. सेवा राम रुण्डला, डॉ. बी.एल. ढांका, डॉ. हरीश वर्मा, डॉ. कमला महाजनी, डॉ. घनश्याम मीना, सुश्री इंदिरा यादव एवं श्री महेन्द्र चौधरी	कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी	2021
12	चने के प्रमुख रोग एवं प्रबन्धन	रूपसिंह, राकेश कुमार बैरवा, रामराज मीणा, एस .एन.मीणा एवं मुकेश चौधरी	कृषक सुरक्षा	फरवरी 2021 (9-11)
13	कम लागत में अधिक आय लें ढिंगरी मशरूम से	रूपसिंह, बच्चू सिंह, बी .एस. मीना, मुकेश चौधरी और मोहन लाल	फल फूल	जनवरी- फरवरी 2021 (28-30)
14	पशुपालन से करे आय दोगुनी	घनश्याम मीणा, राकेश कुमार बैरवा एवं कमला महाजनी	अभिनव कृषि	अंक 1 पेज 51
15	फसलों में जल का महत्व, जल उपयोग दक्षता एवं जल उत्पादकता बढ़ाने के उपाय	बलदेव राम , अर्जुन सिंह जाट, आर के बैरवा	अभिनव कृषि	वर्ष 3 अंक 2 पेज 17-20
16	खीरा की उन्नत खेती	सरिता , सोमदत्त एवं राकेश कुमार बैरवा	अभिनव कृषि	वर्ष 3 अंक 2 पेज 35
17	साइलेज संरक्षण की आसान विधि	घनश्याम मीणा, आर के बैरवा एवं कमला महाजनी	अभिनव कृषि	वर्ष 3 अंक 3 पेज 43-44
18	ब्रासिनोस्टेरॉइड पादप वृद्धि नियामक	एल.के. मीणा, ए .के. गुप्ता , बी .एल. मीना, प्रतिभा एम.डी. एवं चेतन	प्रगतिशील कृषि	2021 पृष्ठ - 57-59 :
19	खरीफ में गाजरघास के प्रसार का करें समुचित नियंत्रण	पप्पू खटीक, सुभाष असवाल, सुनील कुमार, टी. सी. वर्मा एवं के. सी. मीना	अभिनव कृषि	जून 2021
20	हाड़ौती में गेहूँ की नौलाई जलाने की समस्या एवं समाधान	सुभाष असवाल, सुनील कुमार, पप्पू खटीक, के. सी. मीना, टी. सी. वर्मा एवं डी. के. सिंह	अभिनव कृषि	मार्च 2021
21	जैविक खेती : स्वस्थ जीवन व टिकाऊ उत्पादन का आधार	पप्पू खटीक, सुभाष असवाल, सुनील कुमार, डी . के. सिंह, टी . सी. वर्मा एवं के. सी. मीना	अभिनव कृषि	मार्च 2021
22	बीज उत्पादन और प्रसंस्करण के दौरान गुणवत्ता व नियंत्रण	संदीप कुमार बांगडवा, आर . बी. दुबे, भावना गोस्वामी एवं सुनील कुमार	अभिनव कृषि	मार्च 2021



वार्षिक प्रतिवेदन 2021

23	धान की सीधी बुवाई में समन्वित फसल प्रबन्धन	सुनील कुमार, पप्पु खटीक, डी. के. सिंह	कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता-बारां	मार्च 2021
24	ग्रीष्मकालीन मूंग की आधुनिक सस्य क्रियाएँ	सुनील कुमार	खेती अंक 4	मार्च 2021
25	मृदा एवं जल परीक्षण: महत्त्व एवं तकनीकी	उदिति धाकड़, राजेन्द्र यादव, बलदेव राम, चमन जादौन एवं हरफूल मीणा	अभिनव कृषि	जून 2021 (09-11)
26	फसलों में जल का महत्त्व, जल उपयोग दक्षता एवं जल उपयोग दक्षता बढ़ाने के उपाय	बलदेव राम, अर्जुन सिंह जाट, राकेश कुमार बैरवा, जगदीश प्रसाद तेतरवाल, राम स्वरूप नारोलिया, हरफूल मीना, इन्द्र नारायण माथुर, प्रताप सिंह एवं राजेन्द्र कुमार यादव	अभिनव कृषि	जून 2021 (17-20)
27	कम लागत वाले जैव उर्वरकों का बीजोपचार कर फसलोत्पादन के साथ आमदनी बढ़ायें	अर्जुन सिंह जाट एवं बलदेव राम	अभिनव कृषि	जून 2021 (23-25)
28	समन्वित पोषक तत्व अपनाकर मृदा स्वास्थ्य रखते हुये फसलों का टिकाऊ उत्पादन लें	अर्जुन सिंह जाट, बलदेव राम, राकेश बैरवा, जगदीश तेतरवाल एवं भेंवर लाल ढाका	कृषि भारती	जून 2021 वर्ष 11, अंक 09, (06-07)
29	रबी फसलों में खरपतवार नियंत्रण करके अधिक उत्पादन लें	शंकर लाल यादव, बलदेव राम, गणेश नारायण यादव, खजान सिंह, राजेन्द्र कुमार यादव, प्रताप सिंह, रणवीर यादव एवं डी. एल. यादव	अभिनव कृषि	सितम्बर 2021 (15-17)
30	गेंहू की फसल में खरपतवार नियंत्रण	उदिति धाकड़, बलदेव राम, चमन जादौन एवं शंकर लाल यादव	अभिनव कृषि	सितम्बर 2021 (21-23)
31	जैविक खेती और किसान	राजेश कुमार, एच. पी. वर्मा., भूरी सिंह, वर्षा गुप्ता, बलदेव राम, खजान सिंह एवं के. सी. मीणा	अभिनव कृषि	सितम्बर 2021 (47)
32	पोषण से समृद्ध फसलें हैं किनोवा एवं चिया	जगदीश प्रसाद तेतरवाल, बलदेव राम, अंजू बिजारणियां और मोनिका चौधरी	खेती	अगस्त 2021 वर्ष 74, अंक 04 (24-26)
33	मधुमक्खी पालन से बढ़ायें आय।	हरि प्रसाद मेघवाल	हलधर टाइम्स, जयपुर	मई 2021 वर्ष 16, अंक 28, 24 से 30 मई (1)
34	मधुमक्खी के भरोसे अरहर की उपज	हरि प्रसाद मेघवाल	हलधर टाइम्स, जयपुर	जून 2021 वर्ष 16, अंक 29, 31 मई से 06 (1)
35	सोयाबीन की उन्नत प्रजातियाँ एवं उनकी विशेषताएँ	भरत लाल मीना, चतुर्भुज मीना, धर्म सिंह मीना एवं बी के पाटीदार	अभिनव कृषि	जून-2021 वर्ष-3 अंक-2 (1-3)



36	सोयाबीन में खरपतवार प्रबन्धन कर अधिक उपज लें	धर्मसिंह मीना, भरत लाल मीना, चतुर्भुज मीना, बी .के. पाटीदार एवं सुशीला कलवानियाँ	अभिनव कृषि	जून-2021 वर्ष-3 अंक-2 (14-16)
37	सोयाबीन बुवाई के पहले बीज संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी	भरत लाल मीना, चतुर्भुज मीना, धर्म सिंह मीना एवं बी के पाटीदार	अभिनव कृषि	जून-2021 वर्ष-3 अंक-2 (46-47)
38	खीरा की उन्नत खेती	सरिता, सोमदत्त एवं राकेश कुमार बैरवा	अभिनव कृषि	जून-2021
39	मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन द्वारा रबी फसलों हेतु खेत की तैयारी कैसे करें	अनिल कुमार, आकाश तंवर एवं सरिता	अभिनव कृषि	सितम्बर-2021
40	Ashwagandha (<i>Withania somnifera L.</i>)	Lalit Krishan Meena, A.K. Gupta, Janak Patel, Mohammad Yunus Khan and Sunil Kumar	Book Chapter on "Ashwagandha (<i>Withania somnifera L.</i>) in book entitled "Medicinal Plants in India: Importance and Cultivation" (Narendra Publishing House, New Delhi)	Volume-1 (June, 2019)
41	Income Enhancement through Food Processing and Value addition of agriculture produce- A Case Study	Gunjan Sanadhya & R.K. Bairwa	<i>Agriculture World</i> (ISSN 2455-8184)	Volume 7 August, 2021 pp 38-39
42	Bio-fertilizers: Key Inputs for Sustainable Agriculture	Roop Singh, R.K. Bairwa and R.R. Meena	Krishi Udyan Darpan	2021 Vol. 1(2)3-5
43	Nutritional Composition of Stone Fruits	Meena, N.K ., Choudhary, K., Negi, N., Meena, V.S. and Gupta, V	Production Technology of Stone Fruits	2021 18 p.227 Springer, Singapore
44	Orchard Factors Affecting Postharvest Quality of Stone Fruits.	Choudhary, K., Meena, N. K ., & Prajapati, U.	Production Technology of Stone Fruits	2021 pp. 211-225, Springer, Singapore
45	Nano-toxicity to Microbes: Potential Implications of Nanomaterials on Microbial Activity	Hemraj Chhipa	Nanotoxicology and Nanoecotoxicology Springer	2021 Vol. 1, 99
46	Regulatory Role of Micro-RNAs in Plants Under Challenging Environmental Conditions with Special Focus on Drought and Salinity	Ashok Kumar, R Kaur, M. V. Rajam	Harsh Environment and Plant Resilience. Springer, Cham	2021



47	Entrepreneurial Opportunities in Horticulture and Allied Field in India	Priyanka Solanki	5 th International Conference on Advances in Agriculture, Environmental and Biosciences for Sustainable Development (AAEBSSD)	2021
48	Medicinal Plant as immunity booster during Covid times	Kanika Chauhan and SBS Pandey	Baagvan : CHF annual College magazine	2021
49	Advances in munga silkworm (A assamensis) rearing agro technological options for resource conservation and management (book Chapter)	V. Kumar, M. Majumdar, R.K. parhiar and Sunil Kumar	Bio-tech book	2021

12 विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा सेमीनार, कान्फ्रेंस, कार्यशाला/विन्टर व समर स्कूल में भागीदारी

S.No.	Name of Scientist	Title of event	Organised by	From	To
1	Dr. Arjun Kumar Verma & Dr. Sewa Ram Rundala, KVK, Jhalawar	Meeting of Research Sub Group-I and Kota chapter of Indian Society of Agronomy	AU, Kota	04.01.2021	-
2	Dr. Arjun Kumar Verma	Virtual State Level Workplan 2021	ATARI, Jodhpur	27.01.2021	28.01.2021
3	Dr. Roop Singh	ISMPP 41 st Annual Conference and National e-symposium on Innovative Approaches in Plant Health management	UHS, Shivmoga Karnataka	28.1.2021	30.1.2021
4	Dr. Mohmmad Yunus	“Gender budgeting and engendering agriculture development“ through online mode	SKNAU, Jobner	04.02.2021	06.02.2021
5	Dr. R. K. Yadav	4 th International Conference on “Global Approaches in Natural Resource Management for Climate Smart Agriculture (GNRSA-2020) during Pandemic Era of COVID - 19	Conference Hall, Shobhit Deemed University, Modipuram, Meerut, UP, India	26.02.2021	28.02.2021
6	Dr. Gitika Sharma	Leadership development and team building skill for extension fenciorans	MPUAT, Udaipur	01.03.2021	02.03.2021
7	Dr. Arjun Kumar Verma, Dr. Mohmmad Yunus, Sh. Arvind Nagar, Dr. Sewa Ram Rundala & Ms. Sunita Kumari	Leadership development and team building skills for extension functionaries	EEI, Anand (Gujarat)	01.03.2021	02.03.2021



8	Dr. Arjun Kumar Verma & Dr. Mohmmad Yunus	Virtual training program on Cluster Front Line Demonstrations on Oilseeds funded under NFSM	ATARI, Jodhpur	05.03.2021	06.03.2021
9	Dr. Gitika Sharma	Communication Skills for effective aversion series	MANAGE, Hyderabad	08.03.2021	09.03.2021
10	Dr. Arjun Kumar Verma & Ms. Sunita Kumari	Two days training programe on Financial Management	AU, Kota	18.03.2021	19.03.2021
11	Dr. Harish Verma, Ms Indira Yadav	Participation in two days training on finance management	HCM-RIPA, Kota	18.03.2021	19.03.2021
12	Dr. Mohmmad Yunus	Virtual training programme for DLTs on fruits and vegetable processing under PM -FME scheme	SNA/SLTI, CTAE, MPUAT, Udaipur, Rajasthan	22.03.2021	31.03.2021
13	Dr. Mohmmad Yunus	International Webinar on “World Earth Day, 2021 Restore Our Earth” under NAHEP	SKNAU, Jobner	22.04.2021	-
14	Dr. D.K. Singh	Workshop on TSP progress	ATARI, Jodhpur	23.04.2021	-
15	Dr. Harish Verma, Dr. Ghanshyam meena	Participation in online annual review meeting of STC/ SCSP 2020-21	ATARI, Jodhpur	23.04.2021	
16	Dr. Arjun Kumar Verma & Dr. Mohmmad Yunus	Virtual Annual Review workshop of STC (TSP) & SCSP- 2021	ATARI, Jodhpur	23.04.2021	24.04.2021
17	Dr. Sewa Ram Rundala & Dr. Mohmmad Yunus	webinar on Nano Urea	IFFCO, Rajasthan	10.05.2021	-
18	Dr. Mohmmad Yunus	National webinar on “Response and Resilience of Asia n Agri - Food System to Covid -19: Insight from Principal Food System”,	SKNAU, Jobner	14.05.2021	-
19	Dr. P.K. Prem Meena	64 th Annual workshop on virtual mode of AICRP on maize	ICAR-IMRI, Ludhiana	17.05.2021	19.05.2021
20	Dr. Arjun Kumar Verma, Dr. Mohmmad Yunus, Dr. Sewa Ram Rundala & Sunita Kumari	Virtual training on “Climate Smart Technologies and Practices for Increasing Soybean Productivity”	IISR, Indore and MANAGE, Hyderabad	18.05.2021	21.05.2021
21	Dr. Harish Verma	Climate smart technology and pra ctice for increasing the soybean productivity	MANAGE, Hyderabad	18.05.2021	21.05.2021
22	Dr. Mohmmad Yunus	National webinar on “Response and Resilience of Asian Agri Food System to Covid -19: Insight from Principal Food System”	SKNAU, Jobner	19.05.2021	-
23	Dr. Mohmmad Yunus	Webinar on “Entrepreneurial Potential of Small Scale Bee keeping in Rural India under NAHEP	SKNAU, Jobner	20.05.2021	-



24	Dr. Mohmmad Yunus	webinar on “Empowering Youth in Agripreneurship”,	NaaViC Agri-Business Incubation Centre, IVAR - NIVEDI, Bengaluru	21.05.2021	-
25	Dr. Sewa Ram Rundala	webinar on “Prospects of Under-utilized Fruits in India for Nutritional Security” under NAHEP	SKNCOA, Jobner	24.05.2021	-
26	Dr.B.L.Nagar	Webinar on Prospects of under-utilized fruits in India for Nutritional Security and Entrepreneurship	SKNAU, Jobner	24.05.2021	-
27	Dr. Mohmmad Yunus	Webinar on “Prospectus of Under-utilized Fruits in India for Nutritional Security and Entrepreneurship under NAHEP	SKNAU, Jobner	24.05.2021	-
28	Dr. Mohmmad Yunus	Webinar on “Dairy Processing and Value Addition: Entrepreneurial Opportunities and Strategies”	NaaViC Agri-Business Incubation Centre, IVAR - NIVEDI, Bengaluru	28.05.2021	-
29	Dr. Sewa Ram Rundala	Online webinar on “Speciality soybean variety: Addressing the needs of farmers, industry and consumer”,	ICAR-IISR, Indore.	04.06.2021	-
30	Dr. Sewa Ram Rundala	National webinar on “Restore ecosystem for healthy environment” under NAHEP.	SKNAU, Jobner	05.06.2021	-
31	Dr. Mohmmad Yunus	Webinar on “Prospects and challenges in entrepreneurship development in post harvest management”	NaaViC, ICAR-NIVEDI Bengaluru.	05.06.2021	-
32	Dr. Sewa Ram Rundala	National webinar on “Entrepreneurial potential of sheep and goat farming in Rajasthan”.	SKNAU, Jobner	08.06.2021	-
33	Dr.B.L.Nagar	Webinar on “Effective and improved techniques of soybean production”	AU, Kota	11.06.2021	-
34	Dr. Mohmmad Yunus & Dr. Arjun Kumar Verma	Webinar on “Effective and improved techniques of soybean production	ARS, Kota	11.06.2021	-
35	Dr. K.C. Meena	Soybean production technique	Online, ARS Kota	11.06.2021	-
36	Dr. Harish Verma,	National Seminar on Promotion of Direct Seeded rice (DSR) : Prospects challenges during covid-19 on virtual mode.	Division of agriculture extension ICAR, New Delhi and division of Natural resource management ICAR, NEW Delhi	12.06.2021	13.06.2021



37	Sh. Arvind Nagar	National webinar on Indian Jujube organized	ICAR-CIAH, Bikaner	14.06.2021	-
38	Dr. Sewa Ram Rundala	Online conference on "Inspiring experience from innovative farmers of India"	SKNAU, Jobner	15.06.2021	-
39	Dr. Mohmmad Yunus	Online training programme on "PRA tools and techniques for SREP development	EEl, Anand (Gujarat)	15.06.2021	18.06.2021
40	Dr. K.C. Meena	PRA tools and technic for SRET development	On line EEI, Anand	15.06.2021	18.06.2021
41	Dr. Sewa Ram Rundala	National webinar on "Nano technology in agriculture : Opportunity and challenges"	National academy of agriculture sciences, Bhopal Chapter and ICAR-IISS, Bhopal	21.06.2021	-
42	Dr. K.C. Meena	National Webinar on Leadership development in youth : Opportunities and Adventives	MPUAT, Udaipur	22.06.2021	-
43	Dr.B.L.Nagar	Webinar on "Agricultural Extension and Advisory Services Amid covid -19 Pandemic "	COA, kota	24.06.2021	-
44	Dr. Gitika Sharma	International training Sense, Health, Workplace, Initiahve ergonomics	MPUAT, Udaipur	26.06.2021	28.06.2021
45	Dr. Sewa Ram Rundala & Dr. Arjun Kumar Verma	webinar on "Agri -tourism: Future of Indian tourism and new Agri business avenues to the In dian farmers"	ICAR-ATARI, Jodhpur	29.06.2021	-
46	Dr. R.R.meena	Agri- tourism: future of Indian tourism and new Agri business Avenue to Indian farmers	ATARI - Jodhpur	29.06.2021	-
47	Dr. K.C. Meena & Dr. D.K. Singh	Webinar on "Agri -tourism: Future of Indi an Tourism & New Agri -business Avenues to the Indian Farmers"	ATARI - Jodhpur	29.06.2021	-
48	Dr. Harish Verma,	Webinar on "Agri -tourism: Future of Indian Tourism & New Agri -business Avenues to the Indian Farmers"	ATARI - Jodhpur	29.06.2021	-
49	Dr. Arjun Kumar Verma,	Virtual Annual Zonal Review Workshop	ATARI, Jodhpur	01.07.2021	03.07.2021
50	Dr. Harish Verma, Dr. Ghanshyam Meena	Participation in online annual zonal review workshop at DEE, AU, Kota organized by ICAR - ATARI, Zone -II, Jodhpur	ATARI, Jodhpur	01.07.2021	03.07.2021
51	Dr. Roop Singh	International webinar on 'Desert locust Schistocerca	NIPHM, Hyderabad	02.07.21	-



52	Dr. Sewa Ram Rundala	National webinar on “Role of Micro/organisms in resilient agriculture”. Organized	SKNAU, Jobner	05.07.2021	-
53	Dr. Sewa Ram Rundala	National webinar on “कृषि क्षेत्र में ईंधन संरक्षण के उपाय एवं सहयोगी सरकारी योजनाएं”	SKNAU, Jobner	06.07.2021	-
54	Dr. Sewa Ram Rundala	International webinar on “Role of legumes and pulses in sustainable cropping system of hot arid zone”	SKRAU, Bikaner	17.07.2021	-
55	Dr. Sewa Ram Rundala	National Webinar on “Bio/decomposer: Wealth from waste in farming system”	ICAR/Indian Institute of Farming System Research, Modipuram, Meruth.	20.07.2021	-
56	Dr. Mohmmad Yunus	Online webinar on Heat wave – Impact on Agriculture	SKNAU, Jobner	22.07.2021	-
57	Dr. Sewa Ram Rundala	National webinar on “Fodder management for sustainable livestock production in arid zone”	SKRAU, Bikaner	24.07.2021	-
58	Dr. Sewa Ram Rundala	National webinar on “Research and challenges of honey bees and pollinators in India”	SKNAU, Jobner	27.07.2021	-
59	Dr. Gitika Sharma	Webinar on glamorizing the rural farmer and urban	MPUAT, Udaipur	28.07.2021	-
60	Dr. P.K. Prem Meena	Online 28 th Annual workshop on Rapeseed & mustard	ICAR-NRC on Rapeseed & Mustard, Bharatpur	06.08.2021	07.08.2021
61	Dr. Gitika Sharma	Webinar on food and agri. Business startup in India Current Secure and Future persrecha	MPUAT, Udaipur	07.08.2021	-
62	Dr. D.K. Singh	Mangement development programme on formation of FPO/FPC & business plan	ATARI, Jodhpur	17.08.2021	24.08.2021
63	Dr. Roop Singh	Management Development Programme on Formation of FPO/FPC and Preparing its Business Plan on Virtual mode	NAARM, Hyderabad	17.08.2021	24.08.2021
64	Dr. Harish Verma,	Virtual training programme on management development programme on formation of FPO/FPC and preparing its business plan	NAARM, Hyderabad	17.08.2021	24.08.2021
65	Dr. Mohmmad Yunus	Online training on “Management Development Programme on Formation of FPO/FPC and Preparing Its Business Plan”.	NAARM, Hyderabad	17.08.2021	24.08.2021



वार्षिक प्रतिवेदन 2021

66	Dr. D.K. Singh	Startegy of coping scenario of drough and flood	ATARI, Jodhpur	03.09.2021	-
67	Dr. Sewa Ram Rundala	Online national webinar on “Scientific got farming : from the livelihood to financial security for the farmers”	ICAR-RCER, Patna, Bihar	18.09.2021	-
68	Dr. Arjun Kumar Verma, Dr. Mohmmad Yunus, Mr. Arvind Nagar and Dr. Sewa Ram Rundala	Online training on “Recent Extension Approches for Effective transfer of technology”	AU, Kota (Raj.) and EEI, AAU Campus, Anand, Gujarat.	22.09.2021	24.09.2021
69	Dr. K.C. Meena	Online training on Recent extension approach for effective transfer of technologies	EEI, Anand, Gujrat	22.09.2021	24.09.2021
70	Dr T. C. Verma	Online training on recent advanced temperate fruit & nut crops for higher productivity & nutritional security	ICAR,-DCR, Puttur, Kerla	24.09.2021	-
71	Dr.B.L. Nagar	Annual workshop of AICRP on Potato	CPRI, Shimla	27.09.2021	29.09.2021
72	Dr. H. P. Meghwal	Agricultural Research Methodologies, Practices and their Management	Samagra Vikas Welfare Society (SVWS) and College of Horticulture & Forestry, Central Agricultural University, Pasighat, Arunachal Pradesh during	04.10.2021	24.10.2021
73	Dr. Arjun Kumar Verma , Dr. Sewa Ram Rundala	International virtual workshop on “ soil carbon for sustainable crop production and soil health management	SKNAU, Jobner	04.10.2021	05.10.2021
74	Dr. Sewa Ram Rundala	Webinar on artificial intelligence ai machine learning and block chain technology in agriculture by	MANAGE, Hyderabad	08.10.2021	-
75	Dr. D.K. Singh	Annual review meeting of STC&SCSP	ATARI, Jodhpur	21.10.2021	-
76	Dr. R.K. Bairwa	Workshop cum training on Pulses under NFSM	ICAR-ATARI, Jodhpur	09.11.21	10.11.21
77	Dr. Mohmmad Yunus	Sensitization workshop - cum- Training Programme on Pulse production Technology under NFSM	ICAR-ATARI, Jodhpur	09.11.2021	10.11.2021
78	Dr. Harish Verma	Zonal workshop cum training programme on pulses production technology under NFSM	ICAR- TARI, Jodhpur	09.11.2021	10.11.2021
79	Dr. Sewa Ram Rundala	Online National Webinar on “Nutrient Management in Dominant Cropping Systems under different Agro climatic zones of India”	ICAR-IISS, Bhopal	11.11.2021	-
80	Dr.B.L.Nagar	9 th Indian Horticulture Congress-2021	Indian Academy of Horticultural Science, New Delhi	18.11.21	21.11.21



81	Dr. Harish Verma Dr. Ghanshyam Meena	Workshop on Status, Challenges and prospects of Livestock especially for small and marginal.	CSWRI, Avikanagar, Tonk	20-11-2021	-
82	Dr. Sewa Ram Rundala	National Webinar on "Teachers Shape young mind and inspire them to be leaders of tomorrow" under NAHEP	SKNAU, Jobner	20.11.2021	-
83	Dr.B.L.Nagar	International Potato e-conference	ICAR-Central Potato Research Institute, Shimla	23.11.21	26.11.21
84	Dr. R.K. Bairwa	Fifth International Agronomy Congress on Agri-Innovation to combat food and Nutrition challenges	Indian Society of Agronomy at Professor Jayashankar Telangana State Agriculture University, Hyderabad	23.11.21	27.11.21
85	Dr. Arjun Kumar Verma	Fifth International Agronomy Congress on "Agri Innovations to Combat Food and Nutrition Challenges"	Indian Society of Agronomy (ISA), Hyderabad	23.11.2021	-

13. सफलता की कहानियाँ

आयी परियोजना प्रशिक्षित युवाओं द्वारा सफल शेती स्टार्ट-अप

उद्यमी का नाम	: अजय सिंह
शैक्षणिक स्तर	: एमएस
पेशा	: कृषि
मोबाईल नं.	: 8279340400
स्थापित इकाई एवं वर्ष	: आयुर्वेदिक पशुधन (2021)
उत्पादन	: 1000 kg
उत्पादन लागत	: 48,000
बिक्रय मूल्य	: 2,20,000
शुद्ध आय	: 1,80,000

आयी परियोजना प्रशिक्षित युवाओं द्वारा सफल शेती स्टार्ट-अप

उद्यमी का नाम	: अशोक कुमार
शैक्षणिक स्तर	: एमएस
पेशा	: कृषि
मोबाईल नं.	: 8094642102
स्थापित इकाई एवं वर्ष	: कृषि (2021)
उत्पादन	: 3000 kg
उत्पादन लागत	: 60,000
बिक्रय मूल्य	: 4,30,000
शुद्ध आय	: 3,70,000

आयी परियोजना प्रशिक्षित युवाओं द्वारा सफल शेती स्टार्ट-अप

उद्यमी का नाम	: अशोक कुमार
शैक्षणिक स्तर	: एमएस
पेशा	: कृषि
मोबाईल नं.	: 988788888
स्थापित इकाई एवं वर्ष	: कृषि (2021)
उत्पादन	: 1000 kg
उत्पादन लागत	: 2,00,000
बिक्रय मूल्य	: 1,20,000
शुद्ध आय	: 1,40,000

आयी प्रशिक्षणार्थी द्वारा मधुमक्खीपालन इकाई स्टार्टअप

युवा उद्यमी	: मुकेश नाथ
ग्राम	: पशुधन
मोबाईल नं.	: 7230803005
स्थापित इकाई एवं वर्ष	: मधुमक्खीपालन (2021)
उत्पादन	: 100 किग्रा
उत्पादन लागत	: 4,00,000
कुल लागत	: 7,80,000
शुद्ध आय	: 3,80,000

आयी प्रशिक्षणार्थी द्वारा मधुमक्खीपालन इकाई स्टार्टअप

युवा उद्यमी	: अशोक नाथ
ग्राम	: पशुधन
स्थापित इकाई एवं वर्ष	: मधुमक्खीपालन (2021)
उत्पादन	: 100 किग्रा
उत्पादन लागत	: 4,00,000
कुल लागत	: 7,80,000
शुद्ध आय	: 3,80,000

आयी परियोजना प्रशिक्षित युवाओं द्वारा सफल शेती स्टार्ट-अप

उद्यमी का नाम	: अशोक कुमार
शैक्षणिक स्तर	: एमएस
पेशा	: कृषि
मोबाईल नं.	: 9982355555
स्थापित इकाई एवं वर्ष	: कृषि (2021)
उत्पादन	: 1000 kg
उत्पादन लागत	: 12,400
बिक्रय मूल्य	: 1,07,200
शुद्ध आय	: 94,800

आयी प्रशिक्षणार्थी द्वारा बगीचामुस्त इकाई स्टार्टअप

युवा उद्यमी	: दशरथ सिंह बाता
ग्राम	: बाता
मोबाईल नं.	: 6800752005
स्थापित इकाई एवं वर्ष	: बगीचामुस्त (2021)
उत्पादन	: 400 किग्रा
उत्पादन लागत	: 50,000
कुल लागत	: 2,20,000
शुद्ध आय	: 1,70,000

आयी प्रशिक्षणार्थी द्वारा बगीचामुस्त इकाई स्टार्टअप

युवा उद्यमी	: अशोक सिंह
ग्राम	: सलीमगिरा
मोबाईल नं.	: 7073837500
स्थापित इकाई एवं वर्ष	: बगीचामुस्त (2021)
उत्पादन	: 380 किग्रा
उत्पादन लागत	: 28,000
कुल लागत	: 2,00,000
शुद्ध आय	: 1,45,000

आयी परियोजना प्रशिक्षित युवाओं द्वारा सफल शेती स्टार्ट-अप

उद्यमी का नाम	: अशोक कुमार
शैक्षणिक स्तर	: एमएस
पेशा	: कृषि
मोबाईल नं.	: 8290657777
स्थापित इकाई एवं वर्ष	: कृषि (2021)
उत्पादन	: 1.2 ha
उत्पादन लागत	: 1,40,000
शुद्ध आय	: 1,40,000



14. प्रतिष्ठित व्यक्तियों का विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों का अवलोकन

क्र. सं.	नाम एवं पद	भ्रमण तिथि	उद्देश्य	फोटोग्राफ
1	श्री भरत सिंह, माननीय विधायक, सांगोद कोटा	13.01.2021	कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा की गतिविधियों का अवलोकन	
2	श्री हरिमोहन मीणा, जिला कलक्टर, झालावाड़	17.01.2021	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ की गतिविधियों का अवलोकन	
3	श्री हरिमोहन मीणा, जिला कलक्टर, झालावाड़	17.02.2021	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ की गतिविधियों का अवलोकन	
4	डॉ. अभय कुमार व्यास, पूर्व सहायक महानिदेशक, मानव संसाधन प्रबंधन आई.सी.ए.आर. नई दिल्ली	19.02.2021	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ की गतिविधियों का अवलोकन	
5	डॉ. एल.एन. हर्ष, पूर्व कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर	16.03.2021	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ की गतिविधियों का अवलोकन	
6	श्री निधि बीटी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, झालावाड़	03.06.2021	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ की गतिविधियों का अवलोकन	
7	श्रीदाताराम, एडीएम, झालावाड़	16.06.2021	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ की गतिविधियों का अवलोकन	



8	प्रो. डी. सी. जोशी, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा डॉ. एल. के. दशोरा, एमिरेट्स प्रोफेसर, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	07.08.2021	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ की गतिविधियों का अवलोकन	
9	श्री हरिमोहन मीणा, जिला कलक्टर, झालावाड़	19.08.2021	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ की गतिविधियों का अवलोकन	
10	प्रो. डी. सी. जोशी कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	31.08.2021	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ की गतिविधियों का अवलोकन	
11	1. डॉ. टी.ए. मोरे, पीआरटी, अध्यक्ष 2. डॉ. बी. मोहन कुमार, कुलपति, अरुणाचल विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश 3. डॉ. कमल शर्मा, डीन, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, नेरी, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश 4. डॉ. सी.आर. आनन्द कुमार, पूर्व कुलसचिव, तमिलनाडु, कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर, तमिलनाडु 5. डॉ. निधि वर्मा, प्रधान वैज्ञानिक, शिक्षा विभाग, भा. कृ.अनु.प., नई दिल्ली 6. प्रो. डी. सी. जोशी, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	07.09.2021	पी.आर.टी. टीम द्वारा उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़. एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ की गतिविधियों का अवलोकन	
12	डॉ. डी. सी. जोशी, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	06.10. 2021	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक	



15. प्रेस मीडिया में कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

कृषि प्रबंधन के लिए योग्य एवं तकनीकी रूप से दक्ष युवा तैयार करें : मिश्र

कृषि विश्वविद्यालय का नया विभाग 'कृषि प्रबंधन' का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री अशोक मिश्र ने कहा कि युवाओं को कृषि प्रबंधन के क्षेत्र में तैयार करने के लिए यह विभाग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कृषि विश्वविद्यालय का नया विभाग 'कृषि प्रबंधन' का शुभारंभ किया गया।

दौलत समारोह- हेल्थीकॉन्वर्ट में तकनीकी कार्यों से राज्यपाल नहीं हो पाए समारोह में शामिल, वर्युत्तली संवोधित कर बांटी डिग्रियां कृषि विवि ने बांटी 188 उपाधियों, 17 में से 11 बैटियों को मिले गोल्ड मेडल

कृषि विश्वविद्यालय की छात्राओं ने दौलत समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने 188 उपाधियां जीतीं, जिनमें से 11 बैटियों को गोल्ड मेडल मिला।

कृषि विश्वविद्यालय की छात्राओं ने दौलत समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कृषि शिक्षा से समाज में परिवर्तन संभव

कृषि शिक्षा के माध्यम से समाज में परिवर्तन संभव है। यह शिक्षा किसानों को आधुनिक तकनीकों से अवगत कराती है, जिससे वे अपने उत्पादन को बेहतर बना सकते हैं।

कृषि शिक्षा के माध्यम से समाज में परिवर्तन संभव है।

कृषि संस्थानों के शुरु होने से नवाचारों एवं अनुसंधानों को बढ़ावा मिलता है: कटारिया

कृषि संस्थानों के शुरू होने से नवाचारों एवं अनुसंधानों को बढ़ावा मिलता है। यह संस्थान किसानों को नए तकनीकों से अवगत कराते हैं, जिससे वे अपने उत्पादन को बेहतर बना सकते हैं।

कृषि संस्थानों के शुरू होने से नवाचारों एवं अनुसंधानों को बढ़ावा मिलता है।

दैनिक नवज्योति | सिटीडिस्क्रीट

कृषि विश्वविद्यालय का पांचवां दौलत समारोह आयोजित, वर्युत्तली समारोह से राज्यपाल ने की अभिनवादन। छात्रों को 188 उपाधियां मिलीं, जिनमें से 11 बैटियों को गोल्ड मेडल मिला।

कृषि विश्वविद्यालय का पांचवां दौलत समारोह आयोजित, वर्युत्तली समारोह से राज्यपाल ने की अभिनवादन।

कृषि विश्वविद्यालय उमदेवगंज के नवीन भवन का हुआ शिला-प्राथ

कृषि कॉलेज से हाइड्रोपॉनिक में नवाचारों एवं अनुसंधानों को मिलेगा बढ़ावा : कृषि मंत्री

3.39 करोड़ लागत के इव्यूथेशन सेंटर की मिली स्वीकृति

कृषि विश्वविद्यालय उमदेवगंज के नवीन भवन का शिला-प्राथ हुआ। इस भवन में कृषि शिक्षा के माध्यम से समाज में परिवर्तन संभव है।

कृषि विश्वविद्यालय उमदेवगंज के नवीन भवन का शिला-प्राथ हुआ।

कृषि विवि प्रबंध मंडल की बैठक में सहायक प्राध्यापकों को किया प्रमोट

कृषि विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल की बैठक में सहायक प्राध्यापकों को प्रमोट किया गया।

कृषि विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल की बैठक में सहायक प्राध्यापकों को प्रमोट किया गया।



परिशिष्ट-1
प्रबंध मंडल सदस्य

क्र. सं.	नाम सदस्य एवं पता	पदेन
1	प्रो.डी.सी. जोशी, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	पदेन अध्यक्ष
2	श्री रामनारायण मीणा, माननीय विधायक पीपल्स विधानसभा क्षेत्र (विधानसभा अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)	सदस्य
3	प्रमुख शासन सचिव, वित्त राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
4	प्रमुख शासन सचिव, कृषि राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
5	प्रमुख शासन सचिव, पशुपालन राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
6	सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य
7	डॉ. ओ.पी.यादव, निदेशक, आई.सी.ए.आर.-काजरी, जोधपुर (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के प्रतिनिधि)	सदस्य
8	प्रो.अयूब खान, गणित विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (प्रख्यात शिक्षाविद)	सदस्य
9	प्रो.डी.पी. जारोली, जयपुर (प्रख्यात शिक्षाविद)	सदस्य
10	श्री चौथमल नागर, कोटा (प्रगतिशील किसान)	सदस्य
11	श्री बजरंग कुमार साबू, कोटा (प्रतिष्ठित कृषि उद्योगपति)	सदस्य
12	श्रीमति रूकमणी मीणा, कोटा (महिला समाज सेविका)	सदस्य
13	डॉ. एम.सी.जैन, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय कोटा	सदस्य
14	डॉ. ममता तिवारी, निदेशक मानव संसाधन विकास, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
15	डॉ. विरेन्द्र सिंह, प्रोफेसर, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
16	श्री एन.के. जैन, कुलसचिव, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य सचिव

परिशिष्ट-2
अकादमिक परिषद सदस्य

क्र. सं.	नाम व पद	पदेन
1	प्रो.डी.सी. जोशी, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय कोटा	पदेन अध्यक्ष
2	डॉ. वीरेन्द्र नेपालिया, पूर्व परीक्षा नियंत्रक एम.पी.यू.ए.टी., उदयपुर	बाह्य सदस्य
3	डॉ. प्रताप सिंह निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
4	डॉ. एस.के. जैन निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
5	डॉ. ममता तिवारी, निदेशक मानव संसाधन विकास, कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
6	डॉ. मुकेश चन्द गोयल, निदेशक पी.एम.एण्ड ई, कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
7	डॉ. जितेन्द्र सिंह निदेशक छात्र कल्याण कृषि विश्वविद्यालय कोटा एवं विभागाध्यक्ष फल विज्ञान विभाग सी.एच.एफ. झालावाड़	सदस्य



8	डॉ. एम.सी. जैन, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय कोटा	सदस्य
9	डॉ. आई.बी.मौर्या, अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़	सदस्य
10	डॉ. एन.एल. मीना, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय हिण्डौली बून्दी	सदस्य
11	डॉ. विरेन्द्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
12	डॉ. बलदेव राम विभागाध्यक्ष (शस्य विज्ञान) कृषि अनुसन्धान केन्द्र, कोटा	सदस्य
13	डॉ. सुभाष शर्मा विभागाध्यक्ष आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग) कृषि अनुसन्धान केन्द्र, कोटा	सदस्य
14	डॉ. डी.के. सिंह, प्रोफेसर उद्यान विज्ञान के.वी.के. अन्ता (बारौ)	सदस्य
15	डॉ. एस.बी.एस. पाण्डेय, विभागाध्यक्ष सिल्वीकल्चर एण्ड एग्रोफोरेस्ट्री, सी .एच. एफ. झालावाड़	सदस्य
16	श्री एन.के. जैन, कुलसचिव कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
17	श्री रामधन रेगर, वित्त नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय कोटा	आमंत्रित
18	डॉ. एस.सी.भण्डारी, पूर्व प्रोफेसर एवं परीक्षा नियंत्रक एम.पी.यू.ए.टी., उदयपुर	आमंत्रित
19	डॉ. आर.के. जैन, पूर्व प्राचार्य, ए.डी. पटेल प्रौद्योगिकी संस्थान	आमंत्रित
20	डॉ. एस.के. शर्मा, निदेशक अनुसन्धान, एम.पी.यू.ए.टी., उदयपुर	आमंत्रित
21	डॉ. मनमोहन जे .आर. प्रोफेसर एग्रोफोरेस्ट्री, आर .एल.बी. केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय झाँसी	आमंत्रित
22	डॉ. आशुतोष मिश्रा, निदेशक शिक्षा कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य सचिव

परिशिष्ट-3
अनुसंधान परिषद सदस्य

क्र. स.	नाम एवं पद	पदेन
1	प्रोफेसर डी. सी. जोशी माननीय कुलपति महोदय कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	अध्यक्ष
2	आयुक्त/निदेशक (कृषि) पन्त कृषि भवन जयपुर (नामित सदस्य)	सदस्य
3	निदेशक (उद्यानिकी) पन्त कृषि भवन जयपुर (नामित सदस्य)	सदस्य
4	डॉ. डी.के. यादव, विशेषज्ञ, सहायक महानिदेशक (बीज), आई .सी.ए.आर., नई दिल्ली	सदस्य
5	डॉ. ममता तिवारी, निदेशक एच.आर.डी., कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
6	डॉ. मुकेश चन्द गोयल, निदेशक पी.एम. एण्ड ई, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
7	डॉ. एस.के. जैन, निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
8	डॉ. आशुतोष मिश्रा, निदेशक शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
9	डॉ. जितेन्द्र सिंह, निदेशक छात्र कल्याण, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
10	डॉ. आई. बी. मौर्या, अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	सदस्य
11	डॉ. एम. सी. जैन, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
12	डॉ. जे. एम. धाकड़, अतिरिक्त निदेशक बीज एवं फार्म, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा एवं प्रभारी अधिकारी, यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज, कोटा	सदस्य
13	डॉ. एन.एल. मीणा, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा	सदस्य
14	डॉ. बलदेव राम, विभागाध्यक्ष शस्य विज्ञान विभाग, कृषि अनुसन्धान केन्द्र, कोटा एवं कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य



15	डॉ. एस.सी. शर्मा, विभागाध्यक्ष आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा एवं कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
16	डॉ. महेन्द्र सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	सदस्य
17	डॉ. बी. एल. मीणा वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर	सदस्य
18	डॉ. अशोक कुमार, अध्यक्ष, आई.सी.ए.आर-आई.आई.एस. एवं डब्ल्यू.सी., कोटा	आंमत्रित
19	डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य सचिव

परिशिष्ट-4
प्रसार शिक्षा परिषद सदस्य

क्र.सं.	नाम व पद	पदेन
1	प्रो.डी.सी. जोशी, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	पदेन अध्यक्ष
2	सचिव कृषि विभाग राजस्थान सरकार,	सदस्य
3	निदेशक कृषि/उद्यान/पशुपालन/मत्स्य/मुख्य वन संरक्षक राजस्थान सरकार	सदस्य
4	डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
5	डॉ. ममता तिवारी, निदेशक मानव संसाधन विकास, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
6	डॉ. जितेन्द्र सिंह, निदेशक छात्र कल्याण, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
7	डॉ. आशुतोष मिश्रा, निदेशक शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
8	डॉ. मुकेश चन्द गोयल, निदेशक पी.एम. एण्ड ई., कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
9	डॉ. आई. बी. मोर्या, अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	सदस्य
10	डॉ. एम.सी. जैन, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
11	डॉ. एन.एल. मीना, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय हिण्डौली बून्दी	सदस्य
12	डॉ. अरुण ए. पटेल, पूर्व निदेशक प्रसार शिक्षा, आनंद कृषि विश्वविद्यालय, आनंद, गुजरात (प्रसार शिक्षा के दो प्रख्यात वैज्ञानिक कुलपति द्वारा नामित)	सदस्य
13	डॉ. एस.के. शर्मा, निदेशक प्रसार शिक्षा, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर (प्रसार शिक्षा के दो प्रख्यात वैज्ञानिक कुलपति द्वारा नामित)	सदस्य
14	डॉ. रामावतार शर्मा, संयुक्त निदेशक (कृषि), कोटा खण्ड, कोटा	सदस्य
15	डॉ. अशोक कुमार, प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, आई.आई.एस.डब्ल्यू.सी.आर.सी., कोटा	सदस्य
16	क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, उम्मेदगंज, कोटा	सदस्य
17	डॉ. अमृता, सहायक निदेशक, मत्स्य विभाग, कोटा	सदस्य



18	श्री सुधीर मान, मुख्य क्षेत्रीय प्रबन्धक, इफको, कोटा	सदस्य
19	श्री मुकेश कुमार वर्मा, क्षेत्रीय प्रबन्धक, राष्ट्रीय बीज निगम, कोटा	सदस्य
20	श्री अवधेश कुमार मिश्रा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, एन.एच.ए.आर.डी.एफ., कोटा	सदस्य
21	डॉ. डी.के. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बारा)	सदस्य
22	डॉ. महेन्द्र सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	सदस्य
23	डॉ. बच्चू सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन(करौली)	सदस्य
24	डॉ. हरीश वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी	सदस्य
25	डॉ. अर्जुन वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़	सदस्य
26	श्री बी .एल. मीणा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाईमाधोपुर	सदस्य
27	डॉ. बलदेव राम, सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (शस्य विज्ञान), कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
28	डॉ. एस.सी.शर्मा, सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी), कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
29	श्री प्रेम चन्द पाटीदार, प्रगतिशील कृषक, दीवलखेड़ा, झालावाड़	सदस्य
30	श्री शिवचरण गोस्वामी, प्रगतिशील कृषक, नागदा की झोपड़ियां, अन्ता	सदस्य
31	श्री अनुप मीणा, प्रगतिशील कृषक, सपोटरा, करौली	सदस्य
32	डॉ. वीरेन्द्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
33	डॉ. एस.के. जैन, निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य सचिव

परिशिष्ट-5
शिक्षा परिषद सदस्य

क्र.सं.	नाम व पद	पदेन
1	डॉ. आशुतोष मिश्रा, निदेशक शिक्षा कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	अध्यक्ष
2	डॉ. आई.बी.मौर्या, अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़	सदस्य
3	डॉ. एम.सी. जैन, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय कोटा	सदस्य
4	डॉ. एन.एल. मीणा, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय हिण्डौली बून्दी	सदस्य
5	डॉ. जितेन्द्र सिंह निदेशक छात्र कल्याण कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
6	डॉ. विरेन्द्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
7	श्री रामफूल बैरवा, पुस्तकालय अध्यक्ष, कृषि अनुसन्धान केन्द्र, कोटा	सदस्य



परिशिष्ट-6
वरिष्ठ अधिकारी परिषद सदस्य

क्र.सं.	नाम व पद	पदेन
1	प्रो.डी.सी. जोशी, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	पदेन अध्यक्ष
2	श्री एन.के. जैन, कुलसचिव कृषि, विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
3	श्री रामधन रेगर, वित्त नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
4	डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
5	डॉ. एस.के. जैन, निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
6	डॉ. जितेन्द्र सिंह, निदेशक छात्र कल्याण, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
7	डॉ. ममता तिवारी, निदेशक मानव संसाधन विकास, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
8	डॉ. आशुतोष मिश्रा, निदेशक शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
9	डॉ. एम.सी. जैन, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
10	डॉ. आई.बी.मौर्या, अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	सदस्य
11	डॉ. एन.एल.मीणा, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, हिण्डौली, बून्दी	सदस्य
12	ई. अजय सिंह, सम्पदा अधिकारी, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
13	डॉ. विरेन्द्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
14	डॉ. मुकेश चन्द गोयल, निदेशक पी.एम.एण्ड ई., कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य सचिव

परिशिष्ट-7
वित्त समिति सदस्य

क्र.सं.	नाम व पद	पदेन
1	प्रो. डी.सी. जोशी, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	अध्यक्ष
2	श्री टी.पी. मीना, सी.ए.ओ., संभागीय आयुक्त कार्यालय, कोटा (प्रतिनिधि वित्त विभाग)	सदस्य
3	डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
4	श्री बजरंग लाल साबू, प्रबन्ध मण्डल सदस्य, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
5	श्री रामधन रेगर, वित्त नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	पदेन सचिव

परिशिष्ट-8
भवन समिति सदस्य

क्र.सं.	नाम व पद	पदेन
1	प्रो. डी.सी. जोशी, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	अध्यक्ष
2	अतिरिक्त मुख्य अभियंता, पी.डब्ल्यू डी, कोटा	सदस्य
3	श्री एन.के. जैन, कुलसचिव, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
4	श्री रामधन रेगर, वित्त नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
5	डॉ. मुकेश चन्द गोयल निदेशक पी.एम.एण्ड ई., कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
6	डॉ एम.सी.जैन, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटा	सदस्य
7	डॉ. एस.के.जैन, निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
8	इंजी. अजय सिंह, सम्पदा अधिकारी, कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य सचिव



परिशिष्ट-9

बोर्ड ऑफ स्टडीज सदस्य, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़

क्र.सं.	नाम व पद	पदेन
1	डॉ. आई.बी.मौर्या, संकाय अध्यक्ष तथा अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	पदेन अध्यक्ष
2	डॉ. आशुतोष मिश्रा, निदेशक शिक्षा कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	पदेन सदस्य
3	डॉ. जितेन्द्र सिंह निदेशक छात्र कल्याण कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	पदेन सदस्य
4	डॉ. एस.के. शर्मा, अधिष्ठाता के .एस.जी.ए. कृषि महाविद्यालय, हिमाचल प्रदेश (कुलपति द्वारा नामित)	बाह्य सदस्य
5	डॉ. अनिल नेगी वैज्ञानिक, आई.सी.एफ.आर.ई. देहरादून	बाह्य सदस्य
6	डॉ. बलदेव राम, एसोसिएट प्रोफेसर, कृषि अनुसन्धान केन्द्र. कोटा	सदस्य
7	सभी विभागों के अध्यक्ष एवं प्रभारी	सदस्य

परिशिष्ट-10

बोर्ड ऑफ स्टडीज सदस्य, कृषि महाविद्यालय, कोटा

क्र.सं.	नाम व पद	पदेन
1	डॉ. एम.सी.जैन संकाय अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटा	पदेन अध्यक्ष
2	डॉ. आशुतोष मिश्रा, निदेशक शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	पदेन सदस्य
3	डॉ. जितेन्द्र सिंह, निदेशक छात्र कल्याण , कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	पदेन सदस्य
4	डॉ. वीरेन्द्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	पदेन सदस्य
5	डॉ. वाई.एम. शुक्ला, प्राचार्य, बी.ए. कॉलेज, आनन्द कृषि विश्वविद्यालय, आनन्द, गुजरात	बाह्य सदस्य
6	डॉ. एस.एस. यादव अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, लालसोट, दौसा	बाह्य सदस्य
7	डॉ. एस.के. जैन, प्रोफेसर, माननीय कुलपति द्वारा नामित	सदस्य
8	डॉ. महेन्द्र सिंह, प्रोफेसर, माननीय कुलपति द्वारा नामित	सदस्य
9	डॉ. सी.बी मीना, एसोसिएट प्रोफेसर, माननीय कुलपति द्वारा नामित	सदस्य
10	डॉ. एम.के. शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, माननीय कुलपति द्वारा नामित	सदस्य
11	सभी विभागाध्यक्ष	सदस्य





कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

बारौं रोड, बोरखेड़ा, कोटा-324001 (राजस्थान)

☎ : 0744-2321204

E-mail : aukota2013@gmail.com, Website : <http://aukota.org>

मुद्रक : डायमण्ड प्रिन्टर्स, नई धानमण्डी, कोटा (मो. 9414231079)